देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 21 सितंबर 2026 । वर्ष –70 । अंक –298 पृष्ठ –12 । मूल्य – 3.00 रु.

■ नए रंगों में छात्रों की ...
■ राहुल मेहनत कर रहे ... 04

■ हूती हमलों के बीच सऊदी के काम आएगा ...
■ पाकिस्तान के गले की फांस बना मक्का समझौता.. 09

■ शलगम की उन्नत खेती कब और कैसे करें..
■ कद्दू की उन्नत खेती, किस्में, बुवाई का... 11

■ भारतीय पुरुष हॉकी ..
■ फाईनल में पहुंची... 10

दिल्ली के 33 लाख मतदाताओं को नोटिस

आडवाणी, सिसोदिया, केजरीवाल व कपिल सिब्बल भी शामिल

29 अक्टूबर तक जमा कराने होंगे दस्तावेज

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है। निर्वाचन आयोग द्वारा विवरणों में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके नाम 2002 के विशेष गहन

पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं। आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता-पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है। इस सूची में आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं। तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही इन नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मतदाताओं को अपने जवाब और दस्तावेज संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास 29 अक्टूबर तक जमा कराने होंगे, जबकि दावों और आपत्तियों का चरण 30 सितंबर को समाप्त होगा।

फॉर्म में विसंगतियों के चलते दिया नोटिस

30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था। मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

'जबलपुर के राजकुमार'

देशबन्धु, जबलपुर। गौतम मढ़िया संकटमोचन हनुमान मंदिर के समक्ष नवयुवक गणेत्सव समिति द्वारा मां की गोद में विराजित श्री गणेश प्रतिमा, जिन्हें जबलपुर का राजकुमार नाम दिया गया है। छाया- देशबन्धु

सार संक्षेप

आईआईटी बॉम्बे आत्महत्या मामला
प्रोफेसर पर एफआईआर दर्ज

मुंबई, (एजेंसियां)। आईआईटी बॉम्बे में स्टूडेंट साहिल रविंद्र वाकोडे की आत्महत्या के मामले में प्रोफेसर सूर्यनारायण डल्ला पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। साहिल के पिता ने प्रोफेसर पर बेटे को करीब 3 महीने से जातिसूचक गालियां देने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। साहिल के पिता ने अपनी शिकायत में आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर श्रीशिश बी. केदारे, कुछ फैकल्टी मेंबर्स और सीनियर अधिकारियों के नाम भी दिए हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि डायरेक्टर के निर्देश पर साहिल का उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने और एस सी/एसटी एक्ट की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है। मामले की जांच अब मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है। साहिल 22 साल का था और एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में सेकंड ईयर बीटैक का छात्र था। वह 18 सितंबर को हॉस्टल नंबर-4 स्थित अपने कमरे में मृत मिला। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला।

दिल्ली : सड़क हादसे में 3 की मौत

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के सरिता विहार इलाके में रविवार तड़के एक डंपर ट्रक ने खड़ी क्रेन और ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह करीब 3:20 बजे हुआ। हरियाणा का डंपर नोएडा से आ रहा था और उसने सड़क पर खड़ी क्रेन तथा ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान उमेश, प्रवीण तथा सूरज के रुप में हुई है।

चूहा-सुनती हो- दिल्ली एसआईआर में बड़े-बड़े नेताओं सहित मुख्यमंत्री को भी नोटिस दिया है।

चुहिया- हां प्रिये- कानूनी व्यवस्था से बड़ा कौन हो सकता है।

गांधी सागर अभयारण्य

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नीमच,मंदसौर जिले के गांधी सागर अभयारण्य में रविवार को मादा चीता राधा को छोड़ा। राधा के साथ ही अब इस अभयारण्य में चीतों की संख्या चार हो गई है। राधा अष्टमी के कारण इस मादा चीता को राधा नाम दिया गया है।

साढ़े तीन लाख से अधिक शासकीय भर्तियां की जाएंगी : मुख्यमंत्री

नीमच में शुरू होगा एयरपोर्ट और सर्वसुविधायुक्त स्टेडियम भी बनेगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि- नीमच में शीघ्र ही एयरपोर्ट बनाया जायेगा। साथ ही खेल सुविधाओं में विस्तार के लिये सर्व 'सुविधायुक्त स्टेडियम भी बनाया जायेगा। प्रदेश में पिछले ढाई वर्षों में एक लाख से अधिक भर्तियां की गई हैं। आगामी ढाई वर्षों में साढ़े तीन लाख से अधिक भर्तियां और की जायेंगी।

मुख्यमंत्री ने नीमच के अग्रोहा भवन में आयोजित सेवा से संकल्प अभियान के अभिनंदन कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी और देश को विकास के पथ पर आगे ले जाने में उनके योगदान का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेश में सेवा से संकल्प अभियान संचालित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का शिक्षा बजट लगभग 5 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 38 हजार करोड़ रुपये तथा प्रदेश का कुल बजट बढ़कर 4 लाख 48 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में ड्रॉपआउट रेट शून्य होने को महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय एक लाख 70 हजार रुपये से अधिक हो गई है तथा बिजली उत्पादन 32 हजार मेगावॉट से अधिक पहुंच गया है। वर्ष 2002 में प्रदेश में लगभग 5 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि वर्तमान में 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जिनमें करीब 8 हजार सीटें उपलब्ध हैं। समारोह में विधायक अनिरुद्ध माधव मारू, नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा एवं वंदन खंडेलवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

मणिपुर के फिर हिंसक प्रदर्शन

नेशनल हाईवे खोदा, पत्थर फेंके

इंफाल, (एजेंसियां)। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। अब कांगपोकपी जिले में 7 कुकी ग्रामीणों की हिरासत के विरोध में हिंसक प्रदर्शन हुए। मोतबुंग और आसपास के इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कें रोकीं, टायर जलाए और सरकारी

7 कुकी ग्रामीणों की हिरासत का विरोध कर रहे थे

वाहनों पर पत्थर फेंके। सुरक्षा बलों ने भीड़ को हटाने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले छोड़े। अधिकारियों के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने बाद में सातों गांव स्वयंसेवकों को छोड़ दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हो गया और जिले में स्थिति नियंत्रण में है। प्रदर्शनकारियों का दावा था कि खोलेन गांव के सात लोगों को सुरक्षा बलों ने बिना कारण बताए हिरासत में लिया। खोलेन गांव जिले के नागा-बहुल चावांगकिनिंग गांव के पास है। खोलेन गांव पर हाल ही में हथियारबंद उपद्रवियों ने हमला किया था।

अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों के वाहनों को रोकने के लिए मोतबुंग में राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (इंफाल-दीमापुर) के कुछ हिस्से भारी निर्माण उपकरणों से खोद दिए। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोग घायल हुए। उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बाद में सात गांव स्वयंसेवकों को रिहा कर दिया। अधिकारी ने कहा, 'जिले में अब स्थिति नियंत्रण में है।'

छात्रा के सवाल पर राहुल गांधी ने सरकार को घेरा

सरकार के पास दिया जलाने का पैसा, हॉस्टल का नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन दिनों 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के जरिए छात्रों और युवाओं से संवाद कर रहे हैं। इसी सिलसिले में वह 19 सितंबर को मध्य प्रदेश के इंदौर पहुंचे, जहां उन्होंने छात्रों से बातचीत की और उनकी शिक्षा, हॉस्टल, रोजगार तथा प्रतियोगी

कार्यक्रम में शिक्षा-रोजगार जैसे मुद्दों पर बात की

परीक्षाओं से जुड़ी समस्याएं सुनीं। राहुल गांधी ने दावा किया कि इंदौर में संवाद के दौरान एक छात्रा ने उनसे हॉस्टल और रहने की समस्या को लेकर सवाल किया। इसके बाद उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उस सवाल का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार से जवाब मांगा। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में छात्रा का सवाल लिखा कि सरकार के पास दिया जलाने के लिए पैसा है-हमारे हॉस्टल के लिए क्यों नहीं। राहुल गांधी ने कहा कि यह सवाल कल इंदौर में एक छात्रा ने मुझसे पूछा। गांव से पढ़ने शहर आई छात्रा ने कहा कि हॉस्टल है नहीं, तो पीजी में रहना पड़ता है। सिर्फ सुरक्षित रहने में लाखों खर्च हो जाते हैं। हर महीने किराए की चिंता और बेघर होने का डर इसी में पढ़ाई करनी पड़ती है। कई लड़कियां इसी वजह से पढ़ाई छोड़ देती हैं। सिर्फ इसलिए कि रहने की जगह नहीं है। आवास भत्ता महंगाई के साथ बढ़ता नहीं और ऊपर से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में पीएम मोदी से इस सवाल का जवाब मांगते हुए कहा कि क्या उस बच्ची के सवाल का कोई जवाब है। इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले राहुल गांधी कोटा, पुणे, प्रयागराज आदि स्थानों पर छात्रों से संवाद कर चुके हैं।

कांग्रेस जोकरों की पार्टी बन गई है: भाजपा

इंदौर में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर भाजपा ने राहुल की आलोचना की। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं... रेस्ट इन पीस। शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

गृहमंत्री अमित शाह की अचानक बिगड़ी तबीयत

हुबली। कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए, जिसके चलते उन्हें अपने सभी तय सार्वजनिक और उद्घाटन कार्यक्रम रद्द करने पड़े। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस बात की आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि अब अमित शाह की सेहत में सुधार है और वह पूरी तरह ठीक हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मीडिया से बातचीत में स्पष्ट किया कि फूड पॉइजनिंग और उल्टी होने के कारण अमित शाह को काफी कमजोरी आ गई थी, जिसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें सफर न करने की सलाह दी। शाह की गैरमौजूदगी में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, कर्नाटक के चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और बेलगावी के सांसद जगदीश शेट्टार ने संयुक्त रूप से संस्थानों का उद्घाटन संपन्न कराया। जोशी ने बताया कि प्राथमिक उपचार के बाद गृह मंत्री की हालत अब सामान्य और स्थिर है।

कर्नाटक दौरे पर फूड पॉइजनिंग के चलते रद्द हुए कार्यक्रम

JAN JYOTI

अब पाइये चश्मे से छुटकारा मात्र कुछ सेकेण्ड्स में

Teneo- 2 तकनीक से इलाज

TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित

आज ही विजिट करें

9165108121 janjyotieyehospital.com

1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL

(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2026-27

Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities

Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games

राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट

Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

हिमाचल: कुल्लू में बिना बारिश आया सैलाब

आधी रात घरों में घुसा मलबा और पानी, लोगों ने भागकर बचाई जान

सैंज (कुल्लू)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में आधी रात अचानक सैलाब आ गया और लोगों को घर छोड़कर जान बचानी पड़ी। पार्वती जल विद्युत परियोजना चरण-दो के एडिट-5 में टनल लीक होने से रैला पंचायत के पालचरा गांव में अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि परियोजना की एडिट-5 में प्रेशर वॉल लीक होने के बाद अचानक भारी मात्रा में पानी बाहर आ गया। बिन बारिश साफ मौसम में पानी का सैलाब देख लोग हैरान हो गए व तुरंत भागने की तरकीब ही अपनाई। पानी के तेज बहाव के साथ एनएचपीसी की डंपिंग साइट का मलबा भी नीचे की ओर बहकर रिहायशी क्षेत्र तक पहुंच गया। इससे पालचरा गांव में कई परिवारों के घर, दुकान व होमस्टे चपेट में आ गए। अचानक आई इस स्थिति से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। पानी और मलबे के घरों तक पहुंचने के बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा। कई लोगों

ने रात अपने रिश्तेदारों के घर गुजारी ।क ग्रामीणों के अनुसार एनएचपीसी की डंपिंग साइट पर पड़ा भारी मलबा पानी के बहाव के साथ बहकर उनके घरों तक पहुंचा, इससे कई परिवारों को भारी नुकसान होने की बात सामने आई है। कई रिहायशी मकानों के आसपास मलबा जमा हो गया, जबकि रास्तों और अन्य संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है और ग्रामीण परियोजना प्रबंधन तथा प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन करवाने की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीणों में दहशत का माहौल

ग्रामीणों का कहना है कि परियोजना क्षेत्र में इस तरह पानी और मलबा आने से भविष्य में भी खतरा बना रह सकता है। उन्होंने मांग उठाई कि प्रभावित परिवारों के नुकसान का जल्द आकलन किया जाए तथा उन्हें सुरक्षित स्थान उपलब्ध करवाने के साथ उचित राहत दी जाए। इसके अलावा डंपिंग साइट से मलबा नीचे की ओर न पहुंचे, इसके लिए पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए जाएं।

अमेरिका हमला करने की तैयारी में: ईरान

सैन्य कमांड ने कहा, साझेदारों को भुगतना पड़ेगा अंजाम

तेहरान, (एजेंसियां)। ईरान के मिलिट्री हेडक्वार्टर ने मध्य पूर्व के देशों को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका उनके ठिकानों से ईरान पर फिर से बड़े हमले करता है, तो उन्हें भी 'साझेदार' माना जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान के केंद्रीय सैन्य कमांड ने ये बयान जारी किया, जिसके मुताबिक उन्हें जानकारी मिली है कि अमेरिका, कुछ क्षेत्रीय देशों के समर्थन से, ईरान के खिलाफ फिर से कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि सेना का कहना है कि अमेरिका के किसी भी हमले के जवाब में इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और हितों पर लगातार हमले किए जाएंगे। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता

पूरी ताकत से दिया जायेगा जवाब

का समर्थन करने वाले क्षेत्रीय देशों को भी इस संघर्ष में शामिल पक्ष माना जाएगा। खातम अल-अंबिया हेडक्वार्टर ने बयान में कहा, 'हम चेतावनी देते हैं कि अगर इस इलाके के देश इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रति अपनी दोहरी नीति जारी रखते हुए एक ताकतवर और संप्रभु ईरान के खिलाफ अमेरिका के आक्रामक हमले में साथ देते हैं, तो उन्हें भी इस काम में साझेदार माना जाएगा और वे ईरान की ताकतवर सेना से संयम या शालीनता की उम्मीद नहीं कर सकते।' ये बयान मिडिल ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव की खबरों के बीच आया है।

दरअसल, पिछले कुछ घंटों में अमेरिका ने मध्य पूर्व में मौजूद अपने दूतावासों, मिशनों और नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। अमेरिकी विदेश विभाग ने लोगों से ज्यादा सतर्कता बरतने की सलाह दी है।

अचानक व्हाइट हाउस लौटे ट्रंप

अटकलों को हवा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर लौटने की वजह से भी उड़ी। शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने स्पष्ट नहीं की। इस बीच ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी।

मॉस्को पर अब तक का सबसे बड़ा हमला

यूक्रेन ने रूस पर 1,000 से ज्यादा ड्रोन दागे

यूक्रेन की सेना ने रात भर रूस को निशाना बनाकर 1,000 से ज्यादा ड्रोन हमले किए। एसोसिएटेड प्रेस के अनुसार, रूस की राजधानी मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि यह रूस की राजधानी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सुरक्षा बलों ने पूरे देश के साथ-साथ रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी प्रायद्वीप क्रीमिया और काला सागर के जलक्षेत्र में यूक्रेन के 1,100 ड्रोन को मार गिराया है।

सोबयानिन ने कहा कि मॉस्को की ओर बढ़ रहे 450 ड्रोन को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि कुछ ड्रोन मॉस्को की तेल रिफाइनरी और एक रिहायशी इमारत से टकराए।

हमले में दो लोगों की मौत- स्थानीय गवर्नर आंद्रे वोरोब्योव ने बताया कि मॉस्को के आस-पास के इलाके में हुए इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मरने वालों में एक 74 साल का व्यक्ति और एक 44 साल की महिला शामिल थी।

यूक्रेन ने यह बड़ा हमला युद्ध के दौरान रूस में हो रहे पहले संसदीय चुनाव के तीसरे और आखिरी दिन किया। इस चुनाव में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का विरोध करने वाले विपक्ष की मौजूदगी लगभग नहीं के बराबर रही। यह माना जा रहा है कि इससे क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) का दबदबा और मजबूत होगा। साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पहला संसदीय चुनाव है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मतदान से पहले देश को संबोधित करते हुए कहा था कि यह चुनाव और लोगों का संकल्प बताएगा कि लाखों लोग हमारे सैनिकों के साथ खड़े हैं।

कब्जे में लिए क्षेत्रों में हो रहा चुनाव- रूस के संसदीय चुनाव में पहली बार उन क्षेत्रों के लोग भी शामिल हो रहे हैं, जिन पर मॉस्को ने यूक्रेन पर हमला शुरू करने के बाद कब्जा कर लिया था। कीव के अधिकारियों ने इस कदम की कड़ी निंदा करते हुए इसे अवैध बताया है। वहीं, एक मानवाधिकार कार्यकर्ता ने कहा कि इन क्षेत्रों के लोगों को चुनाव में भाग लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। रूसी

अफसरों के अनुसार, दोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जापोरिज्जिया क्षेत्रों में 35 लाख से अधिक मतदाता हैं। रूस ने सितंबर 2022 में इन क्षेत्रों को अपने में मिला लिया था, जबकि उस समय ये क्षेत्र पूरी तरह उसके नियंत्रण में नहीं थे। रूस के इस कदम को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता नहीं मिली है।

उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल, अमेरिका-जापान-साउथ कोरिया के एक्शन से बौखलाया

उत्तर कोरिया ने रविवार को कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्व में समुद्र की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। जापान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उत्तर कोरिया ने एक अननोन प्रोजेक्टाइल दागा। जापान की सरकारी मीडिया एजेंसी ह।ाय के मुताबिक, यह जापान के स्पेशल इकोनॉमिक जोन के बाहर जाकर गिरा।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इससे एक दिन पहले उत्तर कोरिया ने प्योंगयांग के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी संगठन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। यह बयान सरकारी मीडिया पर पढ़कर सुनाया गया। पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया ने अमेरिका की अगुवाई में हुए नौसैनिक अभ्यास की भी निंदा की थी। इस अभ्यास में दक्षिण कोरिया और जापान शामिल थे और यह 29 अगस्त से 10 सितंबर तक गुआम के पास चला था।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज के पास धनवंतरी नगर जबलपुर - 482003
ई-मेल - eohbjbp@mp.gov.in,

फ्री-होल्ड की आपत्ति आमंत्रण हेतु सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि आनंद नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक MIG - 65 श्रीमती मेहरून्निशा पति श्री अलताफ हुसैन के द्वारा उक्त भवन को फ्री होल्ड करने हेतु नियमानुसार निर्धारित राशि जमा कर इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भवन का विक्रय-विलेख दिनांक 06.10.2010 को निष्पादित हो चुका हैं। उक्त सम्पत्ति की लीज फ्री होल्ड की कार्यवाही प्रचलन में है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा श्रीमती मेहरून्निशा पति श्री अलताफ हुसैन को आवंटित आनंद नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक MIG 65 लीज फ्री होल्ड किया जावेगा एवं किसी भी संस्था/व्यक्ति का दावा मान्य नहीं होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

नगर परिषद बरेला

नामांतरण आपत्ति का सूचना पत्र

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Mr. मूलचंद झारिया S/O चरण लाल झारिया हस्ते MR. सुरेश कुमार झारिया S/o मूलचंद लाल झारिया ने भवन/भूखंड क्रमांक 00 बरेला 483001 वार्ड नंबर-5, पिन क्रमांक /पुरानी संपत्ति आईडी-1004113715, प्लॉट एरिया - 2880.0, एरिया निर्माण 1287 आवासीय स्वयं उपयोग ग्राउंड फ्लोर खुली भूमि 3467 निर्माण एरिया 4169.0, ग्राउंड फ्लोर खुली भूमि 2655.0, ग्राउंड फ्लोर अन्यआंशिक कच्चे भवन जो उपरोक्त में नहीं आते 110.0, पहली मंजिल आरसीसी आर या पत्थर की छत पक्के भवन 702.02, ग्राउंड फ्लोर आरसीसी पत्थर छत के भवन 702.02, प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर निम्नलिखित नाम/नामो 1.Mr. सुरेश कुमार झारिया S/o मूलचंद लाल झारिया पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है। जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो भी इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के अंदर बरेला नगर परिषद के कार्यालय में नामांतरण शाखा में लिखित एवं प्रमाण पत्र सहित आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा अवधि समाप्त होने की पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कृत का नाम कर निर्धारण पुस्तिका में अंकित कर दिया जाएगा नामांतरण होने के पश्चात किसी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी ! कृति

बॉर्डर से महज 200 कि.मी. दूर राफेल, सुखोई-30 और तेजस की दहाड़

नई दिल्ली। रेगिस्तान के आसमान में गूंजती सुपरसोनिक गड़गड़ाहट और लड़ाकू विमानों के खतरनाक करतब ने पश्चिमी सीमा के पार खलबली मचा दी है। भारत और जापान की वायुसेनाओं के बीच चल रहा संयुक्त युद्धाभ्यास 'वीर गार्जियन 2026' अब अपने सबसे आक्रामक और अंतिम चरण में पहुंच चुका है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से महज 200 किलोमीटर की दूरी पर जोधपुर एयरबेस से उड़ान भरते भारतीय राफेल, सुखोई और तेजस के साथ जापानी एफ-2ए लड़ाकू विमानों ने काल्पनिक दुश्मन के ठिकानों को पलक झपकते ही तबाह करने का जोरदार अभ्यास किया। दोनों देशों के जांबाज पायलटों ने युद्ध जैसी परिस्थितियों में एयर स्ट्राइक और डॉगफाइट के जटिल मिशनों को अंजाम देकर साबित कर दिया कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति की रक्षा के लिए यह दोस्ताना गठजोड़ कितना मारक है। सीमा के बेहद करीब आसमान में मचे इस भीषण कंपकंपी ने पड़ोसी मुल्क की नींद उड़ा दी है।

चौदह दिनों तक चलने वाले इस महा-अभ्यास में दोनों देशों ने अपने सबसे घातक फ्रंटलाइन फाइटर जेट्स को मैदान में उतारा। हवाई युद्ध की रणनीतियों को धार देने के लिए आसमान में दिन-रात सॉर्टियां भरी गईं। भारतीय वायुसेना ने अपने स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस के साथ-साथ मल्टीरोल एयर सुपीरियरिटी फाइटर सुखोई-30 एमकेआई और अचूक मार करने वाले राफेल को मोर्चे पर तैनात किया। जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स ने अपने अत्याधुनिक एफ-2ए लड़ाकू विमानों के साथ भारतीय पायलटों के साथ तालमेल

भारत-जापान का संयुक्त अभ्यास

बिठाकर उन्नत परिचालन मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा किया।

जोधपुर में बना युद्ध का सटीक ब्लू-प्रिंट- हवा में मिसाइलों और बमों के सिमुलेशन के अलावा जमीन पर भी दोनों सेनाओं के शीर्ष रणनीतिकारों ने साझा रणनीति को अंतिम रूप दिया। जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच मिशन प्लानिंग कॉन्फ्रेंस और विषय विशेषज्ञों का संवाद हुआ। अभ्यास के दौरान केवल उड़ान तक सीमित न रहते हुए ग्राउंड इंजीनियरिंग, विमानों के त्वरित रखरखाव और अंतरिक्ष सुरक्षा से जुड़े आधुनिक पहलुओं पर भी अहम चर्चा की गई। इस युद्धाभ्यास ने दोनों देशों की वायुसेनाओं के बीच ऑपरेशनल तालमेल को एक नए मुकाम पर पहुंचा दिया है। भविष्य की किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए भारत और जापान की यह जुगलबंदी अब पहले से कहीं ज्यादा आक्रामक और तैयार नजर आ रही है।

एएसआई की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

आतंकवादियों से संबंधों की जांच कर रही पंजाब पुलिस

तरनतारन। पंजाब पुलिस के एक असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर की हत्या के दो आरोपियों में से एक को एनकाउंटर में मार गिराया गया है। वहीं पुलिस पाकिस्तान के एक आतंकवादी के साथ उसके संबंधों की जांच कर रही है। आरोपी की पहचान अमृतसर के मुलचक के रहने वाले दीपक सिंह के रूप में हुई है, जिसने शुक्रवार को सीनियर पुलिस अधिकारी हरजीत सिंह और उनके साथी का पीछा करके गोली मारकर हत्या कर दी थी।

पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज, टेक्निकल इनपुट, टावर-डंप एनालिसिस, लोकल इंटेलिजेंस और ह्यूमन सोर्स का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने रात करीब 9.45 बजे एक पुलिस चेकपॉइंट पर स्कूटर पर सवार दो संदिग्धों को रुकने का इशारा किया। एक रिपोर्ट के अनुसार एक सीनियर अधिकारी ने रिपोर्टर्स को बताया कि उन्होंने चार राउंड फायरिंग की, जिसके बाद पुलिस ने भी बचाव में जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने बचाव में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दीपक को गोली लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने कहा कि दूसरा आरोपी भागने में कामयाब रहा और पुलिस टीमें उसे ढूंढने की कोशिश कर रही हैं।

पुलिस ने कहा कि क्राइम में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई ।30 बोर की पिस्टल, दो मैगज़ीन, आठ ज़िंदा कारतूस, एक मोबाइल फ़ोन और एक होंडा एक्टिवा स्कूटर बरामद किया गया है। पुलिस इस केस में पाकिस्तान समर्थित आतंकी कनेक्शन की भी जांच कर रहे हैं। जांच के दौरान सामने आई जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान समर्थित एक आतंकी ने कथित तौर पर हमला करने के लिए आरोपियों को पैसे ऑफर किए थे।

तरनतारन ज़िले के रहने वाले हरजीत सिंह पीसीआर ड्यूटी पर थे, जब उन्हें भगतांवाला अनाज मंडी में आधी रात के करीब बाइक पर सवार दो लोगों ने पॉइंट-ब्लैंक रेंज से गोली मार दी। पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस गौरव यादव ने शुक्रवार सुबह क्राइम सीन का इंस्पेक्शन करने के बाद रिपोर्टर्स को बताया था, एक गोली उन्हें पीछे से, गर्दन के पिछले हिस्से की तरफ लगी। मौके से ।30 बोर का एक खाली कारतूस का खोखा बरामद हुआ।

टाटा संस के 17 सितम्बर के फैसले की वैधता पर सवाल उठाया

टाटा ट्रस्ट्स ने एन.चंद्रशेखरन की नियुक्ति को दी चुनौती

मुंबई, (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट्स ने रविवार को यह कहते हुए टाटा संस के चेयरमैन के रूप में एन.चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को चुनौती दी कि आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन (एओए) के तहत, किसी भी प्रस्ताव के पास होने के लिए टाटा ट्रस्ट्स की ओर से नामित डायरेक्टर्स का बहुलता में वोट होना आवश्यक है, जो कि इस प्रस्ताव को नहीं मिला। टाटा संस में 66 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स ने अपने बयान में कहा कि टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स की ओर से दो नामित डायरेक्टर्स हैं और किसी भी प्रस्ताव को पास करने के लिए दोनों का पक्ष में होना जरूरी है और 17 सितंबर को हुई बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव खिलाफ एक डायरेक्टर ने विपक्ष में वोट दिया था, जो दिखाता है कि एओए में दी गई शर्त पूरी नहीं हुई है। बयान में आगे कहा गया कि टाटा संस के बोर्ड में दो टाटा ट्रस्ट्स के नामित डायरेक्टर्स हैं और बहुलता का मतलब दो है न कि एक। ट्रस्ट्स ने ग्रुप के अंदर कोई गतिरोध होने से इनकार करते हुए कहा कि बोर्ड ने एक सवाल पूछा और एओए ने उसका जवाब 'नहीं' में दिया। कंपनी के अपने संविधान से मिले सुरक्षा के अधिकार का इस्तेमाल करना कोई गतिरोध नहीं है। यह तो बस उस संविधान का उसी तरह काम करना है, जिस तरह उसे काम करने के लिए बनाया गया था। चेयरमैन के वोटिंग अधिकार पर स्पष्टीकरण देते हुए ट्रस्ट्स ने आगे कहा कि चेयरमैन का वोट तभी इस्तेमाल किया जा सकता है जब पूरे बोर्ड के स्तर पर वोट बराबर हों। यह नियम टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स पर लागू नहीं होता। वोट का नतीजा 4:1 था या कुछ और, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। केवल महत्वपूर्ण यह था कि शर्त या तो पूरी होती है या नहीं होती, इस मामले में शर्त पूरी नहीं हुई। टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, एओए कोई ऐसी सुविधा नहीं है जिस पर जरूरत पड़ने पर तो भरोसा किया जाए और जरूरत न होने पर उसे नजरअंदाज कर दिया जाए।

इंडिगो की उड़ान ने इमरजेंसी के चलते लखनऊ में की लैंडिंग

नई दिल्ली। बैंकॉक से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान को मेडिकल इमरजेंसी के चलते शनिवार देर रात लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया और वहां विमान की लैंडिंग हुई। यह जानकारी सूत्रों की ओर से दी गई। एयरपोर्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि बैंकॉक से दिल्ली की उड़ान के दौरान एक यात्री की स्वास्थ्य स्थिति अचानक गंभीर हो गई थी, जिसे देखते हुए पायलट ने लखनऊ एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी लैंडिंग का फैसला लिया। सूत्रों के मुताबिक, इंडिगो की उड़ान 6ई1054, बैंकॉक से दिल्ली जा रही थी।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स), शहडोल संभाग, शहडोल (म.प्र.)

Web site: www.mppwd.gov.in Email:- eepwd1shahdol@nic.in Phone No. 07652-240308 <> Fax No. 07652-245511

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 09/2026-27 दिनांक 15/09/2026

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर आई.डी. क्रमांक	संभाग का नाम	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्यपूर्ण करने की समयावधि	कार्य की अनुमानित राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये में)	निविदा फार्म (रूपये में)
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.
1.	2026_PWDRB_536210_1	शहडोल	सरिशताल से कुबरा मार्ग लम्बाई 2.90 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	247.68	247680/-	15000/-
2.	2026_PWDRB_536225_1	शहडोल	बिरौडी से भरूआ मार्ग लम्बाई 4.50 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	386.09	386090/-	15000/-
3.	2026_PWDRB_536251_1	शहडोल	नवाटोला से हरिजन टोला छत्तीसगढ़ बार्डर मार्ग लम्बाई 2.40 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	223.96	223960/-	15000/-
4.	2026_PWDRB_536256_1	शहडोल	चरखरी पहुंच मार्ग लम्बाई 2.10 किमी. एवं देवगांव पहुंच मार्ग लम्बाई 1.40 किमी. कुल लम्बाई 3.50 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	298.93	298930/-	15000/-
5.	2026_PWDRB_536265_1	शहडोल	कनाडीकला से टेटका मार्ग लम्बाई 3.00 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	242.67	242670/-	15000/-
6.	2026_PWDRB_536272_1	शहडोल	मोहनी से शक्तीडोल (शक्तीटोला) मार्ग लम्बाई 3.00 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	245.24	245240/-	15000/-
7.	2026_PWDRB_536282_1	शहडोल	मझगंवा (मझगवां) से बैगान टोला मार्ग लम्बाई 3.00 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	308.62	308620/-	15000/-
8.	2026_PWDRB_536285_1	शहडोल	भुरसी मनटोलिया मेन रोड से मझौली मार्ग लम्बाई 3.00 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	273.32	273320/-	15000/-
9.	2026_PWDRB_536289_1	शहडोल	सेमारी टोला पहुंच मार्ग लम्बाई 1.50 किमी. एवं चितरासी नई बस्ती से गोंदाही टोला मार्ग लम्बाई 2.00 किमी. कुल लम्बाई 3.50 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	359.90	359900/-	15000/-
10.	2026_PWDRB_536290_1	शहडोल	झारा से कीट मार्ग लम्बाई 0.80 किमी. एवं कुर्राना टोला पहुंच मार्ग लम्बाई 1.80 किमी. कुल लम्बाई 2.60 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	258.14	258140/-	15000/-
11.	2026_PWDRB_536292_1	शहडोल	भानपुर, कठौतिया, हरदी, सामतपुर मार्ग लम्बाई 2.80 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	314.03	314030/-	15000/-
12.	2026_PWDRB_536293_1	शहडोल	मनटोलिया मेनरोड से मझौली मार्ग लम्बाई 3.00 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	261.89	261890/-	15000/-
13.	2026_PWDRB_536296_1	शहडोल	छपरा टोला से महुआ टोला मार्ग लम्बाई 2.60 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	249.22	249220/-	15000/-
14.	2026_PWDRB_536297_1	शहडोल	खन्नौंधी से उदयपुर-रतहरा मार्ग लम्बाई 4.70 किमी. में मजबूतीकरण का कार्य।	प्रथम	06 माह वर्षाकाल सहित	392.60	392600/-	15000/-
					TOTAL	4062.29		

उपरोक्त बेवसाईट आनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डॉक्यूमेन्ट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनलाईन बिड सबमिशन की प्रारंभिक तिथि दिनांक 15.09. 2026 से अंतिम तिथि 05.10.2026 सायं 17:30 बजे तक निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त बेवसाईट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त बेवसाईट में किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) शहडोल संभाग शहडोल (म.प्र.)

G-18732/26 स्वच्छता ही सेवा

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

सार्वजनिक सूचना

मैं राधा बाई मेहरा पति दीपचंद मेहरा ग्राम पचपेढ़ी, पोस्ट-उमरियापान, तहसील-ढ़ीमरखेड़ा, जिला-कटनी यह सार्वजनिक रूप से घोषित करती हूं कि मेरा नाम राधा बाई मेहरा था जिसे अब परिवर्तित आधार अनुसार रुकमणी बाई मेहरा कर लिया है। राधा बाई मेहरा एवं रुकमणी बाई मेहरा एक ही व्यक्ति के नाम है अब से मुझे अपने समस्त शासकीय कानूनी एवं व्यक्तिगत अभिलेखों में रुकमणी बाई मेहरा के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

दिनांक 19/9/2026
स्थान पचपेढ़ी (उमरियापान) तहसील ढीमरखेड़ा जिला कटनी
रुकमणी बाई मेहरा, ग्राम पचपेढ़ी

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति मण्डला जिला मण्डला

क्रमांक / मंडी / तौल कांटा / 2026-27/422
/ मण्डला दिनांक 20109/2026.

:- निविदा आमंत्रण सूचना प्रथम :-

कृषि उपज मण्डी समिति मण्डला (ब) श्रेणी मण्डी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी.ओ.टी.) के तहत् (इलेक्ट्रानिक तौल कांटा 10 M.T) संरचना की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2026_MPSAM_537052_1 के अन्तर्गत ऑन लाईन निविदायें दिनांक 12.10.2026 को शाम 3.30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी उक्त निविदा के संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल www.mpmandiboard.co.in पर भी अवलोकनीय होगी ।

नोट:- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संसोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी ।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति मण्डला जिला-मण्डला

एशियन गेम्स में भारत की बेटियों ने रचा कीर्तिमानः डॉ. यादव

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एशियन गेम्स-2026 में भारत की बेटियों ने कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर राइफल वूमेन्स टीम के फाइनल इवेंट में रजत पदक जीतने पर एलावेनिल वलारिवन, सोनम उत्तम मस्कर एवं विदरसा के. विनोद को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी की यह उपलब्धि युवाओं को प्रेरित करने के साथ ही देश के करोड़ों खेल प्रेमियों को उत्साह से भर देने वाली है।

उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाने के लिए नीति संवाद आज

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण विभाग के सहयोग से सोमवार, 21 सितम्बर को भोपाल में मध्यप्रदेश में उद्यानिकी मूल्य श्रृंखलाओं का सुदृढ़ीकरण विषय पर नीति संवाद आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से एमपीटी होटल पलाश रेसीडेंसी के प्रथम तल स्थित विमर्श हॉल में होगा। इसमें नीति-निर्माताओं, विषय-विशेषज्ञों, वित्तीय संस्थाओं, उद्योग प्रतिनिधियों, कृषक उत्पादक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उद्यानिकी क्षेत्र के समग्र विकास पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी स्वरोचिष सोमवंशी स्वागत उद्बोधन देंगे। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के सचिव श्रीमन शुक्ला प्रारंभिक उद्बोधन देंगे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर प्रदेशभर में होंगे आयोजन

भोपाल, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस प्रदेशभर में गरिमा और सम्मान के साथ मनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धजनों ने अपने ज्ञान, अनुभव और परिश्रम से परिवार, समाज तथा राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण जीवन के लिए संवेदनशील एवं सहयोगात्मक वातावरण तैयार करना हम सभी का दायित्व है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन बनकर न रह जाएं। इनमें वृद्धजनों की अधिकतम और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए उनके साथ संवाद किया जाए ।

पशुपालन और किसान की आय बढ़ाने अतिरिक्त साधन विकसित किए जा रहे : मुख्यमंत्री

भोपाल,देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैहर धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण केंद्र है। प्रदेश सरकार धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास के लिए विशेष रूप से कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास और कल्याण का संदेश पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किसान, महिला, युवा और कमजोर वर्गों को विकास की प्राथमिकता में रखा गया है। इन वर्गों के सशक्तिकरण से संपूर्ण समाज की प्रगति सुनिश्चित होती है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि उपज मंडी मैहर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में नीमच से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मां शारदा का आशीर्वाद पूरे विंध्य, मध्यप्रदेश और देशवासियों पर सदैव बना रहता है। मां शारदा की पावन नगरी मैहर को जिला बने लगभग तीन वर्ष हुए हैं और इतने कम समय में मैहर ने अपनी अलग पहचान स्थापित की है। उन्होंने जिले के स्थानीय निवासियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को जनकल्याण और विकास कार्यों में निरंतर सहयोग के लिए बधाई दी।

किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली सिंचाई के लिए उपलब्ध होगी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को रात के समय खेतों में बिजली के कारण होने वाले परेशानी से मुक्ति दिलाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

डॉ. यादव ने मैहर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को नीमच से वर्चुअली संबोधित किया

राज्य सरकार आगामी रबी फसल से किसानों को दिन में 10 घंटे बिजली सिंचाई के लिए उपलब्ध कराएगी। बिजली व्यवस्था के विस्तार और सुधार से किसानों के घरों में समृद्धि आएगी और उनकी आय में वृद्धि होगी। सरकार किसानों की सुविधा, सुरक्षा और समृद्धि के लिए निरंतर काम कर रही है। स्लीमनाबाद टनल के आगामी समय में शुरू होने से क्षेत्र में जल उपलब्धता और कृषि गतिविधियों को नयी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि माँ नर्मदा के जल से माँ शारदा की नगरी में अभिषेक का संकल्प क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है और इससे किसानों के जीवन में समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

धान खरीदी और किसानों को बेहतर लाभ देने की दिशा में प्रयास-मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि किसानों को उपज बेचने में अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसके लिए तैयारियां समय पर पूरी की जा रही है। सरकार धान की खरीदी किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर करेगी।

उन्होंने कहा कि किसानों को केवल न्यूनतम समर्थन मूल्य तक सीमित लाभ न मिले, बल्कि उन्हें उनकी उपज का बेहतर मूल्य और आवश्यकतानुसार बोनस सहित अन्य लाभ उपलब्ध कराने की दिशा में भी सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि के साथ पशुपालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन और दुग्ध उत्पादन जैसी गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सिंहस्थ 2028 : मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का लिया जायजा

रहवासियों से किया संवाद, बच्चों से हाथ मिलाकर बढ़ाया उत्साह

उज्जैन/ भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को सिंहस्थ महापर्व के लिए उज्जैन शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीलगंगा से केटीएम गैल इंडिया चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण कार्य तथा शांतिनगर से इंदौर रोड तक किए जा रहे नवीन मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सिंहस्थ की दृष्टि से महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान डॉ. यादव ने मार्ग में स्थानीय रहवासियों से संवाद किया। स्थानीय नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों से हाथ मिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया और स्थानीय नागरिकों द्वारा शहर के विकास के लिए किए जा रहे सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर विकास कार्यों के लिए मकान और दुकानें प्रभावित हो रही हैं, वहां भी स्थानीय रहवासी फूलों से स्वागत कर रहे हैं। यह उज्जैन के नागरिकों के बड़े मन और विकास के प्रति उनकी सकारात्मक भावना को दर्शाता है। डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। उनकी सुविधाओं और व्यवस्थाओं की चिंता करना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की जिम्मेदारी है। उज्जैन के सभी समाजों के नागरिक शहर के विकास और सिंहस्थ की तैयारियों में सहयोग कर रहे है। उन्होंने कहा कि जिस भाव और समर्पण के साथ नागरिक चौड़ीकरण एवं अन्य विकास कार्यों में सहयोग कर रहे है।

मुख्यमंत्री के नीमच पहुंचने से पहले कांग्रेस जिलाध्यक्ष को किया नजरबंद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नीमच आगमन से पहले रविवार को जिले की राजनीतिक हलचल तेज हो गई। कार्यक्रम से पहले पुलिस ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती को उनके आवास पर नजरबंद कर दिया। उनके घर के बाहर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस की कार्रवाई पर कांग्रेस ने कड़ा एतराज जताया है। बाहेती ने कहा कि विरोध प्रदर्शन एक लोकतांत्रिक अधिकार है। प्रदर्शन की आशंका के आधार पर नजरबंद जैसी कार्रवाई सरकार की तानाशाही का प्रतीक है।

जानकारी के मुताबिक, सुबह कैंट थाना प्रभारी सौरभ शर्मा पुलिस बल के साथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के आवास पर पहुंचे। इसके बाद आवास के मुख्य द्वार पर पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई और बाहेती को घर से बाहर निकलने से रोक दिया गया। इस कार्रवाई के बाद शहर में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं। बताया गया कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन अथवा काले झंडे दिखाए जाने की आशंका के चलते एहतियातन यह कदम उठाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक ओर गांधीसागर में मुख्यमंत्री द्वारा चीतों को छोड़े जाने का कार्यक्रम था।

एआईएमआईएम के इकलौते पार्षद ने दिया इस्तीफा

बुरहानपुर,,एजेंसी। बुरहानपुर में पार्षद रफीक अहमद ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और प्रदेश प्रभारी सैयद मिनहाजउद्दीन को अपना इस्तीफा भेज दिया है। बुरहानपुर नगर निगम में एआईएमआईएम पार्टी के रफीक अहमद एकलौते पार्षद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पार्टी में जिम्मेदार लीडरशीप नहीं बची है. पार्टी में गरीब नेताओं को नजरअंदाज करके अमीरों को तवज्जो दी जाती है। इनके इस्तीफे पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मोहसिन अली खान ने पार्षद के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा, इस्तीफा देने वाले पार्षद का मेरे पास अधिकारिक रूप से इस्तीफा नहीं आया है। मैं इस्तीफा देने के कारणों का पता करता हूं, ताकि इस पर मंथन किया जा सके। प्रदेशाध्यक्ष मोहसिन शनिवार को बुरहानपुर के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने जिला संगठन में फेरबदल करते हुए डॉ. जीशान को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया. राजनितिक गलियारों में चर्चा है कि रफीक अहमद ने जिला अध्यक्ष नहीं बनाए जाने से नाराज होकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया।

इंदौर में कार्यक्रम के बाद कांग्रेस उत्साहित, पटवारी बोले -

हर जिले में होगा छात्रों की गूंज कार्यक्रम

इंदौर/भोपाल, देशबन्धु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के शनिवार को हुए छात्रों की गूंज कार्यक्रम से कांग्रेस उत्साहित है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने घोषणा की है कि अब हर जिले में ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इंदौर में मीडिया से चर्चा करते हुए श्री पटवारी ने कहा कि छात्रों की गूंज कार्यक्रम से लाखों परिवार जुड़े, ये गूंज समाप्त नहीं होगी। अब जिलास्तर पर अभिभावक और छात्रों के बैनर तले ये कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा, छात्रों की समस्या को लेकर देश में एक नई बहस शुरू हुई है। शनिवार को जिस प्रकार का साथ युवा साथियों ने दिया, वह अकल्पनीय था. इसलिए अब सरकार और सरकार से जुड़े संगठनों को बहुत ताकत से छात्रों की गूंज सुनाई दे रही है। पटवारी ने कार्यक्रम में युवाओं की बड़ी भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि इंदौर में इतिहास रचा गया है और छात्रों की समस्याओं को लेकर देश में एक नई बहस शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में युवाओं की मौजूदगी उनकी उम्मीद से भी ज्यादा रही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में शामिल होकर युवाओं एवं छात्रों ने एक नया अध्याय लिख दिया है। भाजपा द्वारा इस आयोजन को झूठ की दुकान कहे जाने को लेकर पटवारी ने भाजपा से सवाल किया है, जो बच्चे सवाल उठा रहे हैं वह झूठे हैं या उनके परिजन झूठे हैं। भाजपा स्पष्ट करे कि नीट में जिन बच्चों ने जान दी वे झूठे थे या या फिर 50 प्रतिशत बच्चे झूठे हैं, जो अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रहे हैं और अपनी बात सार्वजनिक मंच पर उठा रहे हैं।

दयाशंकर मिश्र की पुस्तक अख़लाक़ पर परिचर्चा

भीड़ हिंसा मानवता के लिए बड़ा ख़तरा : दिग्विजय

वरिष्ठ पत्रकार मिश्र को मिला सम्मान

भोपाल, देशबन्धु। वरिष्ठ पत्रकार दयाशंकर मिश्र को भोपाल के गांधी भवन में बहुजन इंटलेक्ट सम्मान से अलंकृत किया गया। उन्हें यह सम्मान प्रदेश की सामाजिक संस्था बहुजन इंटलेक्ट द्वारा उनकी सद्य प्रकाशित पुस्तक अखलाक़ भारत में भीड़ हिंसा की विस्तृत ज़मीनी पड़ताल के लिए दिया गया।

इस अवसर पर किताब पर हुई परिचर्चा में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि दयाशंकर मिश्र हमारे समय के निर्भीक लेखक और पत्रकार हैं। उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में पीड़ित परिवारों, आरोपियों और नीति नियंताओं से विषम परिस्थितियों में बातचीत कर यह दस्तावेजी महत्व की किताब प्रकाशित की है। सिंह ने भीड़ हिंसा को बड़ा खतरा बताते हुए कहा कि यह किताब देश के अल्पसंख्यक समाज को यह हौसला देती है कि भारत का संविधान और बहुसंख्यक समुदाय इस तरह की हिंसा के खिलाफ है और उनके साथ खड़ा है। इस पुस्तक में गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा, हरियाणा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में पिछले कुछ वर्ष में हुई भीड़ हिंसा की घटनाओं और उनके बाद के हालात की जमीनी पड़ताल की गई है। किताब अमेरिका में भीड़ हिंसा के इतिहास से शुरू होकर भारत के वर्तमान की तुलना करती है।

वरिष्ठ साहित्यकर डॉ विजय बहादुर सिंह ने अपने लिखित संदेश में कहा कि अहिंसा और अवैर सनातन धर्म का मूल लक्षण है। जो लोग धर्म के आधार पर हिंसा करते हैं, वे हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। मिश्र ने कहा कि इस किताब को लिखना उनके लिए एक बड़ी पीडा से गुजरना था। जिन परिवारों के सदस्य बिना किसी गुनाह के कत्ल कर दिए गए, उनसे उनके दर्द के बारे में बातचीत करना उनके जख्मों को कुरेदने जैसा था। लेकिन यह कठिन काम करना हमारे समय की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि भीड़ हिंसा सिर्फ अलग-अलग घटनाएं नहीं हैं, इनके पीछे राजनैतिक स्वार्थ हैं जो भीड़ हिंसा के ईंधन का काम करते हैं।

कांग्रेस केंद्रीय वार रूम प्रशिक्षण प्रभारी प्रोफेसर सौरभ वाजपेयी ने कहा कि दयाशंकर की किताब हमारे समाज को आईना दिखाने का काम करती है। जरूरत इस बात की है कि हम हिंदू-मुसलमान के भेद को मिटाकर संवैधानिक और सच्चे धार्मिक मूल्यों के आधार पर अपने राष्ट्र का नवनिर्माण करें।

पूर्व आईएसएस अधिकारी श्रीमती शैलबाला मार्टिन ने कहा कि मॉब लिंचिंग की घटनाएं भारत जैसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को शर्मसार करती हैं। इसके शिकार मुख्य रूप से मुस्लिम, ईसाई, दलित और आदिवासी बन रहे हैं। इस प्रवृत्ति के खिलाफ देश को एकजुट होने की जरूरत है। इस अवसर पर गांधी भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि हम सबको महात्मा गांधी के रास्ते पर चलने की जरूरत है। इस रास्ते में सांप्रदायिक घृणा और हिंसा के लिए जगह नहीं है। सामाजिक सद्भाव के लिए यह किताब महत्वपूर्ण है। सभा को साहित्यकार ओम प्रकाश बबेले, डॉ मेजर मनोज राजे, पत्रकार कासिफ काकवी, सामाजिक कार्यकर्ता इनायत अब्बास ने भी संबोधित किया। संचालन सामाजिक कार्यकर्ता सुनील बोरसे ने किया।

जम्मू-कश्मीर में अब शैक्षणिक कलेंडर में बदलाव की ओर सरकार

स्कूलों में 5 दिन पढ़ाई के प्रस्ताव को लेकर छिड़ी नई बहस

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, देशबन्धु। जम्मू-कश्मीर में सरकारी और निजी स्कूलों के लिए सप्ताह में पांच दिन कामकाज और शनिवार-रविवार अवकाश की संभावना ने शिक्षा व्यवस्था में नई बहस छेड़ दी है। शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू ने प्रस्ताव की व्यवहार्यता जांचने की बात कही है। प्रस्ताव को स्कूल शिक्षा के दोनों निदेशालयों जम्मू-कश्मीर के पास परीक्षण के लिए भेजा जाना है।

फिलहाल यह फैसला घोषित नहीं हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच दिन का सप्ताह लागू होने का सबसे सीधा असर विद्यार्थियों के आराम, पारिवारिक समय और अतिरिक्त गतिविधियों पर पड़ेगा। जबकि प्रस्ताव रखने वाले विधायक हसनैन मसूदी का तर्क है कि बच्चों को पढ़ाई और भारी होमवर्क के बीच पर्याप्त अवकाश नहीं मिल रहा। दो लगातार छुट्टियां उन्हें मानसिक दबाव से उबरने और खेल, रचनात्मक गतिविधियों तथा परिवार के साथ समय बिताने का अवसर दे सकती हैं। हालांकि इसका दूसरा पहलू पढ़ाई के समय का पुनर्गठन है। छह दिन की जगह पांच दिन स्कूल खुलने पर पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए प्रतिदिन कक्षाओं का समय बढ़ाना पड़ सकता है अथवा छुट्टियों और परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ सकता है। इससे विशेष रूप से बोर्ड कक्षाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका रहेगी। याद रहे जम्मू-कश्मीर की शिक्षा व्यवस्था पहले ही बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे और डिजिटल शिक्षा को विस्तार दे रही है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के अनुसार 3,008 आईसीटी/सीएएल लैब स्थापित हैं और 2,036 अतिरिक्त लैब तथा 4,272 स्मार्ट कक्षाओं पर काम प्रस्तावित है।

ऐसे में सरकार के सामने अब मूल सवाल छुट्टी बढ़ाने का नहीं, बल्कि पांच दिनों में उतनी ही प्रभावी पढ़ाई सुनिश्चित करने का है। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों से राय लेकर फैसला किया गया तो यह बदलाव स्कूलों के समय-सारिणी, होमवर्क और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक पुनर्संरचना ला सकता है। वहीं जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ धर्मगुरु मीरवाइज उमर फारूक ने रविवार को जम्मू-कश्मीर में स्कूली बच्चों के लिए 5-दिन के सप्ताह का समर्थन किया। एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बात करते हुए मीरवाइज उमर फारूक ने सरकार के सामने स्कूल का समय कम करने के प्रस्ताव पर कहा कि यह एक स्वागत योग्य कदम है और बच्चों की भलाई शिक्षा व्यवस्था के केंद्र में होनी चाहिए।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के एकत्रीकरण कार्यक्रम में होसबाले बोले-

जाति के नाम पर होने वाला दुर्व्यवहार समाज को कमजोर करता है

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित शाखा संगम और स्वयंसेवक एकत्रीकरण कार्यक्रम में संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने भोपाल विभाग के 5 जिलों से आए करीब 30 हजार स्वयंसेवकों को संबोधित किया। होसबाले ने देश की प्रगति के लिए जागृत, एकजुट और समरस समाज के निर्माण पर जोर दिया।

होसबाले ने कहा कि जन्म के आधार पर भेदभाव को हिंदू समाज का हिस्सा नहीं है, जाति के नाम पर होने वाला दुर्व्यवहार समाज को अंदर से कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि जातिभेद और छुआछूत जैसी कुप्रथाओं को मिटाने की शुरुआत हर व्यक्ति को अपने घर और दैनिक आचरण से करनी होगी। केवल मंच से भाषण देने से सामाजिक बदलाव संभव नहीं है, इसके लिए व्यवहारिक धरातल पर परिवर्तन लाना जरूरी है।

होसबाले ने पंच परिवर्तन का जिक्र करते हुए सामाजिक समरसता, परिवार और संस्कार, पर्यावरण संरक्षण, आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य को आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी प्रस्तावों या कागजी बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि हर नागरिक को अपने घर, कार्यस्थल और बस्ती में पौधे लगाने तथा ऊर्जा के संवर्धन के प्रति सचेत रहना होगा। संकट के समय समाज की सामूहिक भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने असम की बाढ़ का उदाहरण दिया। होसबाले ने बताया कि आपदा के वक्त सेवा भारती के साथ आम लोगों, युवाओं और कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर राहत कार्यों में सहयोग किया।

उन्होंने महामना मदन मोहन मालवीय के विचारों को साझा करते हुए कहा कि गांवों और बस्तियों की समस्याओं के समाधान के लिए केवल शासन-प्रशासन पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्थानीय लोगों को भी मिलकर आगे आना चाहिए। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासित शारीरिक प्रदर्शन, घोष वादन और संघ गीत प्रस्तुत किए। अंत में उन्होंने भारत की पांच हजार साल पुरानी सांस्कृतिक यात्रा का स्मरण कराते हुए कहा कि देश ने कई संकट झेले हैं, लेकिन हर बार वह और अधिक मजबूत होकर उभरा है।

गणपति पंडाल के पास विद्युत करंट से 2 की मौत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मध्य मुंबई में शनिवार देर रात एक गणपति पंडाल के पास करंट लगने से एक नाबालिग लड़की और एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों ने बताया कि यह घटना दक्षिण-मध्य मुंबई के कालाचौकी में दत्ताराम लाड मार्ग पर कालाचौकी विभाग सार्वजनिक उत्सव मंडल के पास कल रात करीब 0220 बजे हुई, जहां गणपति दर्शन के लिए भारी भीड़ जमा हुई थी। मुंबई अग्निशमन विभाग को घटना की जानकारी करीब 0242 बजे मिली और वे मौके पर पहुंचे। मंडल के प्रवेश के पास एक अस्थायी पीने के पानी के स्टॉल पर करंट का पता चला। अग्निशमन विभाग , मुंबई पुलिस, बेस्ट और ई-वार्ड नागरिक अधिकारियों के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत बिजली आपूर्ति काट दी और एहतियात के तौर पर इलाके को भी घेर लिया गया था। बेस्ट अधिकारियों के मुताबिक पोल नंबर डीएलएम-14 के पास दिग्विजय मिल चॉल में निरीक्षण किया गया, जहां गणपति लाइटिंग और कोल्ड-ड्रिंक स्टॉल के लिए एक अस्थायी बिजली मीटर लगाया गया था।

बताया जा रहा है कि एक स्थानीय इलेक्ट्रीशियन ने तारों और एमसीबी को पहले ही अलग कर दिया था, जबकि जगह पर बिजली आपूर्ति बंद थी। इस घटना में चार लोग घायल हो गए और उन्हें मसिना हॉस्पिटल और ग्लोबल हॉस्पिटल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मसिना हॉस्पिटल में राघिनी घनश्याम यादव को मृत घोषित कर दिया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, BOULA DEVI is legally MOTHER of Army no JC-584053K Rank SUB Name HARBANS LAL, of UNIT- 5 JAK RIF, Presently residing at VILL-KALAH, PO- PAL-LANWALA, TEH-AKHNOOR, DISTT-JAMMU, STATE- J&K, PIN- 181204, शपथ पूर्वक कथन करती हूँ कि मेरा नाम BOULA DEVI से BULLA DEVI परिवर्तन हुआ है इस आशय का शपथ पत्र साथ में संलग्न है। द्वारा शपथ पत्र दिनॉक 20/09/2026 नोटरी जबलपुर मप्र ।

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार, 21 सितम्बर 2026

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

नए रंगों में छात्रों की गूंज

इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम की जबरदस्त सफलता ने भाजपा के समूचे तंत्र को हिला कर रख दिया है। राहुल गांधी युवाओं को उम्मीद बंधाने वाले अपने इस कार्यक्रम में हर बार एक नया रंग जोड़ रहे हैं। इंदौर में राहुल गांधी ने दुख, करुणा, हास्य-व्यंग्य, क्रोध तमाम भावनाओं का समावेश अपने संबोधन में किया। कोटा में जब राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज का पहला कार्यक्रम किया था तो राजनीति पर बात करने से इंकार कर दिया था। फिर देहरादून में उस वक्त यह कार्यक्रम हुआ, जब जंतर-मंतर पर भी आंदोलन चल रहा था। अपने मंच पर राहुल ने नीट पेपर लीक की शिकार छात्रा के पिता को बुलाया, उनका दुख साझा किया। प्रयागराज में राहुल गांधी ने देश की युवा शक्ति का जिक्र किया, और कहा कि अमेरिका, चीन और रूस कोई भी भारत के युवाओं की संभावना का मुकाबला नहीं कर सकता। पुणे में राहुल गांधी ने छात्रों की गूंज को पूरी तरह लड़कियों की आवाज उठाने का मंच बनाया। और अब इंदौर में राहुल गांधी ने छात्रों के भविष्य की बात करने के साथ उस व्यवस्था पर प्रहार किया, जो युवाओं की राह में रोड़ा बन चुकी है। पुणे में राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर प्रहार किया था और उदाहरण दिए थे कि मोहन भागवत, नरेन्द्र मोदी समेत कई भाजपा नेताओं की सोच कितनी संकुचित है। वहीं इंदौर में राहुल गांधी ने भाजपा और संघ की बनाई व्यवस्था पर प्रहार करने के लिए नरेन्द्र मोदी, मोहन भागवत, अमित शाह, अजित डोभाल, मुकेश अंबानी, गौतम अडानी, जैसों का चेहरा पहली पंक्ति में लगाकर नीचे की पंक्ति में योगी आदित्यनाथ, मोहन यादव, ज्ञानेश कुमार, रामदेव, कंगना रानौत, पत्रकारों में अर्णव गोस्वामी, रजत शर्मा जैसे चेहरों को भी उजागर किया कि किस तरह इन तमाम लोगों ने मिलकर एक ऐसा सिस्टम तैयार किया है, जो छात्रों के खिलाफ है।

राहुल गांधी ने बता दिया कि छात्र यानी स्टूडेंट और अंधभक्तों के बीच का फर्क समझाया और बताया कि कैसे भाजपा का बनाया सिस्टम अंधभक्तों को बढ़ा रहा है। 2014 से ही देश देख रहा है कि नरेन्द्र मोदी को सत्ता पर बिठाने के लिए भाजपा और संघ को अंधभक्तों की जरूरत थी, ताकि जब संविधान को तार-तार करने के लिए न्यायपालिका, चुनाव आयोग, संसद समेत सारे मंचों का दुरुपयोग किया जाए तो कोई सवाल न करे। पिछले बारह सालों से यही देश में हो भी रहा है। मोदी ने सत्ता में आने से पहले हर साल दो करोड़ रोजगार का वादा किया था, मगर बेरोजगारी 45 सालों में सबसे उच्च स्तर पर जा पहुंची, तो अंधभक्तों ने सवाल नहीं किया। जिन छात्रों ने सवाल किया, उनके साथ भाजपा ने क्या किया, ये उमर खालिद जैसे उदाहरणों से समझा जा सकता है। मोदी ने सत्ता में आने के दो साल बाद ही नोटबंदी कर दी और नकदी रहित अर्थव्यवस्था के नाम पर यूपीआई को बढ़ावा दिया, अब अमेरिका के दबाव में यूपीआई पर भी शुल्क लगाने का फैसला लिया, जिसके बाद छोटे-बड़े सारे दुकानदार अब यूपीआई से भुगतान लेने से इंकार कर रहे हैं। अंधभक्त फिर भी सवाल नहीं करेंगे कि नोटबंदी से आखिर देश को क्या मिला। मोदी ने लोगों से कहा कि तेल का इस्तेमाल कम करो, लेकिन अपने जन्मदिन पर करोड़ों रुपयों का तेल दिए जलवाने में फुंकवा दिया, अंधभक्त फिर भी सवाल नहीं करेंगे कि मोदीजी आपकी कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है।

अपने मंच से राहुल गांधी ने शनिवार को यही सच पूरे देश को फिर से दिखाया। इसके साथ ही राहुल गांधी ने हाल ही में दिल्ली में सत्य निकेतन इलाके में बहुमंजिला इमारत के गिरने और उसमें निर्दोष छात्रों की मौत पर भी सरकार को घेरा। इस घटना के बाद छात्रों में भाजपा के लिए पहले ही काफी नाराजगी है, क्योंकि उनके लिए छात्रावास की व्यवस्था नहीं है, इसलिए बच्चों को दड़बेनुमा कमरों में भारी किराए के साथ रहना पड़ता है। और बदले में जान जोखिम में डालनी पड़ती है। राहुल ने इस घटना में मृत एक युवा के परिजनों के साथ मंच पर उनका दुख साझा किया। प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि उस समय वहां मौजूद कई युवाओं की आंखें नम हो गई थीं। ऐसी संवेदनशीलता ही नागरिकों के बीच एकता बनाए रखती है। संवेदनहीन राजनीति करने वाली भाजपा बार-बार इस एकता को कुचलना चाहती है। लेकिन राहुल गांधी उसकी इस कोशिश के सामने बड़ी चट्टान की तरह खड़े हुए हैं, यह भाजपा के लिए काफी तकलीफदेह है।

राहुल गांधी ने भाजपा की तकलीफ बढ़ाने वाला एक और काम इंदौर में किया। हास्य कलाकार पुलकित मणि राहुल गांधी के मंच पर आए और उन्होंने जबरन गले मिलने, हीही-खीखी करने, फ्रैंड्स कहने जैसे कुछ अभिनय किए, जिस पर अब भाजपा तिलमिलाई हुई है। उनके हास्य अभिनय में कहीं नरेन्द्र मोदी या उनकी स्वर्गीया मां का नाम नहीं लिया गया, मगर भाजपा के सारे मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, भाजपा खेमे के पत्रकार और अब तक खुद को निष्पक्ष बताने वाले पत्रकार भी राहुल गांधी की नीयत और नैतिकता पर सवाल उठाने लगे। संभवत: हरिशंकर परसाई ने कहा था कि तानाशाह मसखरों से डरता है, क्योंकि वे उसकी भव्यता के गुब्बारे में सुई चुभो देते हैं। यही बात अब सच साबित होते दिखी। नेहरूजी से लेकर डा.मनमोहन सिंह तक तमाम प्रधानमंत्रियों को व्यंग्यकारों ने अपने निशाने पर लिया है। लेकिन इसमें व्यंग्यकारों या कलाकारों की देशभक्ति पर सवाल नहीं उठे, न इनसे देश की प्रतिष्ठा धूमिल हुई। अभिव्यक्ति की आजादी चयनित तरीके से नहीं दी जा सकती। मगर मोदी सरकार का सिस्टम सबको डरा-धमका कर रखना चाहता है।

मगर ये डर अब खत्म हो चुका है, ये इंदौर में नजर आया। राहुल के साथ मंच साझा करने वाले लोगों ने एक बार फिर बेझिझक, बेखौफ होकर बातें कीं। राहुल गांधी के समर्थक और प्रशंसक तो उनके इस अंदाज के मुरीद हैं ही कि वे कितनी सहजता से आम लोगों में घुल मिल जाते हैं। जबकि वे पांच बार से सांसद निर्वाचित हो रहे हैं, इस समय नेता प्रतिपक्ष हैं और उनके परिवार से तीन व्यक्ति देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं।

राहुल के विरोधी भी उनकी इस सहजता की काट नहीं ढूंढ पाते हैं, इसलिए उनकी छवि खराब करने की कोशिशें की जाती हैं। 2004 से जब से राहुल गांधी सक्रिय राजनीति में उतरे हैं, उन्हें शहजादा, वंशवाद का प्रतीक, पप्पू, पार्टटाइम राजनेता और न जाने कितने अपमानजनक शब्दों की चोट पहुंचाई गई। मगर अब जनता ही देख रही है कि राहुल गांधी का सच क्या है।

राहुल मेहनत कर रहे हैं और कांग्रेसी उस पर पानी फेर रहे

कांग्रेसी चाहते हैं राहुल चक्रव्यूह तोड़ दें। राहुल तोड़ सकते हैं। मगर राहुल उसे तोड़कर बाहर निकलना भी चाहते हैं। कांग्रेसियों को इसमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं है कि राहुल चक्रव्यूह तोड़कर बाहर आएं। उन्हें केवल राहुल से चक्रव्यूह तुड़वाना है। क्योंकि उनमें से न तो कोई तोड़ सकता है न तोड़ना चाहता है।

राहुल को आप चाहे जितना अव्यवहारिक या आदर्शवादी कहें मगर इतना वह जानते हैं कि आज के समय केवल चक्रव्यूह तोड़ना ही महत्वपूर्ण नहीं है। तोड़कर बाहर निकलना भी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल ने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जो कौरवों ने अभिमन्यु के साथ किया था वही अब मोदी सरकार कर रही है। महाभारत में कौरव कामयाब हुए थे। अभिमन्यु को घेर कर मार लिया था। लेकिन अब अभिमन्यु मरेगा नहीं। चक्रव्यूह बेधेगा और बाहर भी आएगा।

राहुल ने यह बिल्कुल नया कान्सेप्ट दिया है। इससे पहले चक्रव्यूह बेधने की ही बात होती थी। मगर राहुल ने आज के समय के अनुसार उससे सुरक्षित बाहर निकलने की जो बात कही है वह एक आशावादी राजनीति का मैसेज है। और 12 साल से निराश एवं हताश जनता को इससे एक उम्मीद बंधती है। राहुल जनता में ही हौसला पैदा करके और खास तौर से छात्र एवं युवाओं को जगाकर ही इस चक्रव्यूह को तोड़ने और इससे बाहर निकलने की बात करते हैं।

राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। और प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह संसद के दोनों सदनों में से किसी एक में भी नहीं आ पाए।

लेकिन कांग्रेस के ही कुछ नेताओं की गलतियों के कारण कई बार बेवजह बाजी पलट जाती है। जिस दिन राहुल का अब तक का सबसे सफल गूंज कार्यक्रम इन्दौर में हो रहा था उसी दिन दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के चुनावों का नतीजा निकल रहा था।

दिल्ली में इस बार जो माहौल था भाजपा उससे बहुत डरी हुई थी। हर चीज उसके खिलाफ जा रही थी। और ऐसे में दिल्ली यूनिवर्सिटी के चुनाव से एक हफ्ते पहले सत्य निकेतन की बिल्डिंग गिर जाने जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी के ही पढ़ने वाले कई छात्र दबकर मर जाने की घटना ने उसे पूरी तरह निराश कर दिया था।

लेकिन अगर बल्लेबाज ही हिट विकेट हो जाएं तो कितने ही निराश बालर और टीम हो जीत जाती है। दिल्ली का हर चुनाव पूरे देश को संदेश देता है। चाहे लोकसभा हो या दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव। यहां केवल छात्र संघ का चुनाव ही नहीं दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ डूटा भी राजनीति की नब्ज बताता है। अभी छात्र संघ डूसू चुनाव के चार दिन पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय के सबसे प्रभावी शिक्षक नेता माने जाने वाले और तीन बार डूटा के अध्यक्ष रहने वाले आदित्य नारायण मिश्रा ने बड़ी तादाद में युनिवर्सिटी के शिक्षकों के साथ कांग्रेस मुख्यालय आकर कांग्रेस ज्वाइन की। इसका डूसू चुनाव पर स्वाभाविक असर पड़ना था।

शकील अख्तर

> राहुल के छात्रों के गूंज कार्यक्रम की अब चौतरफा चर्चा है। छात्रों से कोई पंगा नहीं ले सकता। इसलिए न चाहते हुए भी गोदी मीडिया को छात्रों की आवाज दिखाना पड़ रही है। गोदी मीडिया देख चुका है कि छात्रों की बात न सुनने का खामियाजा मोदी सरकार को किस तरह उठाना पड़ा है। उसके शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा।

उससे पहले दिल्ली के जंतर मंतर पर ही छात्रों का बड़ा धरना और फिर संसद मार्च में लाठी, आंसू गैस, पैलेट गन चलने से पूरा माहौल भाजपा विरोधी बना हुआ था। छात्र राजनीति के लिए इससे अनुकूल माहौल कुछ नहीं हो सकता। मगर एक नेता द्वारा अपने बेटे को टिकट दिलाकर एनएसयूआई का पूरा पैनल लंगड़ा कर दिया गया। जिस उपाध्यक्ष सीट पर उस नेता के बेटे वीर चतरथ को लड़ाया वहां एनएसयूआई को नोटा से भी कम वोट मिले। इस पोस्ट पर नोटा को 4359 और एनएसयूआई को 4313 वोट मिले।

शर्मनाक! और यह नेता कौन है जिसने अपने बेटे को टिकट दिलाया? एक भारी अहंकारी वह व्यक्ति जिसे कांग्रेस के नए मुख्यालय इन्दिरा भवन का पूरा चार्ज दे रखा है। जहां वह किसी भी नेता, कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय से गए किसी अधिकारी को घुसने से रोक सकता है। अपमान कर सकता है।

यह हमने लिखा नेता और अधिकारी के लिए। कार्यकर्ता और कर्मचारी की तो बात ही नहीं है। उन्होंने तो इन्दिरा भवन जाना ही छोड़ दिया। एनएसयूआई के नेता, सदस्य और दिल्ली यूनिवर्सिटी के दूसरे तमाम छात्र कांग्रेस के 24 अकबर रोड वाले मुख्यालय आते रहते हैं। पॉलिटिकल पार्टी का दफ्तर जैसा होना चाहिए खुला वह वैसा ही है। दिल्ली के छात्र क्या देश भर से लोग वहां आते हैं। बैठते हैं। कैंटिन में सही दाम में चाय पीते हैं। ऐसे ही सही कीमत में खाना खा लेते हैं। आगे बताते हैं यहां के उचित दाम आपको।

पहले जरा इन्दिरा भवन की बात। लेकिन उससे भी पहले पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग की बात। पार्लियामेंट की नई बिल्डिंग के बनने के औचित्य पर हम शुरू से सवाल उठाते रहे हैं। उसकी कमियों पर बहुत लिखा। अखबार में भी और ट्वीटर पर भी। लेकिन अभी पिछले कुछ समय से हमने लिखना बंद कर दिया।

कांग्रेस के लोगों को मोदी की बनाई नई संसद की कमियां पढ़ने में बहुत मजा आता था। एक दिन एक बड़े नेता ने पूछा कि अब आप नई बिल्डिंग पर क्यों नहीं लिखते हैं? हमने कहा क्योंकि हमने उससे खराब स्थिति एक और नई बिल्डिंग की देख ली। उन्होंने कहा कौन सी? हमने कहा आप का नया मुख्यालय। इन्दिरा भवन। चुप हो गए। जैसे सत्ता पक्ष का भी कोई सांसद, या मंत्री भी नए संसद भवन की तारीफ नहीं कर सकता है। वैसे ही कांग्रेस का कोई नेता इन्दिरा भवन की व्यवस्थाओं का बचाव नहीं कर पाता है। अब हमने ऊपर कैंटिन और रेट की बात कही थी वह बताते हैं। इन्दिरा भवन की कैंटिन के रेट इतने ऊंचे रखे हैं कि वहां काम करने वाले कर्मचारियों को भी चाय पीना हो तो बाहर जाना पड़ता है। यह बताने की तो शायद जरूरत नहीं है कि कार्यस्थलों पर कैंटिन इसलिए खोली जाती है और सब्सिडाइज रेट पर चाय खाना स्नेक्स रखे जाते हैं कि वर्कर को कहीं बाहर खाने चाय पीने नहीं जाना पड़े। अब रेट देख लीजिए। चाय 25 रुपए की। जीएसटी मिलाकर 28 की पड़ती है। अब सोचिए एक कर्मचारी या कभी गलती से चला गया कोई कार्यकर्ता या छात्र कैसे पी सकता है। अब जरा तुलनात्मक रूप से और बता दें तो आपके और समझ में आ जाएगा। यही चाय कांग्रेस के 24 अकबर रोड मुख्यालय में 10 रुपए की मिलती है। और जिक्र संसद की नई बिल्डिंग का भी किया है तो वहां का भी बता दें वहां 5 रुपए की है।

बहुत सारे आइटम हैं। ज्यादा नहीं बता रहे। चाय के बाद खाना ही इम्पार्टेन्ट है तो 24 अकबर रोड में 45 रुपए में मिनी लंच और संसद में 50 रुपए में। यहां फाइव स्टार होटलों की तरह हाफ प्लेट या मिनी का काम ही नहीं। थाली है 200 रुपए की। और जीएसटी अलग। एक आइटम और बता दें। 24 अकबर रोड में सागर रत्ना का कैंटिन है जिसका डोसा दुनिया भर में मशहूर है। केवल 45 रुपए का। पार्लियामेंट में अशोका की कैंटिन है वहां 30रुपए का। और इन्दिरा भवन में पता नहीं किसे ठेका दे रखा है 170 प्लस जीएसटी। और लास्ट बात यह और बता दें कि पत्रकार कैंटिन में नहीं जा सकता। अगर कोई गलती से ले गया तो वहां से उठाने के लिए उसका एडमिनिस्ट्रेटर आ जाता है। एडमिनिस्ट्रेटर मतलब वही जिसने अपने बेटे को लड़वा कर पूरे एनएसयूआई पैनल को हरवाया। राहुल के इन्दौर गूंज कार्यक्रम का मजा खराब किया। लब्बोलुवाब यह है कि राहुल अकेले पूरी लड़ाई लड़ रहे हैं। कांग्रेसी उनकी टांग खींचने में लगे हैं। ये कांग्रेसी वह हैं जो दलाली और चमचागिरी में सिद्धहस्त हैं। इन्हें सिर्फ अपने से अपने परिवार से अपने स्वार्थों से मतलब है। राहुल से और कांग्रेस से इन्हें सिर्फ फायदा उठाना है। अब राहुल इनसे कैसे मुक्त हो पाते हैं यह एक बड़ा सवाल है। क्योंकि यह लोग उनके पास कोई इन्फारमेशन ही नहीं पहुंचने देते। जिस इन्दिरा भवन के लिए कांग्रेस के लाखों कार्यकर्ताओं, सिम्पेथाइजरों ने जो भी जिससे बना सहयोग किया है वहां उनके साथ क्या होता है यह भी राहुल तक शायद ही पहुंच पाता हो।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

हर देश के लिए जरूरी है 'शांति मंत्रालय'

■ **कुमार सिद्धार्थ**

हर वर्ष 21 सितंबर को दुनिया 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' मनाती है। 'संयुक्त राष्ट्र संघ' (यूएन) ने 1981 में इसकी शुरुआत इस उद्देश्य से की थी कि विश्व समुदाय युद्ध और हिंसा से ऊपर उठकर शांति, संवाद और सह-अस्तित्व की संस्कृति को मजबूत करे। वर्ष 2001 में 'यूएन' ने सर्वसम्मति से इस दिन को 'वैश्विक संघर्ष-विराम' और 'अहिंसा दिवस' के रूप में भी मान्यता दी, लेकिन दुर्भाग्या से जिस दुनिया में शांति के नाम पर एक दिन समर्पित है, उसी दुनिया में वर्ष के शेष दिनों में युद्धों की तैयारी अधिक व्यवस्थित ढंग से होती दिखती है।

बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब 'युद्ध' इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है। परमाणु हथियारों का जखीरा आज भी हजारों की संख्या में मौजूद है और वैश्विक सैन्य बजट लगातार बढ़ रहे हैं। तो क्या हथियारों की बढ़ती संख्या दुनिया को अधिक सुरक्षित बना रही है?

गांधीवादी चिंतक और लेखक सतीश कुमार ने इसी प्रश्न को नए दृष्टिकोण से उठाया है। अपने एक लेख में उन्होंने कहा है कि जिस प्रकार लगभग हर देश में रक्षा मंत्रालय हैं, उसी प्रकार प्रत्येक देश में 'शांति मंत्रालय' भी होना चाहिए। ऐसा मंत्रालय समाज में संवाद, मध्यस्थता, शांति शिक्षा, अहिंसक प्रतिरोध, सामुदायिक मेल-मिलाप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने का काम कर सकता है। यदि सरकारें युद्ध की तैयारी के लिए विशाल संस्थागत ढांचे विकसित कर सकती हैं, तो शांति की तैयारी के लिए भी संस्थागत व्यवस्था बनाई जानी चाहिए।

> बीसवीं सदी के दो विश्वयुद्धों और हिरोशिमा-नागासाकी की त्रासदी ने मानवता को विश्वास दिलाया था कि शायद अब 'युद्ध' इतिहास की बात बन जाएंगे, किंतु इक्कीसवीं सदी में ऐसा नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में है। गाज़ा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। पश्चिम एशिया, अफ्रीका के अनेक गृहयुद्ध और एशिया में बढ़ते सामरिक तनाव बताते हैं कि आधुनिक विश्व अभी भी हथियारों के भरोसे सुरक्षा खोज रहा है।

पहली दृष्टि में यह विचार आदर्शवादी लग सकता है, लेकिन वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में इसकी प्रासंगिकता को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। दुनिया के लगभग सभी देशों के पास रक्षा मंत्रालय, सेनाएं, युद्ध रणनीतियां और हथियारों के आधुनिकीकरण की योजनाएं हैं, किंतु शायद ही कोई ऐसा देश हो जहां संवाद, मेल-मिलाप, संघर्ष-निवारण और शांति शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अलग मंत्रालय हो। 'स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार वर्ष 2024 में दुनिया का सैन्य व्यय लगभग 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था, जो अब तक का सर्वाधिक है। यह लगातार दसवां वर्ष था, जब वैश्विक रक्षा व्यय में वृद्धि दर्ज की गई। अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत सबसे अधिक रक्षा व्यय करने वाले देशों में शामिल हैं। इसके विपरीत 'यूएन' की अनेक मानवीय और शांति-स्थापना एजेंसियां संसाधनों की कमी से जूझती रहती हैं। यह विरोधाभास बताता है कि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं किस दिशा में झुकी हुई हैं। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से अधिक राष्ट्र के आम नागरिक चुकाते हैं। 'संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त' (यूएनएचसीआर) के अनुसार दुनिया में 12 करोड़ से अधिक लोग युद्ध, हिंसा और उत्पीड़न के कारण अपने घर छोड़ने को विवश हैं। गाज़ा, यूक्रेन और सूडान जैसे क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल और नागरिक बस्तियां नष्ट हुई हैं। लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हुए हैं और असंख्य परिवार विस्थापन का जीवन जी रहे हैं। आधुनिक युद्ध केवल सीमाओं को नहीं, बल्कि समाजों के विश्वास, मानवीय गरिमा और भविष्य को भी समाप्त करते हैं। युद्ध का एक और गंभीर पक्ष पर्यावरणीय विनाश है। आधुनिक सेनाएं भारी मात्रा में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती हैं। बमबारी से जंगल, कृषि भूमि और जलस्रोत नष्ट होते हैं। औद्योगिक प्रतिष्ठानों के ध्वस्त होने से विषैले रसायन वातावरण में फैलते हैं और 'ग्रीनहाउस गैसों' का उत्सर्जन बढ़ता है। सतीश कुमार का प्रस्ताव है कि रक्षा बजट का एक हिस्सा शांति निर्माण के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। शांति मंत्रालय का कार्य केवल युद्ध रोकना नहीं, बल्कि शांति शिक्षा, संवाद, मध्यस्थता, सामुदायिक मेल-मिलाप, अहिंसक प्रतिरोध, संघर्ष-निवारण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना होगा। दरअसल, शांति को संस्थागत रूप देने का विचार नया नहीं है। महात्मा गांधी का मानना था कि हिंसा अंतत: प्रतिहिंसा को जन्म देती है। स्वतंत्रता आंदोलन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है, जहां करोड़ों लोगों ने बिना हथियार एक साम्राज्य को चुनौती दी। गांधी का स्वराज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं था; वह ऐसे समाज की परिकल्पना थी जहां संघर्षों का समाधान संवाद और नैतिक शक्ति से हो। गांधी की इसी परंपरा को विनोबा भावे, दादा धर्माधिकारी, जयप्रकाश नारायण और नारायण देसाई जैसे अनेक विचारकों ने आगे बढ़ाया और समाज में संवाद, रचनात्मक कार्यक्रमों और अहिंसक संघर्षों को लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति माना। इन सभी का विश्वास था कि स्थायी सुरक्षा हथियारों से नहीं, बल्कि न्यायपूर्ण समाज, लोकतांत्रिक भागीदारी और अहिंसक संस्कृति से आती है। इस दृष्टि से 'शांति मंत्रालय' का प्रस्ताव गांधीवादी चिंतन का समकालीन संस्थागत विस्तार प्रतीत होता है।

द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन और दार्शनिक बर्ट्रेंड रसेल ने भी मानवता को यही चेतावनी दी थी। 1955 के प्रसिद्ध 'रसेल-आइंस्टीन घोषणापत्र' में उन्होंने विश्व नेताओं से आग्रह किया था कि वे युद्ध की बजाय मानव अस्तित्व को प्राथमिकता दें। घोषणापत्र का सबसे प्रसिद्ध वाक्य आज भी प्रासंगिक है- 'अपनी मनुष्यता को याद रखिए और बाकी सब भूल जाइए।' यही विचार आगे चलकर परमाणु निरस्त्रीकरण और वैश्विक शांति आंदोलनों की प्रेरणा बना।

'यूएन' की स्थापना इसी विश्वास के साथ हुई थी कि आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाया जाए। 'यूएन चार्टर' की प्रस्तावना में इसका स्पष्ट उल्लेख है। शांति स्थापना अभियानों, संघर्ष-निवारण, मध्यस्थता और 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' जैसी पहलों के माध्यम से 'यूएन' लगातार प्रयास करता रहा है। हालांकि महाशक्तियों के राजनीतिक हित और 'वीटो व्यवस्था' अक्सर इन प्रयासों को सीमित कर देते हैं।

भारत के लिए यह विमर्श विशेष महत्व का है। 'अहिंसा परमो धर्म:,' 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और गांधी का सत्याग्रह केवल आदर्श नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति के वैकल्पिक मूल्य भी हैं। भारत अपनी सुरक्षा जरूरतों से समझौता किए बिना भी शांति शिक्षा, संघर्ष-समाधान, मानवीय कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के क्षेत्रों में नई पहल कर सकता है। यदि भारत 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' का संदेश विश्व समुदाय को दे सकता है, तो शांति को सार्वजनिक नीति का विषय बनाने की बहस का नेतृत्व भी कर सकता है।

केवल एक नया मंत्रालय बना देने से युद्ध समाप्त नहीं होंगे। युद्धों के पीछे भू-राजनीतिक हित, संसाधनों की प्रतिस्पर्धा और वैचारिक टकराव जैसे अनेक कारण होते हैं। फिर भी संस्थाएं समाज की प्राथमिकताओं का प्रतीक होती हैं। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग मंत्रालय बनने के बाद पर्यावरण नीति को नई पहचान मिली और आपदा प्रबंधन के लिए अलग संस्थागत व्यवस्था विकसित हुई, उसी प्रकार शांति के लिए समर्पित संस्थान भी यह संदेश देंगे कि राष्ट्र केवल युद्ध जीतने की नहीं, बल्कि शांति स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। यदि मानवता ने युद्ध के लिए मंत्रालय बनाए हैं, तो क्या अब समय नहीं आ गया कि वह शांति के लिए भी एक मंत्रालय बनाने का साहस दिखाए?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं सामाजिक कार्यों से संबद्ध हैं।

आपके पत्र

सुविधाएं गांव तक पहुंचनी चाहिए

गांव में रहने वाले लोगों के लिए किसी चीज की कीमत केवल उसकी दुकान पर लिखी रकम से तय नहीं होती। कई बार उसे खरीदने के लिए घर से शहर तक जाने और आने का किराया, लगने वाला समय, काम से छूटा एक दिन और रास्ते में होने वाली दूसरी परेशानियां भी जुड़ जाती हैं। यही वह अदृश्य कीमत है, जिसे गांव के कठिन जीवन को समझते समय अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

उदयपुर शहर से लगभग चार किमी दूर ब्राह्मणों का गुड़ा गांव इसका एक उदाहरण है। शहर के इतने करीब होने के बावजूद गांव के भीतर की सड़कें टूटी-फूटी हैं और रोजमर्रा की कई जरूरतों के लिए लोगों को शहर का रुख करना पड़ता है। इस गांव में केवल दो छोटी दुकानें हैं, जहां ज़रूरत का पूरा राशन नहीं मिलता है। इसलिए लोगों को राशन और दूसरी जरूरी चीजें खरीदने के लिए शहर जाना पड़ता है। बाहर से देखने पर चार किमी की दूरी बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन रोजमर्रा की जिंदगी में यही दूरी गांव में आर्थिक रूप से कमज़ोर किसी परिवार के बजट, समय और श्रम के रूप में बहुत मायने रखती है।

गांवों की समस्या को केवल इस सवाल से नहीं समझा जा सकता कि वहां कितनी दुकानें हैं। असली सवाल यह है कि क्या गांव में रहने वाला व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की जरूरतें अपने आसपास से पूरी कर सकता है? अगर राशन की पूरी व्यवस्था गांव में नहीं है, गैस सिलेंडर के लिए अतिरिक्त पैसे देने पड़ते हैं और जरूरी सामान लेने के लिए शहर जाना पड़ता है, तो इसका असर केवल जेब पर नहीं पड़ता है बल्कि उसके पूरे महीने के बजट पर पड़ता है। किसी मजदूर को सामान लेने के लिए शहर जाना पड़े तो उसके काम का समय भी जाता है। किसी परिवार के पास एक साथ अधिक सामान खरीदने के लिए पर्याप्त पैसा न हो तो वह अपनी जरूरत का सामान भी कम मात्रा में खरीदने को मजबूर हो सकता है। यानी गांव में सुविधाओं की कमी लोगों को ऐसी व्यवस्था में धकेल देती है, जहां छोटी-छोटी जरूरतें भी अतिरिक्त खर्च मांगती हैं।

इसका बोझ परिवार के सभी सदस्यों पर एक जैसा नहीं पड़ता। घर में सामान लाने, बच्चों की जरूरतें पूरी करने और रोजमर्रा के काम संभालने की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं के हिस्से में आती है। ऐसे में जब जरूरी सामान गांव में उपलब्ध नहीं होता, तो यात्रा का अतिरिक्त समय और श्रम भी उनके जीवन में जुड़ जाता है। गांव की कठिनाइयां बाजार तक ही सीमित नहीं हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी दूरी और सुविधाओं की कमी बच्चों के भविष्य को प्रभावित करती है। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी या समय पर शिक्षकों के नहीं आने की समस्या के कारण माता-पिता बच्चों को निजी स्कूल में भेजना चाहते हैं। लेकिन निजी स्कूल का मतलब केवल फीस नहीं है। किताबें, यूनिफॉर्म और बस का खर्च भी परिवार की आय पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। जिन परिवारों की आमदनी पहले ही सीमित है, उनके लिए बच्चे की शिक्षा जारी रखना कई बार आर्थिक चुनौती बन जाता है।

गांव को मजबूत बनाने का मतलब केवल सड़क या इमारत बनाना नहीं, बल्कि ऐसी स्थानीय व्यवस्था तैयार करना है जिसमें लोगों की अपनी जरूरतें गांव में ही उपलब्ध हो जाए।

रोजगार गांव के पास हो, बच्चों को गांव में ही अच्छी शिक्षा मिले, जरूरी सामान उचित दाम पर उपलब्ध हो और सरकारी योजनाओं तक पहुंच आसान हो। तभी गांव की दूरी नक्शे पर दर्ज कुछ किमी भर रह जाएगी।

विनय अग्रवाल, उदयपुर, राजस्थान

ललित सुरजन की कलम से

संशयग्रस्त भारत और ओलंपिक

'क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें खिलाड़ियों के साथ मैदान को भी विज्ञापनों से पाटा जा सकता है। अन्य खेलों में यह गुंजाइश कम इसलिए है क्योंकि उनमें अधिक गति होती है और सवा डेढ़ घंटे में खेल खत्म हो जाता है। बेशक फुटबॉल और टेनिस में सट्टेबाजी होती है, खासकर विदेशों में, लेकिन क्रिकेट की सट्टेबाजी के सामने वह कुछ भी नहीं। इस व्यवसायिकता का दूसरा पहलू है कि कोई भी खिलाड़ी जिसने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त कर ली हो, उसे अपने कब्जे में लेने के लिए विज्ञापनदाता टूट पड़ते हैं। इसमें शायद युवा खिलाडियों के माता-पिता के लालच का भी दोष होता है! एक खिलाड़ी को पर्याप्त आर्थिक प्रोत्साहन मिले यह तो ठीक है, लेकिन अगर वह विज्ञापन से मिलने वाले करोड़ों रुपए की चकाचौंध में खो जाएं तो फिर उसका एकाग्रचित्त होकर खेल पाना मुश्किल हो जाता है। हाल के वर्षों में कुछ नए खिलाडियों ने जो बेहतरीन उपलब्धियां हासिल कीं उनकी चमक कम पड़ जाने का कारण शायद यही है।'

(देशबन्धु में 25 अगस्त 2016 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2016/08/blog-post_24.html

गुरुवाणी विचार

गुजरी महला 5

कबहू हरि सिओ चित न लाइओ
धंधा करत बिहानी अउधहि गुण निदि नाम न गाइए (रहाओ)
बिसरत प्रभ केते दुख गनीअहि महा मोहनी खाइए
करो अनुग्रह सुआमी मेरे गनहु न मोहि कमाइए
गोविंद गइआल क्रिपाल सुख सागर नानक हरि सरणाइए।

गुरुवाणी की ये पंक्तियां गूजरी राग से ली गई हैं जो गुरुग्रंथ साहिब के 501 अंग में सुशोभित है। इन पंक्तियों द्वारा पांचवें नानक गुरु अर्जुन देव मानव मन को समझाते हुए कह रहे हैं- इंसान इस संसार में आकर माया, मोह और विषय विकारों में इतना फंस जाता है कि वह अपने जनक प्रभु परमात्मा को ही विसार बैठा है। उस प्रभु परमात्मा से अपना मन जोड़ ही नहीं पाता। चाहिए तो यही था कि इस संसार में जिस प्रभु परमात्मा ने हमें यह सुंदर मानव देही देकर इस धरा पर भेजा है। हमेशा उनका हर वक्त ध्यान लगाता रहे पर वह झूठे आडंबरों में फंस कर उस प्रभु परमात्मा का कभी ध्यान ही नहीं लगाता। जो याद रहे हमें प्रभु परमात्मा ने अपनी सर्वश्रेष्ठ कृति मानवदेही दी है। यह उसकी हम पर विशेष कृपा है वरना उसके पास तो चौरासी लाख योनियों का अटूट भंडार था वह हमें किसी भी योनि में भेज सकता था पर हमारे पूर्व जनमों में किए गए पुण्य कर्मों के फल के कारण ही हमें मानव देही प्राप्त हुई है। हमारा कर्तव्य है कि प्रभु सिमरन में मन लगाए रहें।

जिस प्रकार स्वर्णकार गहने बनाता है पर उन गहनों के बनने और बिकते तक ही उस गहने का ध्यान रखता है। गहना बिका और उसका ध्यान देखरेख खतम। एक कुम्हार मिट्टी के बर्तन बनाता है पर बिकने तक ही उसका ध्यान उसमें रहता है, प्रभु परमात्मा ऐसे कारीगर हैं जो इस समस्त संसार की रचना करने के बाद हर जीव के अंदर विराजमान रहकर उसके द्वारा किये गए प्रत्येक कार्य को देखता रहता है जिसका कि लेखाजोखा उनके दरबार में चित्रगुप्त द्वारा रखा जाता है। इसीलिए उस प्रभु परमात्मा को कभी न बिसारे और हर वक्त उसका ध्यान लगाये रखे। हमें अपने और परिवार का उदर पोषण भी करना है और मन हमेशा प्रभु में लगाये रखना है क्योंकि गुरुदेव ने समझाया है-औरत, ईमान, पुत्तर निशान दौलत गुजरान। अर्थात गृहस्थ में रहकर धर्म का पालन करते हुए हमें ईमानदारी से नेक कमाई करना है और कमाई का दसबंध निकालकर जरूरतमंदों की मदद में दीन दुखियों की सेवा में खर्च करना है पर हमारा मन हर वक्त निरंकार से जुड़ा रहना चाहिए। इसी बात को भक्त नामदेव त्रिलोचन जी तो कुछ इस तरह समझा रहे हैं-

नामा कहे त्रिलोचना मुख ते नाम संभाल।
हाथ पांव से काम सब चित निरंजन नाल।।

शुरु में हमें यह असंभव प्रतीत होगा जरूर होगा पर धीरे-धीरे अभ्यास करते रहने हमारा मन निरंकार से जुड़ जाएगा। कबीर दास भी कह गए हैं-

केसो केसो कूकिये न सोइऐ आसार।
बार बार के कूकने कभी तो सुने पुकार।।

हर वक्त बार बार स्मरण करते रहने पर कभी न कभी तो हम पर कृपादृष्टि पड़ ही जाएगी और हमें प्रभु दर्शन का लाभ प्राप्त हो जाएगा फिर हमें किसी भी किस्म की तकलीफ नहीं होगी। हमारा मन सदा सुख ही सुख की प्राप्ति करता रहेगा-

सहस्त्र खटे लखि को उठि धावै।
तृप्त न आवै माया पाछै पावै।।

माया ऐसी मोहिनी है हमारे पास कितनी भी धन दौलत इकट्ठी हो जाए हमारी तृप्ति नहीं हो पाती ये माया मोहनी है बिना दांतों के ही सारे जग को खा रही है- माया ममता मोहिनी जिन बिन दंता जग खाया। पर जो इंसान हर वक्त प्रभु पर ध्यान लगाए रखते हैं उसकी तृप्ति खतम हो जाती है उन्हें संतोष की प्राप्ति हो जाती है।

विशालकाय पेड़ गिरने से मचा हड़कंप

पनेहरा पेट्रोल पंप के सामने घटना, बाल-बाल बचे राहगीर, मची अफरा-तफरी

जबलपुर, देशबन्धु। जीसीएफ स्टेट पनेहरा पेट्रोल पंप के पास रविवार दोपहर को एक विशालकाय पेड़ का कुछ हिस्सा तेज हवा में गिर गया। जिस समय हादसा हुआ उस समय वहां से राहगीर तो निकल रहे थे लेकिन गनीमत यह रही थी कोई भी पेड़ के नीचे नहीं खड़ा था, जिसके चलते कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। हालांकि पेड़ की चपेट में आने के कारण बिजली के टूट कर गिर गया, जिससे घंटों तक क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित रही। सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग के अमले तो सुधार कार्य शुरु कर ही दिया था, साथ ही फैक्ट्री कर्मियों ने भी मौके पर पहुंचकर गिरे हुए पेड़ को काटकर किनारे कर दिया था ताकि यातायात प्रभावित ना हो। इसके अलावा पेड़ के नीचे विचरण कर रहे है मवेशी भी बाल-बाल बच गये।

नगर निगम की रडार पर बड़े बकायादार, अंतिम नोटिस जारी

बार-बार नोटिस देने के बाद भी जमा नहीं किया टैक्स

जबलपुर,देशबन्धु। नगर निगम प्रशासन बड़े बकायादारों पर लगाम कसने की तैयारी में है। कुछ बकायादार ऐसे हैं, जिनका पचास-पचास लाख रुपए तक संपत्तिकर बाकी है, ऐसे बकायादारों को पूर्व में धारा 173,174 के नोटिस तो जारी किए जा चुके हैं लेकिन इन नोटिसों का उन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। जिसके बाद राजस्व विभाग ने अब उन बकायादारों को धारा 175 का अंतिम नोटिस जारी कर दिया है। 15 दिन के अंदर यदि इन बकायादारों ने संपत्तिकर जमा नहीं किया तो उनकी संपत्ति कुर्क कर बाजार मूल्य पर नीलाम करने की कार्रवाई शुरु कर दी जाएगी।

छोटे बकायादार उठा रहे लाभ

पिछले शनिवार को नगर निगम मुख्यालय सहित सभी जोन कार्यालयों में आयोजित की गई नेशनल लोक अदालत में बकायादारों ने अच्छा-खासा निगम का खजाना भरा लेकिन जिन्होंने टैक्स जमा किया, उनमें छोटे बकायादारों की संख्या ज्यादा है। बड़े बकायादार टैक्स जमा करने में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। जिसके चलते सभी जोनों में तैनात राजस्व निरीक्षकों को बड़े बकायादारों की संपत्ति की कुर्क करने की फाइल बनाने के निर्देश दे दिए गए हैं।

इनका कहना है

बड़े बकायादारों से वसूली के लिए नोटिस जारी किए गए हैं, अब यदि टैक्स जमा नहीं किया तो कार्रवाई की जाएगी।

-सौरभ मिश्रा,
अपर आयुक्त नगर निगम

गणेशोत्सव पर पंडालों का निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में गणेशोत्सव शहरभर में धूमधाम से मनाया जा रहा है। सार्वजनिक गणेश पंडालों पर स्थापित प्रतिमाओं और साज-सज्जा का निरीक्षण जिला प्रशासन की टीम पहुंच रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार गणेश उत्सव के दौरान सुरक्षा इंतजामों खास तौर पर विद्युत साज-सज्जा में आयोजन समितियों द्वारा बरती गई सावधानियों का जायजा लेने एसडीएम रांझी मोनिका बाघमारे ने इंजीनियरिंग कॉलेज सहित रांझी क्षेत्र में स्थापित गणेश पंडालों का निरीक्षण किया और समिति के पदाधिकारियों को समझाइश दी।

खितौला के बरगवां तालाब के पास हादसा

पेड़ पर चढ़कर पत्ती तोड़ रहे युवक की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत

जबलपुर, देशबन्धु। खितौला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बरगवां तालाब के पास रविवार को एक बेहद हृदयविदारक हादसा घटित हुआ, जहां अपने पालतू मवेशियों के चारे के लिए पेड़ पर चढ़कर पत्तियां तोड़ रहे एक युवक की हाईटेंशन विद्युत लाइन के करंट की चपेट में आने से मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पेड़ की शाखाओं के बिल्कुल पास से गुजर रही 11 केवी लाइन से संपर्क होते ही युवक को जोरदार झटका लगा और वह अनियंत्रित होकर ऊंचाई से सीधे जमीन पर आ गिरा। आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों ने जब धमाके की आवाज सुनी तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक युवक की सांसें थम चुकी थीं।

पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

खितौला पुलिस से जानकारी के अनुसार नया मोहल्ला वार्ड क्रमांक 1 निवासी 32 वर्षीय अफजल शाह घर पर मवेशी पालन का कार्य करता था। रविवार की सुबह वह अपने जानवरों के लिए हरी पत्तियां और चारा एकत्रित करने की नीयत से बरगवां तालाब के किनारे लगे बड़े पेड़ों के पास गया हुआ था। अफजल पेड़ पर काफी ऊंचाई तक चढ़ गया और दरांती से पत्तियां काटने लगा। उसी पेड़ की ऊपरी टहनियों के बेहद करीब से विद्युत वितरण कंपनी की 11 केवी क्षमता वाली मुख्य विद्युत लाइन गुजर रही थी। पत्तियां तोड़ते समय अफजल का हाथ या कटी हुई हरी शाखा अचानक 11 केवी के नंगे तारों से टकरा गई। अफजल को बिजली का जोरदार झटका लगा और वह झुलसते हुए सीधे जमीन पर आ गिरा। ग्रामीणों ने तत्काल डायल 100 और एंबुलेंस को फोन किया तथा निजी साधन से उसे तुरंत नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों ने गहन परीक्षण के बाद अफजल को मृत घोषित कर दिया।

सार-समाचार

पमरे ने पांच माह में कमाया 3,935 करोड़ से अधिक का राजस्व

स्पेशल ट्रेनों की 100 सेवाएं संचालित होंगी

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह में ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए 3,935 करोड़ 26 लाख का कुल राजस्व अर्जित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि में अर्जित 3,652 करोड़ 91 लाख की तुलना में 282 करोड़ 35 लाख अधिक है। इस प्रकार ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू में 7.73 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे के निरंतर मॉनिटरिंग एवं मार्गदर्शन तथा वाणिज्य एवं परिचालन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से राजस्व वृद्धि को यह सकारात्मक गति बनी हुई है।

जैविक हाट में उमड़े खरीदार, किसानों को मिला सीधा बाजार

प्राकृतिक खेती के उत्पादों की रही मांग

जबलपुर, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी परिसर में रविवार को लगे साप्ताहिक जैविक हाट में जैविक और प्राकृतिक उत्पाद खरीदने बड़ी संख्या में नागरिक पहुंचे। विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने फल, सब्जियां, अनाज, मिलेट्स और उनसे तैयार मूल्यवर्धित उत्पाद बिक्री के लिए रखे। बरगी विधायक नीरज सिंह ने हाट पहुंचकर किसानों से चर्चा की और उत्पादों की जानकारी ली। यहां नींबू, परवल, केला, पपीता सहित कई सब्जियां और फल उपलब्ध रहे। इसके अलावा मिलेट्स का आटा, कुकीज, अचार, दूध से बने उत्पाद और अन्य खाद्य सामग्री भी आकर्षण का केंद्र रही। हाट ने किसानों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचने और अपने उत्पादों का बेहतर बाजार तलाशने का अवसर दिया।

स्टेशन पर बेहोश यात्री को अस्पताल पहुंचाया

जबलपुर, देशबन्धु। जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 6 पर एक व्यक्ति के अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना प्राप्त होते ही रेलवे प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई। सूचना मिलते ही अनन्या क्लीनिक की पैरामेडिकल स्टाफ अनीता मौके पर पहुंचीं और अचेत व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सकीय सहायता प्रदान की। व्यक्ति उस समय बोलने की स्थिति में नहीं था तथा उसके साथ कोई परिजन अथवा परिचित भी मौजूद नहीं था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेलवे द्वारा एम्बुलेंस की सहायता से व्यक्ति को तत्काल शासकीय अस्पताल भेजा गया। इस दौरान ऑन-ड्यूटी आरपीएफ स्टाफ भी उसके साथ अस्पताल गया तथा आवश्यक सहयोग प्रदान किया। रेलवे स्टाफ एवं चिकित्सा टीम की त्वरित पहल से अचेत यात्री को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी।

विक्टोरिया से जेल तक बदमाशों का वीडियो वायरल, पुलिस सुरक्षा पर लगी सेंध

जबलपुर, देशबन्धु। गोहलपुर थाना क्षेत्र में हथियारों के साथ तस्वीरें और रील बनाकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने वाले आसिफ पठान तथा दानिश अली को पुलिस ने दबोच लिया। पकड़े जाने के बाद पुलिस दल दोनों को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए विक्टोरिया अस्पताल ले गया। इसके पश्चात अदालत के आदेश से दोनों को जेल भेज दिया गया। इसी कानूनी प्रक्रिया के दौरान आरोपियों के एक साथी ने उनका एक और वीडियो तैयार कर इंटरनेट पर जारी कर दिया। जैसे इन्हें महिमामण्डित किया गया हो। वीडियो सामने आने पर एडिशनल एसपी आयुष जाखड़ ने बताया कि इसे रिकॉर्ड और अपलोड करने वाले अज्ञात मददगार की सरगर्मी से तलाश चल रही है। कस्टडी और मेडिकल जांच के दौरान बनाए गए नए वीडियो ने सुरक्षा प्रबंधों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वीडियो में दोनों आरोपियों को किसी खूंखार गैंग के सरगना की भांति महिमामंडित किया गया, जिससे आम जनता में दहशत और युवाओं में गलत संदेश न फैले। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि वायरल फुटेज की लोकेशन और अपलोडर के डिजिटल पते खंगाले जा रहे हैं।

प्रदेश में नर्सिंग विद्यार्थियों के सत्र करीब छह वर्ष विलंब से चल रहे

मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन के विरोध में चौथे दिन भी धरना

जबलपुर, देशबन्धु। मेडिकल शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा को बचाने, मेडिकल यूनिवर्सिटी के विखंडन के विरोध और कथित भ्रष्टाचार को समाप्त करने की मांग को लेकर एनएसओ छात्र संगठन का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन रविवार को चौथे दिन भी जारी रहा। संगठन ने आंदोलन आगे भी जारी रखने की बात कही है। संगठन के संस्थापक गोपाल पाराशर ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में नर्सिंग विद्यार्थियों के सत्र करीब छह वर्ष विलंब से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को नर्सिंग विद्यार्थियों के सत्र नियमित करने और मेडिकल यूनिवर्सिटी की व्यवस्थाओं में सुधार पर ध्यान देना चाहिए।

संगठन का आरोप है कि इसके बजाय मेडिकल, नर्सिंग और पैरामेडिकल शिक्षा की व्यवस्थाओं को प्रभावित किया जा रहा है। पाराशर ने कहा कि जबलपुर में मेडिकल यूनिवर्सिटी होने के बावजूद नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों को क्षेत्रीय विश्वविद्यालयों से जोड़ा जा रहा है। संगठन की मांग है कि इन कॉलेजों को वापस मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध किया जाए। उनका कहना है कि मेडिकल यूनिवर्सिटी की गतिविधियों से विद्यार्थियों के साथ-साथ शहर के होटल, रेस्टोरेंट और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी रोजगार मिलता है। संगठन ने आरोप लगाया कि करीब 15 वर्ष पहले स्थापित मेडिकल यूनिवर्सिटी में अब तक स्थायी अधिकारियों और कर्मचारियों की पर्याप्त नियुक्तियां नहीं हुई हैं, जिससे परीक्षा, परिणाम और डिग्री संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। संगठन ने मेडिकल यूनिवर्सिटी को जबलपुर से बाहर ले जाने के कथित प्रयासों का भी विरोध किया।

नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता से जुड़े मामलों और न्यायालय में चल रहे प्रकरणों का हवाला देते हुए संगठन ने कहा कि इसका असर विद्यार्थियों की परीक्षाओं, परिणामों और डिग्री पर पड़ रहा है। संगठन ने नर्सिंग काउंसिल भोपाल की कार्यप्रणाली की जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग भी दोहराई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष कुशवाहा, आदित्य और पिंटू ने कहा कि मांगों का निराकरण नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने में सुरभि, कल्पना, काजल, नेहा, पूनम, सुमित, जतिन, धर्मेंद्र, राजू सहित दर्जनों विद्यार्थी मौजूद रहे।

राजस्व प्रकरणों की पेंडेंसी पर फिर उठे सवाल

जबलपुर, देशबन्धु। राजस्व प्रकरणों के तेजी से निराकरण के लिए लगातार समीक्षा बैठकों और निर्देशों के बावजूद लंबित मामलों की स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है। विभागीय स्तर पर कार्रवाई और प्रगति के आंकड़े प्रस्तुत किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर लंबित प्रकरणों का दबाव पूरी तरह कम नहीं हो पा रहा।

स्थानीय अधिकारियों से लेकर शासन स्तर तक होने वाली समीक्षा बैठकों में आंकड़ों के आधार पर उपलब्धियां बताई जाती हैं। इसके बावजूद पुराने मामलों के निराकरण की गति और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। राजस्व व्यवस्था में केवल समीक्षा और आंकड़ों के बजाय लंबित प्रकरणों की वास्तविक निगरानी, समयबद्ध निराकरण और जवाबदेही तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है।

समीक्षा बैठकों में आंकड़ों की तस्वीर बदलने से नहीं सुधर रही स्थिति

वैज्ञानिक खेती से अनीता बाई ने बढ़ाया अरहर का उत्पादन

जबलपुर, देशबन्धु। पनागर के छत्तरपुर गांव की किसान अनीता बाई कोल ने पारंपरिक खेती के साथ वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर अरहर उत्पादन में नई राह बनाई है। उन्होंने दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के तहत एक हेक्टेयर में अरहर की उन्नत किस्म भीमा (जेआरजी-152) की खेती की। कृषि विभाग के मार्गदर्शन में उन्हें फसल प्रबंधन, खाद-उर्वरक के संतुलित उपयोग तथा कीट एवं रोग नियंत्रण की तकनीक बताई गई। कृषि विकास अधिकारी वृषभान अहिरवार ने फसल के दौरान खेत का निरीक्षण भी किया। समय पर कृषि कार्य और वैज्ञानिक पद्धति अपनाने से फसल बेहतर हुई। अनीता बाई के अनुभव से गांव के अन्य किसान भी उन्नत तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

वैज्ञानिक पद्धति अपनाने से फसल हुई बेहतर

रेलवे में चल रही फुटबॉल चैंपियनशिप के खेले गए रोमांचक मुकाबले

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल की मेजबानी में आयोजित 81वीं अखिल भारतीय रेलवे (पुरुष) फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27 के लीग राउंड के छठवें दिन, 20 सितम्बर को जबलपुर के विभिन्न मैदानों पर रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता 15 से 24 सितम्बर 2026 तक आयोजित की जा रही है। चैंपियनशिप में 13 रेलवे टीमें दो पूलों में विभाजित होकर लीग मुकाबलों में हिस्सा ले रही हैं। छठवें दिन के मुकाबलों में पूर्व रेलवे ने दक्षिण तटीय रेलवे को 7-0 से पराजित किया। रेल कोच फैक्ट्री ने पश्चिम रेलवे को 2-0 से पराजित किया। उत्तर सीमान्त रेलवे ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को 6-2 से पराजित किया। मुकाबलों के दौरान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री अर्जुन सिंह, उप मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (जनरल) अब्दुल मतीन खान, पश्चिम मध्य रेल खेलकूद संघ उपाध्यक्ष अनिरूद्ध कौशल सहित रेलवे के अन्य अधिकारी एवं खेलप्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के आगामी लीग मुकाबलों में विभिन्न रेलवे टीमों के खिलाड़ी अपने खेल कौशल, अनुशासन एवं टीम भावना का प्रदर्शन करेंगे। जबलपुर में आयोजित ये मुकाबले खेलप्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

कुंडम के 4 गांवों में विधिक सेवा प्राधिकरण की मेगा ड्राइव

1705 ग्रामीणों तक पहुंच, 98 के आधार कार्ड बने

जबलपुर, देशबन्धु। कुंडम तहसील स्थित ग्राम पंचायत मढ़ईकलां में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर मेगा अवेयरनेस ड्राइव चल रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के इस अभियान के तहत महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तक कानूनी सहायता और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाई जा रही है। अभियान में हराटोला, कन्हेरी, मढ़ईखुर्द और मढ़ईकलां के कुल 1705 लोगों को जोड़ा जा रहा है। प्राधिकरण के सचिव शक्ति वर्मा के मार्गदर्शन में पैरालीगल वालंटियर्स और कर्मचारियों ने घर-घर जाकर सर्वे किया। 25 अगस्त से शुरू हुई यह मेगा ड्राइव 23 अक्टूबर तक चलेगी। टीम अब तक 33 परिवारों के 162 लोगों से सीधे संपर्क कर चुकी है। उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता, मध्यस्थता और लोक अदालत की जानकारी दी गई। साथ ही घरेलू हिंसा, बाल विवाह और पॉक्सो जैसे जरूरी कानूनी प्रावधानों के संबंध में जागरूक किया गया। अब तक 98 पात्र ग्रामीणों के नए आधार कार्ड बनवाए या पुराने आधार कार्ड अपडेट किए गए।

ग्रामीणों ने बताई मूलभूत समस्याएं- सर्वे के दौरान ग्रामीणों ने कई बुनियादी और प्रशासनिक समस्याएं बताईं। तहसील मुख्यालय करीब 45 किलोमीटर दूर होने और आने-जाने के साधनों की कमी के कारण राजस्व और प्रशासनिक कामों में देरी की बात सामने आई। क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क टावर नहीं होने की समस्या भी बताई गई। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के लिए शिक्षा के अवसरों की कमी, बारिश के दिनों में नदी पार कर स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा का जोखिम और पंचायत के 2 सरकारी माध्यमिक व 1 हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षकों की भारी कमी की जानकारी सामने आई।

प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय कर कार्रवाई शुरू- इन समस्याओं के त्वरित और स्थायी समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय शुरू किया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कलेक्टर, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी और तहसीलदार कुंडम सहित विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ समन्वय कर समस्याओं पर आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई है।

नागपुर से जबलपुर आ रहा ट्राला ट्रक से टकराया, केबिन में फंसा चालक

जबलपुर/सिवनी, देशबन्धु। नागपुर से जबलपुर आ रहा ट्राला बंजारी माता मंदिर लखनादौन के पास आगे जा रहे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्राला के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं चालक केबिन में फंसा रहा गया, जिसे बाद में गेट तोड़कर निकाला गया। देर रात हुए हादसे के बाद इस रोड पर जाम के हालात निर्मित हो गए थे। पुलिस के अनुसार नागपुर से ट्रक जबलपुर के लिए रवाना हुए, उसके पीछे ट्राला लेकर चालक विवेक पिता रामचंद निवासी मिर्जापुर यूपी भी निकला। ट्रक जब बंजारी माता मंदिर से लखनादौन की ओर बढ़ रहा था, इस दौरान ट्रक चालक ने ब्रेक मारा तो पीछे से आ रहा ट्राला अनियंत्रित होकर टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्राला के परखच्चे उड़ गए। वहीं चालक विवेक केबिन में ही फंसा रह गया। दुर्घटना होते देख राह चलते लोग रुक गए, जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से केबिन का दरवाजा तोड़कर चालक को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन सड़क पर खड़े होने से वन.वे हिस्से में यातायात प्रभावित हुआ। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और कुछ समय के लिए आवागमन रोकना पड़ा।

ओम खरे, शान्वी खरे अधारताल

अयोध्या सनखेरे, सिविल लाईन

नितेश तिवारी, गंगा नगर

शुभांजली पटेल, आमनपुर

आस्था पटेल, आमनपुर

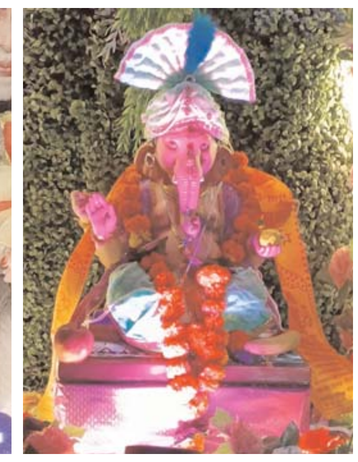
शास्वत श्रीवास्तव, गुलौआ

किसी ने खुद बनाए तो कहीं नन्हें हाथों ने सजाया पंडाल

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी में इन दिनों गणेशोत्सव की धूम है। घर से लेकर बाहर गली-मोहल्लों और बाजारों में कहीं छोटी तो कहीं बड़ी प्रतिमाएं विराजित हैं।

कई घरों में जहां बच्चों ने खुद ही साज-सज्जा की बागडोर संभाल रखी है तो वहीं कुछ बड़ों ने अपने हाथों से ऐसी प्रतिमा बनाई है कि देखते ही बनती है। अधारताल जय प्रकाश नगर में रहने वाले बच्चे ओम खरे और शान्वी खरे ने अपने घर में बप्पा को बैठाने के लिए इतनी सुंदर सजावट की है कि वह देखते ही बनती है।

आमनपुर निवासी शुभांजली पटेल और आस्था पटेल ने मिट्टी से गणेश प्रतिमा का निर्माण किया है। वहीं गंगा नगर निवासी सिविल इंजीनियर नितेश तिवारी ने अपने घर में मां सुनरहाई के रुप की तर्ज पर गणेश प्रतिमा बनाकर विराजित की है। वे इससे पूर्व अयोध्या के रामलला, अर्द्धनारीश्वर, दगडू गणेश जैसी प्रतिमाएं भी हाथ से बनाकर विराजित कर चुके हैं।

मीत प्रसंग उत्सव में बही काव्य की रसधार

डॉ. विनोद बाजपेई को मिला साहित्य सेवा सम्मान

हिंदी के सम्मान और समृद्धि के लिए भाषा का अधिकाधिक प्रयोग जरूरी : मुख्य अतिथि

जबलपुर, देशबन्धु। शहर में आयोजित मीत प्रसंग उत्सव में साहित्य, कविता और हास्य की त्रिवेणी देखने को मिली। नगर के रचनाकारों ने अपनी शानदार कविताओं की प्रस्तुति से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में हिंदी भाषा के सम्मान और उसके अधिकाधिक प्रयोग पर जोर देते हुए अतिथियों ने कहा कि हिंदी को सम्मान देने का सबसे प्रभावी माध्यम उसका व्यवहार और प्रयोग है।

काव्य पाठ के दौरान 'फूल से कैसे जुदा रह पाएगी,वो अगर खुशबु है तो फिर आएगी ' 'पत्थर लिए हाथ में मासूम से बच्चे, वीराने में फलदार शजर ढूंढ रहे हैं' तथा 'मुझे जिंदगी की दुआएं न दो' जैसी रचनाओं ने खूब तालियां बटोरीं। 'हिमालय के शिखर भी कर रहे गुणगान हिंदी का' और 'निष्पाप मोक्ष शांतिप्रदम प्रभु शांत सनातन है' जैसी रचनाओं ने आध्यात्मिक एवं साहित्यिक भावों को स्वर दिया।

हास्य सम्राट के.के. नायकर ने हास्य प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया, वहीं बलराम वर्मा ने भी अपनी प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरीं। डॉ. विनोद बाजपेई को दुर्गासप्तशती एवं श्रीमद्भगवद्गीता के लेखन और साहित्य सेवा के लिए साहित्य सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

प्रथम सत्र की अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे ने की। मुख्य अतिथि देशबन्धु के समाचार सम्पादक आनंद मनोध्याय तथा विशिष्ट अतिथि के.के. नायकर रहे। द्वितीय सत्र में सुरेश मिश्रा विचित्र की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी हुई, जिसमें विशिष्ट अतिथि मन्नाज फराज़ रहे। संचालन प्रसंग समूह के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन ने तथा आभार डॉ. रानू रूही ने व्यक्त किया।

राष्ट्रीय धर्म ज्योतिष सम्मेलन में आचार्य उमाशंकर शास्त्री सम्मानित

जबलपुर,देशबन्धु। राष्ट्रीय धर्म ज्योतिष सम्मेलन 2026 का आयोजन लखनऊ, उत्तर प्रदेश में किया गया। सम्मेलन में भारत शिरोमणि आचार्य पंडित उमाशंकर जी शास्त्री, महंत श्री चित्रगुप्त अखाड़ा, को धर्म एवं ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उन्हें सम्मान प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की। सम्मेलन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से धर्माचार्य, संत-महात्मा, ज्योतिषाचार्य एवं विद्वान शामिल हुए। इस दौरान सनातन धर्म, ज्योतिष परंपरा, धार्मिक संस्कृति एवं समाज में आध्यात्मिक मूल्यों की भूमिका सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। आचार्य पंडित उमाशंकर शास्त्री ने कहा कि भारतीय धर्म और ज्योतिष की परंपरा ज्ञान, संस्कार और मानव कल्याण से जुड़ी हुई है। उन्होंने सम्मेलन को धार्मिक एवं आध्यात्मिक चिंतन का महत्वपूर्ण मंच बताया। उनके सम्मान पर अनुयायियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बधाई दी।

श्रीचन्द्राचार्य जी महाराज का प्राकट्योत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया

जबलपुर,देशबन्धु। माँ वैष्णोदेवी यात्रा सेवा समिति, जबलपुर के तत्वावधान में परम पूज्य तपोमूर्ति सद्गुरुदेव बाबा श्री कल्याणदास जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं अध्यक्षता में उदासीनाचार्य भगवान श्री श्रीचन्द्रदेव जी महाराज का 532वां प्राकट्योत्सव रविवार, 20 सितंबर को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न हुआ।

श्री कल्याणिका तपोवन में धर्मध्वजा आरोहण, पूजन, प्राकट्योत्सव, अरदास, कन्या-पूजन, कन्या-भोज एवं प्रसादी भंडारे का आयोजन हुआ। सायंकाल मानस भवन, राइट टाउन में भजन संध्या एवं संतों के आशीर्वचन हुए।

परम पूज्य जगद्गुरु नरसिंह दास जी ने कहा कि भगवान श्री श्रीचन्द्रदेव जी महाराज का जीवन सेवा, त्याग एवं मानव कल्याण की प्रेरणा देता है।

परम पूज्य साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में संस्कार, सद्भाव एवं आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करते हैं।

परम पूज्य रमेश प्रकाश जी ने कहा कि संत श्री श्रीचन्द्रदेव जी महाराज की शिक्षाएं आज भी समाज को सत्य, संयम एवं सदाचार का मार्ग दिखाती हैं।

इस अवसर पर परम पूज्य जगदीश आनंद ,परम पूज्य स्वामी हर्षो दास जी महाराज , परम पूज्य स्वामी राघव आनंद जी , परम पूज्य स्वामी धोनी दास जी महाराज , परम पूज्य स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने भी अपना आशीर्वचन दिया।

कार्यक्रम में साध्वी मनीषा जी ने मंगल पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन श्री सांवल दास खत्री ने किया तथा आभार श्री सोनू बचवानी ने व्यक्त किया। क्रम के उपरांत श्री कल्याणिका तपोवन के दुर्लभ रुद्राक्ष का प्रसाद स्वरूप वितरण किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में श्री वासुदेव खत्री (सांवल), श्री शंकर लाल खत्री, श्री शमन दास आसवानी, श्री सुधीर भागचंदानी, श्री बबलू केसरवानी, श्री अर्जुन पुरुस्वानी, श्री पप्पू जयभोले, श्री सोनू बचवानी, श्री तारु खत्री, श्री सुरेश आसवानी, श्री अजीत मिनोचा, श्री दीपक मेहता, श्री महेश पुरुस्वानी, श्री तारु केसवानी, श्री मनोहर खत्री सहित समिति के समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

मप्र कार्डियोलॉजिकल सोसायटी के अध्यक्ष निर्वाचित

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश कार्डियोलॉजिकल सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन एमपीसीएसआईकॉन-2026 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुहेल सिद्दीकी को मध्यप्रदेश कार्डियोलॉजिकल सोसायटी का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वहीं सुख सागर मेडिकल कॉलेज के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप तिवारी को सचिव चुना गया। दोनों चिकित्सकों के निर्वाचन से जबलपुर और महाकौशल चिकित्सा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने डॉ. सिद्दीकी और डॉ. तिवारी को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

दैनिक राशिफल

सोमवार 21 सितम्बर 2026 का पंचांग विक्रम संवत् 2083, शक संवत 1948 हिजरी 1447, भाद्रपद शुक्ल पक्ष की दसवीं, नक्षत्र-उ.षा.

मेष -आज मन व्याकुल रहेगा और शरीर में आलस्य छाया रहेगा। स्वास्थ्य कुछ नरम-गरम हो सकता है। काम में सफलता देर से मिलेगी। विरोधियों के साथ वाद-विवाद टालें। दोपहर के बाद परिस्थिति में सुधार आएगा।

वृषभ -सरकार विरोधी काम और एक्टिविटी से दूर रहने की सलाह आपको दी जाती है। नए काम की शुरुआत ना करें। स्वास्थ्य भी बिगड़ सकता है। मन में किसी बात की चिंता रह सकती है।

मिथुन -आज आप मौज-मस्ती में व्यस्त रहने वाले हैं। मनोरंजक प्रवृत्ति में खोए रहेंगे। दोस्तों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बनेगा। अच्छे खान-पान और अच्छे वस्त्र खरीदने में आपकी रुचि रहेगी।

कर्क -किसी तरह का आर्थिक लाभ आपको हो सकता है। व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायी है। काम की सफलता के कारण पदोन्नति और यश मिलेगा।

सिंह -साहित्य-कला के प्रति आज आप में रुचि रहेगी। पेट से सम्बंधित परेशानी से शरीर अस्वस्थ रह सकता है। दोपहर के बाद आर्थिक संकट मिट सकता है। घर का वातावरण आनंदमय रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या -किसी बात की चिंता से आज शरीर भी शिथिल रहेगा। माता का भी स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। परिजनों के साथ विवाद हो सकता है। धन हानि के भी योग हैं। पानी से संभलकर चलें। यात्रा न करें।

तुला -आज का दिन नए काम शुरू करने के लिए अनुकूल है। आध्यात्मिक और ज्योतिष जैसे विषयों में आज आपकी रुचि बनी रहेगी। दोपहर के बाद ताजगी और प्रसन्नता का अभाव रहेगा। घर में कलेश का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक -परिजनों के साथ मनदुःख की स्थिति आ सकती है। वाणी पर संयम रखना होगा। काम में अपेक्षित सफलता नहीं मिलेगी। मन में किसी बात को लेकर दुविधा रहेगी। काम का भार अधिक रहेगा।

धनु -आज आपको आर्थिक लाभ मिलने के संकेत हैं। किसी स्नेहीजन के घर मांगलिक प्रसंग में उपस्थित रहना होगा। किसी मंदिर या धार्मिक जगह पर जाना हो सकता है। दांपत्यजीवन में सुख और आनंद मिलेगा।

मकर -आज वाणी पर संयम रखें। क्रोध की मात्रा बढ़ जाने से किसी के साथ उग्र चर्चा या विवाद हो सकता है। मन में चिंता रहेगी। आध्यात्मिकता में रुचि लेने से आपका मन शांत रहेगा।

कुंभ -आज का दिन सब तरह से लाभप्रद है। सामाजिक क्षेत्र में आप अधिक सक्रिय रहेंगे। उसके फलस्वरूप मान प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। विवाह योग्य युवाओं को अनुकूल जीवनसाथी मिलने के योग हैं।

मीन -आज का दिन सब प्रकार से आप के लिए लाभदायी है। किसी परोपकार के काम में आप व्यस्त रहेंगे। व्यवसाय में उचित आयोजन से व्यापार वृद्धि कर सकेंगे। अधिकारी आप के काम की प्रशंसा करेंगे।

0,5,6,8,00,58,67,88,84,01,14,12

राधा अष्टमी पर राधारानी के झूले ने मोहा मन, भजनों से गूंजा राधाकृष्ण मंदिर

जबलपुर, देशबन्धु। बड़ा फुहारा स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर में शनिवार को राधा अष्टमी जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में मनाया गया। केसरवानी समाज रम्भा पसारन के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शाम से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था।

कार्यक्रम में श्री जानकी शरणम् महाराज के सत्संग, कीर्तन और धार्मिक प्रश्न मंच ने श्रद्धालुओं को भक्ति से जोड़े रखा। मंदिर परिसर में सजाया गया राधारानी का झूला आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहा। सत्संग के दौरान मंदिर का वातावरण मृदंग, तबला, हारमोनियम, झांझ और मंजीरों की ध्वनि से गूंजता रहा।

शाम 7.30 बजे आरती हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों और धर्मप्रेमियों ने सहभागिता की। इसके बाद भोग एवं प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर की ओर से श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था भी की गई थी। इस अवसर पर नगर केसरवानी वैश्य सभा अध्यक्ष विनय केसरवानी ने श्री जानकी शरणम् महाराज का स्वागत किया। महिला सभा महामंत्री मंजू केसरवानी ने भी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का स्वागत किया। आयोजन में ट्रस्ट के ट्रस्टी वीरेंद्र केसरवानी, एडवोकेट राजेंद्र गुप्ता, डॉ. नीरज केसरवानी, विजय गुप्ता, मनीष केशरी, प्रमोद केसरवानी, महिला सभा अध्यक्ष नीलू केसरवानी, तरुण सभा अध्यक्ष गौरव केसरवानी, हीरालाल केसरवानी सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में मंदिर सेवक यत्नेश केसरवानी ने आयोजन में सहयोग के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

दंडी स्वामी नेत्रालय शिविर में बड़ी संख्या में हुई मरीजों की जांच

जबलपुर, देशबन्धु। दंडी स्वामी कालिकानंद धर्मार्थ नेत्रालय रेल्वे फाटक ग्राम भटौली कालीधाम गौरीघाट जबलपुर में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

दंडी स्वामी कालिकानंद नंद सरस्वती स्वामी प्यारेनंद जी महाराज एवं महामण्डलेश्वर डॉ स्वामी राधेचैतनय जी महाराज के सानिध्य में शिविर का आयोजन किया गया जिसमें जबलपुर के प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर अविजित विश्नोई ने शिविर में उपस्थित महिलाओं एवं पुरुषों के नेत्रों की जांच कर दवा दी गई एवं चश्मे का नंबर दिया गया जिन मरीजों को आप्रेशन की आवश्यकता है उनका शीघ्र ही निशुल्क आप्रेशन किया जायेगा।

70 वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता पांच दिवसीय शुभारंभ आज से

जबलपुर,देशबन्धु। जिला शिक्षा अधिकारी गौतमव बर्वे ने प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि 70 वीं राज्य शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज सोमवार से शुभारम्भ होगी। प्रतियोगिता का समापन 25 सितम्बर होगा। इन प्रतियोगिताओं में कुश्ती फ्रीस्टाइल 17 वर्ष बालक- बालिका वर्ग एवं कुश्ती ग्रीकोरोमन 17 वर्ष बालक वर्ग, वूशू 17 वर्ष बालक-बालिका वर्ग का आयोजन किया जाना है। इसके सफल आयोजन का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर को सौंपा गया है जिसका उद्घाटन कार्यक्रम आज 2 बजे खेल एवं युवा कल्याण विभाग के स्टेडियम रानीताल खेल परिसर में होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में 9 संभागों से चयनित लगभग 790 बालक -बालिका, ऑफिशियल्स सहभागिता करेंगे. कुश्ती फ्रीस्टाइल 17 वर्ष बालक -बालिका वर्ग एवं ग्रीकोरोमन 17 वर्ष बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं एमएलबी स्कूल के इनडोर हॉल में एवं वूशू 17 एवं 19 वर्ष बालक-बालिका वर्ग की प्रतियोगिताएं खेल एवं युवा कल्याण विभाग के बैडमिंटन हॉल रानीताल खेल परिसर में आयोजित की जाएगी. इन प्रतियोगिताओं के लिए आवास व्यवस्था बालक एवं बालिका वर्ग के लिये पृथक-पृथक शहर के 15 शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में की गई है. खिलाड़ियों एवं ऑफिशल्स के आवागमन हेतु प्रत्येक संभाग के लिये प्रतियोगिता स्थल तक जाने एवं आवास स्थल वापस आने के लिए कुल 28 बसों की व्यवस्था विभिन्न शासकीय, अशासकीय विद्यालयों से की गई है. उद्घाटन एवं समापन समारोह में विभिन्न शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति भी की जाएगी। उक्त राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में जिला प्रशासन,पुलिस प्रशासन,यातायात पुलिस, नगर पालिक निगम,जिला स्वास्थ्य सेवाएं, खाद्य विभाग,इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया से सहयोग प्रदान करने की अपेक्षा की गई है। प्रेसवार्ता में जिला शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे,जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा, प्राचार्य आशीष पंड्या, बीएसी अजय रजक, विधि प्रभारी कृष्णकांत शर्मा, चंद्रशेखर स्वामी, सुधीर अवधिया उपस्थित रहे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

डॉ रविंद्र सिंह चंडोक- पत्नी गुरदीप कौर चंडोक, पुत्री हरसिमरन कौर एवं ईशसिरजन कौर चंडोक के पिता श्री गुरु तेग बहादुर खालसा महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षाविद, सेवादार डॉ. रविन्दर सिंह चंडोक का आकस्मिक देहावसान 19 सितंबर 2026 को हो गया है। वे स्वर्गीय सरदार अमरजीत सिंह चंडोक के पुत्र थे। अंतिम यात्रा 21 सितम्बर को निज निवास 461/1 महानदा से प्रात: 10 बजे हाथीताल श्मशान घाट जाएगी।

श्रीमती रूपा कोल- पटेल मोहल्ला आमनपुर मदनमहल निवासी श्री शंकर लाल कोल की धर्मपत्नी श्रीमती रूपा कोल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम किशन चौरसिया- बेलबाग निवासी श्री राम किशन चौरसिया (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्री मनीष मिश्रा- तिलहरी निवासी श्री मनीष मिश्रा (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती भगवती बाई नामदेव- खेरमाई वार्ड निवासी श्री नर्मदा प्रसाद नामदेव की धर्मपत्नी श्रीमती भगवती बाई नामदेव (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती कलावती- ग्राम खड़वारा कैमोर निवासी श्री हनुमानदीन की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राकेश चौधरी- बाबा टोला काली मंदिर के पास निवासी श्री सुखलाल चौधरी के पुत्र श्री राकेश चोधरी (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती पुष्पा यादव- सिंधी कैंप बाबा टोला निवासी श्री भगवान दास यादव की धर्मपत्नी श्रीमती पुष्पा यादव (48) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा देवी श्रीवास- तुलसी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री सोमदत्त श्रीवास की धर्मपत्नी श्रीमती उषा देवी श्रीवास (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

श्रीमती निर्मला सिंह- एमआईजी 57, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सुभाष नगर महारापुर निवासी श्री अजय कुमार सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला सिंह (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री आकाश चौधरी- भानतलैया चौधरी मोहल्ला निवासी श्री प्रीतम चौधरी के पुत्र श्री आकाश चौधरी (25) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में संपन्न हुआ।

10 लाख में तय हुई थी डील, 2.5 लाख कैश के साथ होटल से युवती गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। कोतवाली थाना पुलिस टीम ने ब्लैकमेलिंग आरोप में एक युवती को होटल से गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवती ने ग्वारीघाट निवासी एक युवक को ब्लैकमेल कर उससे 10 लाख रुपए की मांग की थी। पुलिस ने युवती के पास से 2.5 लाख रुपए बरामद किए हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, युवती मदन महल क्षेत्र की रहने वाली बताई जा रही है और मूल रूप से शहडोल जिले की निवासी है। बताया जा रहा है कि युवती का

ग्वारीघाट निवासी युवक सार्थक सिंह के साथ अफेयर था।

इसके बाद युवती ने कथित तौर पर युवक को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। मामले में दोनों के बीच 10 लाख रुपए में डील तय होने की बात सामने आई है। युवक ढाई लाख रुपए देने के लिए गोपाल बाग स्थित एक होटल पहुंचा था। इसी दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए युवती को होटल से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि युवक शादीशुदा है। पुलिस ने युवती के पास से लाखों रुपए बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी युवती के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

गाड़ी की टक्कर को लेकर विवाद, युवकों ने पुलिसकर्मी से की मारपीट

जबलपुर, देशबन्धु। लॉर्डगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत यादव कॉलोनी पुलिस चौकी के कछपुरा इलाके में बीती शाम गाड़ी की टक्कर को लेकर विवाद इतना बढ़ा कि कुछ युवकों ने एक पुलिसकर्मी के साथ जमकर मारपीट कर दी। अचानक हुए इस हंगामे से इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही यादव कॉलोनी चौकी का स्टाफ मौके पर पहुंचा और पुलिसकर्मी तथा मारपीट करने वाले युवकों को थाने ले गया।

जानकारी के मुताबिक, कछपुरा इलाके में पुलिसकर्मी की गाड़ी की कुछ युवकों की गाड़ी से सीधी टक्कर हो गई थी।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि युवकों ने पुलिसकर्मी पर हमला कर मारपीट शुरू कर दी। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया। बताया जा रहा है कि पीड़ित पुलिसकर्मी लॉर्डगंज या मदन महल थाने में पदस्थ नहीं है, बल्कि शहर के ही किसी अन्य थाने में तैनात है। घटना के बाद चौकी पुलिस दोनों पक्षों को लेकर थाने पहुंची। हालांकि, काफी देर तक चली बातचीत के बावजूद किसी भी पक्ष ने मामले में लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई।

स्पा सेंटरों में पकड़े गए 16 युवक-युवती

पुलिस की कार्रवाई, आपत्तिजनक सामग्री बरामद

कटनी, देशबन्धु। शहर में संचालित स्पा सेंटरों में अनैतिक गतिविधियों की शिकायतों के मद्देनजर कटनी पुलिस ने रविवार शाम दो स्पा सेंटरों पर छापामार कार्रवाई की। पुलिस की टीम ने नेचरल हाई स्पा सेंटर और आवां स्पा सेंटर में दबिश देकर कुल 16 युवक-युवतियों को पूछताछ के लिए थाने लाया।

कार्रवाई के दौरान दोनों सेंटरों से आपत्तिजनक सामग्री, कुछ टैबलेट और शराब की बोतलें भी मिलने की जानकारी पुलिस ने दी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर शहर के स्पा सेंटरों में चल रही कथित अनैतिक गतिविधियों की जांच के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। टीम में अजाक थाना डीएसपी शिवा पाठक, महिला थाना प्रभारी वर्षा सोनकर सहित पुलिस बल को शामिल किया गया था। पुलिस के अनुसार टीम ने रविवार शाम सबसे पहले नेचरल हाई स्पा सेंटर में कार्रवाई की, जहां पांच युवक और पांच युवतियां मिलीं। इसके बाद आवां स्पा सेंटर में दबिश दी गई, जहां पांच युवतियों के साथ एक पुरुष मिला। पुलिस ने दोनों स्थानों से मिली सामग्री को जांच के दायरे में लिया है। पुलिस के मुताबिक स्पा सेंटर में काम करने वाली युवतियों में मध्यप्रदेश के अलावा अन्य राज्यों की युवतियां भी शामिल हैं। सभी को थाने लाकर पूछताछ की जा रही है। पूछताछ में स्पा सेंटर संचालकों और मालिकों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और नियमों के आधार पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रताड़ना से त्रस्त होकर फांसी पर झूला सेवानिवृत्त निगम कर्मी

मर्ग कायम कर जांच में जुटी विजयनगर पुलिस

जबलपुर, देशबन्धु। विजयनगर थानांतर्गत शिवनगर निवासी सेवानिवृत्त नगर निगम कर्मी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरु कर दी है। बताया जा रहा है कि मृतक के कमरे से एक सोसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शिव नगर निवासी कुंज बिहारी रावत नगर निगम से सेवानिवृत्त हो चुके थे। जिन्होंने 17 सितंबर को अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान उनके पास से एक सोसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने एक सराफा व्यापारी पर लेनेदेन के चक्कर में प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। जिस व्यापारी पर आरोप लगाए गए हैं, पुलिस ने उससे पूछताछ शुरु कर दी है।

वाट्सएप पर आई लिंक खोलते ही एकाउंट से उड़ गए रुपए

अन्य तीन लोग भी हुए साइबर ठगी का शिकार

जबलपुर,देशबन्धु। रामेश्वरम कालोनी विजय नगर निवासी अतुल कुमार ने वाट्एप पर आई लिंक खोली थी. कुछ देर बाद उनके खाते से 55 हजार रुपए कट गए. इसके अलावा दो और लोग ठगी का शिकार हुए है. पुलिस ने तीन मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए अतुल कुमार उम्र 27 वर्ष निवासी रामेश्वरम कॉलोनी विजयनगर ने बताया कि वह स्वास्तिक अस्पताल में होम केयर मार्केटिंग का काम करता है. पिछले दिनोंउसके मोबाइल के व्हाटसएप में स्वास्तिक अस्पताल में नौकरी करने वाले दीपक सेन के मोबाइल नम्बर से व्हाटसएप् मैसेज व लिंक आयी, उसने लिंक क्लिक कर खोलकर देखना चाहा तो उसके मोबाइल पर नोटिफिकेशन आया जिसमें उसके बैंक अकाउण्ट से 55 हजार रूपये निकलने का मैसेज आया, अकाउण्ट चैक करने पर उसके खाता से 55 हजार रूपये कट गये थे, उसके अतिरिक्त स्वास्तिक के डायरेक्टर कृष्ण कुमार साहू के मोबाइल पर भी दीपक सेन के मोबाइल से व्हाटसएप के माध्यम से मैसेज लिंक आई जो डायरेक्टर कृष्ण कुमार साहू द्वारा लिंक ओपन करने पर उनके बैंक अकाउण्ट से 55 हजार रूपये निकलने का मैसेज आया, दीपक सेन से लिंक के बारे में पूछने पर अपना व्हाटसएप हैक हो जाना बताया इस तरह अज्ञात व्यक्ति द्वारा दीपक सेन का मोबाइल हैक करके उसके एवं कृष्ण कुमार साहू के व्हाटसएप पर लिंक भेजकर दोनों के बैंक अकाउण्ट से कुल 1 लाख 10 हजार रूपये की धोखाधड़ी की गई है. रिपोर्ट पर धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया.

माइनिंग कारोबारी के साथ ठगी-दुर्गेश रजक उम्र 30 वर्ष निवासी लालमाटी द्वाराकनगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह माईनिंग का काम करता है. 9 सितम्बर को दोपहर 12-51 बजे उकसे मोबाइल नम्बर पर अज्ञात नम्बर से कॉल आया जिसने अपने आपको बालाजी ट्रांसपोर्टर बताते हुये अपनी गाडि?ां माईन्स में लगाने के लिये कहा तथा उसे विश्वास दिलाया कि उक्त व्यक्ति ट्रांसपोर्टर है, उसने उक्त मोबाइल धारक पर विश्वास करते हुये गाडियां भेजने

पर 70 प्रतिशन वाहन लोडिंग में पेमेंट एडवांस देने के लिये कहा तो उक्त व्यक्ति द्वारा उसे व्हाटसएप पर अकाउण्ट नम्बर सेंट्रल बैंक का आईएफसी कोड तथा मोबाइल नम्बर जिसमें खाता धारक सूर्यप्रताप सिंह व पेटीएम स्केनर भेजकर पैसे डालने के लिये कहा, उसने पेटीएम के क्यूआर कोड से स्कैन करके फोन पे के माध्यम से 44 हजार रूपये पेमेंट कर दिये जिसके बाद उक्त मोबाइल धारक का कॉल बंद आ रहा है. रिपोर्ट पर धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

मोबाइल बंद होकर चालू हो गया, कट गए रुपए-इसी तरह अनुराधा गुप्ता उम्र 37 वर्ष निवासी सिल्वर औक कम्पाउण्ड रसल चैक ओमती ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह वीवो कम्पनी का मोबाइल चलाती है दिनांक 14-9-26 को उसका मोबाइल सही से काम कर रहा था मोबाइल फाईल मैनेजर एक्सेस नहीं कर पा रही थी. 16 सितम्बर को दोपहर लगभग 1 बजे से 2 बजे के बीच उसके मोबाइल का स्क्रीन ओपन नहीं हो रहा था 2 बजे के बाद उसके मोबाइल का स्क्रीन ओपन हुआ तो मोबाइल पर फोन पे का एप लागिन होकर खुला था उसके फोन पे पर उसका मोबाइल नम्बर व उसका बैंक आफ इंडिया खाता में लिंक है उसने फोन पे एप ट्रांजेक्शन चैक किया दिनांक 16-9-26 को 1-37 बजे से 1-40 बजे के बीच 2 बार में 60 हजार 998 रूपये निकल गये हैं. किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके मोबाइल का एक्सेस प्राप्त कर उसके बैंक खाते से फोन पे के माध्यम से धोखाधड़ी कर अवैध रूप से 60 हजार 998 रूपये निकाल लिये हैं. रिपोर्ट पर धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

53 किलोग्राम अवैध गांजा,कार सहित जब्त

नरसिंहपुर देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं परिवहन के विरुद्ध चलाया जा रहा है। अभियान के तहत नरसिंहपुर पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए 53 किलोग्राम अवैध गांजा एवं तस्करी में प्रयुक्त कार सहित कुल लगभग 18 लाख का मशरूका जब्त कर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। मिली सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया के मार्गदर्शन, एसडीओपी तेंदूखेड़ा अभिनव मिश्रा एवं उप पुलिस अधीक्षक उमेश तिवारी के नेतृत्व में 5 विशेष टीमों का गठन किया गया। गांजा तस्करों की धरपकड़ हेतु विशेष टीमों द्वारा जिले से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 44 एवं 45 सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर सघन नाकेबंदी एवं चेकिंग की गई।

इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि गांजा तस्कर कार के माध्यम से भोपाल की ओर से तेंदूखेड़ा की ओर गांजा लेकर आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीमों को सक्रिय कर नरसिंहपुर जिले की सीमा पर प्रभावी घेराबंदी एवं सघन चेकिंग प्रारंभ की गई। भोपाल की ओर से एक काले रंग की कार आती दिखाई दी, जिसे पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखते ही कार चालक ने वाहन को तेजी से तेंदूखेड़ा की ओर भगाने का प्रयास किया। पुलिस टीम द्वारा वाहन का पीछा करते हुए हिकमत अमली एवं प्रभावी घेराबंदी की गई। पुलिस की तत्परता एवं रणनीतिक घेराबंदी के परिणामस्वरूप ग्राम ढिलवार के पास स्थित एक ढाबे के सामने उक्त वाहन को रोकने में सफलता प्राप्त हुई।

10 लाख के जेवरों के साथ अंतर्राज्यीय चोर पप्पू मल्लाह और खरीदार सुनार गिरफ्तार

भोपाल में दबिश देकर पकड़ा गया 3 हजार का इनामी

जबलपुर,देशबन्धु। जबलपुर। शहर में चोरी और नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत तिलवारा थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के कुख्यात सरगना प्रेमनाथ उर्फ पप्पू मल्लाह और चुराए गए जेवर खरीदने वाले सुनार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 10 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि 22 मार्च 2026 को आनंदकुंज गढ़ा निवासी सौरभ कुमार मिश्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनके छोटे भाई राहुल मिश्रा (निवासी अरनव विहार, तिलवारा) परिवार सहित काम के सिलसिले में सिंगरौली गए हुए थे। 20 मार्च की तड़के मोबाइल अलर्ट पर सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर घर में चोर घुसे दिखे थे। जब सौरभ मौके पर पहुंचे

तो मुख्य दरवाजे का लॉक टूटा हुआ था और अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर गायब थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने पूर्व में तीन आरोपियों—सूरज उर्फ दाऊ, विजय उर्फ नाटी और लखनलाल उर्फ साहिल पटेल को पकड़ा था। पूछताछ में उन्होंने स्वीकार किया कि गिरोह का मुख्य सरगना प्रेमनाथ उर्फ पप्पू मल्लाह है, जो चोरी से पहले रेकी करता है और माल ठिकाने लगाता है।

आरोपी की गिरफ्तारी पर एसपी जबलपुर द्वारा 3 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। तिलवारा पुलिस की विशेष टीम ने भोपाल के गांधीनगर में दबिश देकर इनामी बदमाश पप्पू मल्लाह को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़ा गया आरोपी पप्पू मल्लाह (50 वर्ष, निवासी ग्राम दलपतपुर, भेड़ाघाट) एक शातिर और कुख्यात नकबजन है। उसके खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों, जिलों और थानों में चोरी, नकबजनी और लूट के लगभग 60 (5 दर्जन) मामले दर्ज हैं। वह नए लड़कों को गिरोह में शामिल कर रेकी करने, ताला तोड़ने और पुलिस से बचने के तरीके सिखाता था।

ट्रेन में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

जबलपुर,देशबन्धु। ट्रेन में चोरी के प्रकरण में फरार आरोपी हर्ष खंगार पिता बलराम खंगार, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम रजवई, थाना मझौली, जिला जबलपुर को थाना जीआरपी जबलपुर द्वारा गिरफ्तार कर चोरी का सामान भी बरामद किया गया।

जीआरपी के मुताबिक आरोपी को 19 सितम्बर को दस्तयाब कर पूछताछ की गई. पूछताछ में आरोपी ने करीब 6 माह पूर्व कटनी से देवरी जाते समय कटनी-भुसावल पैसेंजर ट्रेन के स्लीपर कोच से एक पीठू बैग चोरी करना स्वीकार किया. आरोपी के अनुसार बैग में टैबलेट, पावर बैंक, दो पेन ड्राइव, 8,000 रुपये नगद, एटीएम कार्ड एवं कपड़े थे. आरोपी ने टैबलेट को 4,000 में बेच देना तथा अन्य सामान को अपने पास रखना बताया। आरोपी के कब्जे से एक काले रंग का शाओमी कंपनी का पावर बैंक एवं दो सिल्वर रंग की पेन ड्राइव, कुल कीमत 3,000 रुपये बरामद कर विधिवत जप्त की गई. आरोपी के विरुद्ध पूर्व अपराध अभिलेख पाए जाने एवं प्रकरण में वैधानिक कार्यवाही के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

दो आईएएस अधिकारियों के गिरफ्तारी वारंट वापस

शीला सेन के वेतन भुगतान से जुड़ा मामला, 30 दिन में बकाया देने के निर्देश

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने आईएएस अधिकारी विवेक पोरवाल और संदीप जीआर के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट वापस ले लिए हैं। न्यायालय ने माना कि पूर्व आदेश का पर्याप्त पालन किया जा चुका है।

मामला शीला सेन के वेतन निर्धारण और नियमितीकरण से संबंधित अवमानना प्रकरण से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि 15 सितंबर को नया आदेश जारी कर उनका वेतन 1 सितंबर 2016 से निर्धारित किया गया है। अब बकाया राशि का भुगतान किया जाना है।

अधिकारियों की ओर से 15 दिन में भुगतान का भरोसा दिया गया था, लेकिन न्यायालय ने बकाया राशि 30 दिन में देने का निर्देश दिया। भुगतान नहीं होने की स्थिति में शीला सेन को अवमानना याचिका पुनः शुरू करने का विकल्प दिया गया है। इसके साथ दोनों अधिकारियों के गिरफ्तारी वारंट वापस ले लिए गए।

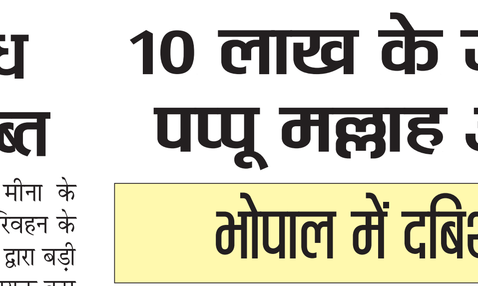

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती पर हाईकोर्ट की निगरानी

नई नियुक्तियां अंतिम फैसले के अधीन रहेंगी

जबलपुर,देशबन्धु। मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में इतिहास विषय के असिस्टेंट प्रोफेसर पदों पर भर्ती का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकलपीठ ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

न्यायालय ने स्पष्ट किया कि याचिका लंबित रहने के दौरान यदि नई नियुक्तियां होती हैं तो वे अंतिम न्यायिक निर्णय के अधीन रहेंगी। याचिका में वर्ष 2025 में एमपीपीएससी द्वारा जारी भर्ती विज्ञापन और चयन प्रक्रिया को चुनौती दी गई है।

याचिकाकर्ताओं ने चयनित अभ्यर्थियों की मार्किंग, आवेदन में दी गई जानकारी और अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत प्रावधान के पालन को लेकर आपत्तियां उठाई हैं। मामले में प्रतिवादियों के जवाब के बाद आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

वक्फ बोर्ड गठन की तारीख पर हाईकोर्ट में उठे सवाल

शासन से चार सप्ताह में जवाब, 16 अक्टूबर को अगली सुनवाई

जबलपुर। मध्यप्रदेश के नए वक्फ बोर्ड के गठन की प्रक्रिया और राजपत्र प्रकाशन की तारीख को लेकर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में दायर याचिका पर शासन को जवाब देना होगा। मुख्य न्यायाधीश की युगलपीठ ने मुख्य सचिव, संबंधित विभाग के अधिकारियों और मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

याचिका में दावा किया गया है कि बोर्ड के गठन का आदेश 4 जुलाई 2026 का है, जबकि राजपत्र प्रकाशन के लिए संबंधित विभाग का पत्र 5 जुलाई को जारी किया गया था। इसी तारीखों के क्रम को लेकर याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है। मामले में आरटीआई से मिले दस्तावेजों में तारीख में कथित बदलाव का आरोप भी लगाया गया है। याचिकाकर्ता बशारत हुसैन ने दस्तावेजों को याचिका के साथ प्रस्तुत किया है। मामले की अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

इनोवा की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत, चचेरा भाई घायल

शहडोल,देशबन्धु। शहर में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद चचेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कांग्रेस भवन के सामने हुआ। पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार इनोवा वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान इनोवा के रूप में की है और चालक की तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, मूल रूप से रीवा निवासी सरोज जायसवाल रिश्तेदारी में शहडोल आई हुई थीं। शुक्रवार को उन्हें ट्रेन से रीवा जाना था। इसी सिलसिले में वह अपने चचेरे भाई के साथ स्कूटी से रेलवे स्टेशन जा रही थीं। इसी दौरान कांग्रेस भवन के सामने तेज रफ्तार वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

बहन को भगाने वाले युवक के भाई की हत्या

जबलपुर,देशबन्धु। सिहोरा में शनिवार की देर रात करीब 9:30 बजे 3 लोगों ने एक युवक की हत्या कर दी. आरोपियों ने बहन को भगाकर ले जाने वाले युवक के छोटे भाई को श्मशान घाट के पास बुलाकर चाकू से 3-4 वार किए. युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया. वारदात नुंजा कॉलोनी के श्मशान घाट की है।

मझगवां पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान नुंजा कॉलोनी निवासी गणेश वंशकार (21) के रूप में की गई है. मृतक के बड़े भाई गोलू वंशकार ने साहिल चौधरी और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि- मेरे भाई को बुलाकर मार डाला।

मृतक के बड़े भाई गोलू वंशकार के मुताबिक, साहिल चौधरी ने गणेश को बातचीत के लिए श्मशान घाट के पास बुलाया था. गणेश वहां पहुंचा तो साहिल के 2-3 साथी पहले से मौजूद थे. बातचीत के दौरान साहिल ने गणेश को गालियां दीं. गोलू के मुताबिक, गणेश ने गाली देने का विरोध किया. इसके बाद विवाद बढ़ गया. साहिल के साथियों ने गणेश को पकड़ लिया. इसी दौरान साहिल ने चाकू निकालकर गणेश की पीठ और जांघ पर 3-4 वार कर दिए. चाकू से हमले में गणेश के शरीर पर करीब 1 से 2 इंच तक गहरे घाव हो गए।

पीठ और जांघ में चाकू लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया. ज्यादा खून बहने से घटनास्थल पर खून फैल गया. हमले के बाद साहिल और उसके साथी मौके से भाग गए. गणेश गंभीर हालत में वहीं पड़ा रहा. चाकू के वार से हुए गहरे घाव और अधिक खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई. घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई।

सिहोरा में मिशन अंकुर के तहत एफएलएन शिक्षक प्रशिक्षण आज से

ब्लाक स्तरीय प्रशिक्षण में 130 शिक्षक होंगे शामिल

सिहोरा,देशबन्धु। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के निर्देशानुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत जनपद शिक्षा केंद्र सिहोरा द्वारा प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के लिए ब्लॉक स्तरीय एफएलएन समग्र शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

मिशन अंकुर कार्यक्रम के तहत आयोजित यह चार दिवसीय प्रशिक्षण 21 सितंबर 2026 से 24 सितंबर 2026 तक शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, यशोदा बाई खितौला बाजार में संपन्न होगा।

जानकारी देते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी

(बीईओ) अशोक कुमार उपाध्याय एवं विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसीसी) ब्रजेश श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम चरण के इस प्रशिक्षण में कक्षा 1 और 2 में अध्यापन कराने वाले लगभग 130 शिक्षक-शिक्षिकाएं भाग लेंगे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि प्रशिक्षण का समय सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक रहेगा तथा सभी चयनित शिक्षकों के लिए निर्धारित समय पर उपस्थित होना और पूरे समय उपस्थित रहना अनिवार्य किया गया है।

बी ए सी अश्विनी उपाध्याय, राकेश मिश्रा एवं जनशिक्षक श्यामराव मांडलेकर ने कहा है प्रशिक्षणार्थी शिक्षक प्रशिक्षण स्थल में लॉगिन होने के बाद, प्रशिक्षण रजिस्ट्रेशन कराएंगे, साथ ही शिक्षक शासन द्वारा प्रदत्त कक्षा 1 और 2 की एफ एल एन की पुस्तक अपने साथ लाएंगे।

खुलेआम शराबखोरी, चखना सेंटरों से बिगड़ा नगर का माहौल

सड़क और नाले की पट्टी पर जाम छलकाते शराबी,बोतलें-डिस्पोजल और चखना पैकेटों से पसरी गंदगी

पाटन, देशबन्धु। नगर के बस स्टैंड के सामने संचालित अंग्रेजी शराब दुकान इन दिनों राहगीरों और स्थानीय नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। शराब दुकान से चंद मीटर की दूरी पर पुलिस थाना होने के बावजूद शाम ढलते ही आसपास शराबियों के जमावड़े की स्थिति निर्मित होने की बात सामने आ रही है।

नागरिकों का आरोप है कि शराब दुकान के समीप मैदान और एमपीआरडीसी के नाले की पट्टी पर खुलेआम शराबखोरी होती है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक शाम होते ही नाले की पट्टी और खाली मैदान में शराब पीने वालों के समूह नजर आने लगते हैं। शराब की बोतलें,पानी की बोतलें,चखना के पैकेट और डिस्पोजल सड़क किनारे एवं मैदान में फेंके जाने से गंदगी का अंबार लग रहा है। इससे राहगीरों के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नागरिकों का आरोप है कि शराब दुकानों के आसपास संचालित कथित अवैध अहातों और चखना सेंटरों पर जिम्मेदार विभागों द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि शराब दुकान के आसपास खुले में शराबखोरी हो रही है तो इसकी रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को नियमित निगरानी और कार्रवाई करनी चाहिए।

परिवार के साथ निकलना मुश्किल

स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड क्षेत्र से प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं,बच्चे और परिवार गुजरते हैं। ऐसे में सड़क किनारे खुलेआम शराबखोरी और शराबियों के जमावड़े से लोगों में असहजता का माहौल बन रहा है। शराब सेवन के बाद हुड़दंग की स्थिति बनने पर राहगीरों को रास्ता बदलकर निकलने तक की नौबत आने का आरोप है।

जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठ रहे सवाल-

बस स्टैंड के सामने और पुलिस थाना क्षेत्र के समीप इस तरह की स्थिति सामने आने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नागरिकों ने प्रशासन और पुलिस से शराब दुकान के आसपास खुले में शराबखोरी,कथित अवैध अहातों एवं चखना सेंटरों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने तथा सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों पर सख्ती बरतने की मांग की है।

सार-समाचार

पर्यूषण पर्व के पांचवें दिन भक्ति में डूबा पाटन और कुंडलगिरि कोनी जी

पाटन,देशबन्धु। पर्यूषण महापर्व के पांचवें दिन सिद्ध क्षेत्र अतिशय कुंडलगिरि कोनी जी एवं पाटन स्थित पारसनाथ जैन बड़ा मंदिर में धार्मिक आयोजनों की धूम रही। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की चहल-पहल रही और भक्ति गीतों से वातावरण आध्यात्मिक हो उठा। सुबह एवं शाम भजन-कीर्तन मंडली सर्वेश जैन (काटी वालों) के नेतृत्व में मधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजनों के बीच भगवान का विधिवत जलाभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इसके पश्चात उत्तम सत्य धर्म की पूजा-अर्चना विधि-विधान के साथ संपन्न हुई। भक्ति गीतों की स्वर लहरियों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय नजर आया। शाम के समय पाटन पारसनाथ जैन बड़ा मंदिर में भक्ति से ओतप्रोत महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जैन समाज के अध्यक्ष बालचंद जैन एवं महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती अभिलाषा जैन के नेतृत्व में बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इस अवसर पर श्रीमती सुनीता जैन द्वारा शास्त्र वाचन किया गया। उन्होंने पर्यूषण पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व आत्मशुद्धि,संयम और आत्मचिंतन का संदेश देता है। उत्तम सत्य धर्म का पालन मनुष्य को सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में अबीर बबेले ने हासिल किया द्वितीय स्थान

पाटन,देशबन्धु। सरस्वती शिक्षा परिषद के तत्वावधान में जबलपुर के सुहागी स्थित विद्यालय में जिला स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में पाटन के ओंकार नामदेव सरस्वती विद्या मंदिर के कक्षा आठवीं के छात्र अबीर बबेले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया। अबीर की इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पाटन नगर का नाम गौरवान्वित हुआ है। प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने के बाद अबीर आगामी संभाग स्तरीय निबंध प्रतियोगिता में विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। अबीर बबेले की सफलता पर विद्यालय परिवार,शिक्षकों एवं परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए सफलता की कामना की। अबीर पत्रकार कुलदीप बबेले एवं शिक्षिका सुनीता बबेले के पुत्र हैं।

नशा मुक्त समाज के लिए विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने निकाली नशा मुक्ति रैली

पनागर, देशबन्धु। सेवा संकल्प अभियान एवं 11 वे राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस 2026 स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद थीम पर एकीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोद द्वारा ग्राम सिंगोद में जिला आयुष अधिकारी डॉ सुरतना सिंह चौहान के निर्देश अनुसार, डॉ सर्वेश पटेल आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के मार्गदर्शन में स्वस्थ भारत, विकसित भारत कि परिकल्पना के लिए नशा मुक्त समाज के लक्ष्य को साकार करने के लिए माध्यमिक शाला सिंगोद के, शिक्षक,छात्र, छात्राओं, ग्रामवासी के साथ ग्राम में नशा मुक्ति रैली का आयोजन करके ग्राम वासियों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया।

जैन समाज के प्रतिष्ठित चौधरी परिवार में शोक, अभय कुमार 'अब्बू कक्का' का निधन

पाटन, देशबन्धु। जैन समाज पाटन के प्रतिष्ठित चौधरी परिवार के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व पार्षद प्रशांत जैन के पिता श्री अभय कुमार जी 'अब्बू कक्का' का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से जैन समाज सहित नगर में शोक की लहर व्याप्त है। परिजनों ने बताया कि स्वर्गीय अभय कुमार जी की अन्त्येष्टि सोमवार, 21 सितंबर 2026 को प्रात: 10 बजे पाटन मुक्तिधाम में संपन्न होगी।

आंखें खुले तो गुण ग्रहण करना, आंख बंद हो तो स्वयं के दोष देखना यही सत्य हैं :निर्दोष सागर

पनागर,देशबन्धु। संसारी प्राणी को वास्तव में उत्तम सत्य धर्म को समझना चाहिए यही मानव के उद्धार की सीढ़ी है, जीवन जीना मोन से मतलब रोटी नोन से, दोस न देखो नेंन से और भजन करो चैन से, अगर संसार में भटक रहा प्राणी यह रास्ते अपना ले तो निश्चित व मोक्ष मार्ग की ओर आगे बढ़ सकता है पूज्य गुरुवर ने आगे यह भी कहा कि सभी जगह हमेशा सत्य ही गौरव प्राप्त करता है सत्य वचन के रहते हुए ही शेष व्रत रहते हैं सत्यवादियों को संप्रदाय स्वयं ही प्राप्त हो जाती हैं तो इसमें आश्चर्य की बात क्या है जैसे हंस कमल युक्त तालाब में स्वयं आ जाते हैं भाव जीवो ज्ञान विद्या विवेक सुस्पष्ट बचन आदित्य कवित्व आदि से युक्त जीव सत्य से ही प्राप्त होते हैं।

आज अपने प्रवचन माला में

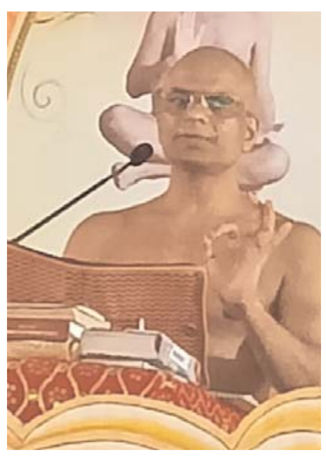

पूज्य मुनिवर 108 निर्लोप सागर महाराज जी ने भी कहां की कोयल मीठा बोलतो है और मीठी बोलकर सबका मन मुझे देती है सबका मन मोह लेती है ओर वही तोता बोलने के कारण वह पकड़ा जाता है और उसे बंधन में रहना पड़ता है पूज्य म्युनिसिपल श्री ने यह भी कहा कि बहु सुंनवो कम बोलबो यो है चतुर सुजान, इसलिए विधि ने रचियो एक जीभ दो कान, जिसका मन वश में हो उसके वचन वश में होंगे, मौन रहने से संसार का आधा संबंध छूट जाता है एक बार बोला गया असत्य अनेक बार के सत्य को भी झूठ कर देता है प्रतिदिन सुबह भगवान का अभिषेक शांति धारा पूजन के साथ ही आचार्य गुरुवर श्री विद्यासागर महाराज, पूज्य गुरुवर निर्दोष सागर महाराज जी की पूजा अर्चना भक्ति भाव से की जा रही है बाहर से आए श्रावक जन महाराज श्री का पाद प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट भी कर रहे हैं कार्यक्रम का संचालन राहुल बड़कुल ने किया समस्त पूजन की क्रियाएं श्री जैन प्रबंध करनी सभा के उपाध्यक्ष संतोष चौधरी पवन लसगरी विजय जैन गुरु के द्वारा सम्पन्न हो रही है।

गांधीग्राम सरकार गणेश उत्सव समिति द्वारा नगर सेठ स्वरूप में विराजे बप्पा; दर्शन के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गांधीग्राम,देशबन्धु। सरकार गणेश उत्सव समिति, गांधीग्राम द्वारा इस वर्ष भी गणेश जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम, आस्था और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। समिति की स्थापना वर्ष 2015 में हुई थी और तभी से निरंतर यह समिति अपने भव्य आयोजन एवं मनोहारी प्रतिमा के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखती है।

पंडाल में विराजित भगवान श्री गणेश की प्रतिमा अत्यंत भव्य, नयनाभिराम और तेजपुंज दिखाई दे रही है। सिंहासन के शीर्ष पर नगर सेठ अंकित है, जो बप्पा के इस राजसी और प्रभावशाली स्वरूप को पूर्ण रूप से चरितार्थ करता है। लाल रंग की जरीदार पोशाक (धोती व दुपट्टा) धारण किए बप्पा के गले में मोतियों और रत्नों के आकर्षक हार, शीश पर दिव्य मुकुट तथा हाथ में गदा सुशोभित है। गेंदे और मोगरे के सुगंधित फूलों की मालाओं से सजी यह चतुर्भुज प्रतिमा भक्तों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित कर रही है। मुख्य प्रतिमा के सम्मुख एक लघु मनोहारी गणेश प्रतिमा भी विधिवत स्थापित की गई है। आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में समिति के

सदस्य मणिकांत असाटी, अजय राज सिंह, दुर्गेश असाटी, हरिओम असाटी, श्रीओम असाटी, शैंकी असाटी, साहिल असाटी, रोहित चौरसिया और शरद असाटी सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम होने वाली आरती में गांधीग्राम और आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से पूरा पंडाल भक्तिमय बना हुआ है। समिति ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

युवक की हत्या के बाद सिहोरा-मझगवां रोड पर जाम, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

सिहोरा,देशबन्धु। मझगवां थाना क्षेत्र के ग्राम नुंजा में 18 वर्षीय युवक की हत्या के बाद रविवार को परिजनों और ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सिहोरा-मझगवां मुख्य मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम के चलते सड़क के दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई और आवागमन प्रभावित रहा।

परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या में तीन से अधिक लोग शामिल थे, लेकिन पुलिस द्वारा मामले में केवल एक आरोपी को आरोपी बनाया गया है। परिजनों ने अन्य संदिग्ध आरोपियों को भी मामले में शामिल कर उनकी गिरफ्तारी की मांग की। परिजनों का कहना है कि जब तक हत्या में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक वे आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से चर्चा कर जाम खुलवाने का प्रयास किया। परिजनों ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच कर हत्या में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

भगवती मानव कल्याण संगठन की सक्रियता से अवैध शराब परिवहन का खुलासा

पाटन,देशबन्धु। अवैध शराब एवं नशे के खिलाफ अभियान चला रहे भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं की सक्रियता से पनागर थाना क्षेत्र में कथित अवैध शराब परिवहन का मामला सामने आया है। संगठन के कार्यकर्ताओं ने रविवार सुबह करीब 9:20 बजे पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 20 सीजी 1825 को पकड़ा।

संगठन के अनुसार,वाहन की जांच के दौरान 5 पेटी शराब बरामद हुई,जिसमें 3 पेटी लाल मसाला एवं 2 पेटी सफेद शराब शामिल बताई गई है। मौके से शिवशंकर जायसवाल एवं अमित कुमार कोरी को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस द्वारा मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

गांवों तक शराब पहुंचाने का आरोप

भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पनागर क्षेत्र स्थित शराब दुकान से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में शराब पहुंचाए जाने की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। संगठन का कहना है कि गांवों में शराब की अवैध सप्लाई से ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है तथा युवाओं पर भी इसका असर पड़ रहा है।

आबकारी विभाग से जांच की मांग

ंगठन ने प्रशासन एवं आबकारी विभाग से पनागर क्षेत्र में शराब के कथित अवैध परिवहन और गांवों तक की जा रही सप्लाई की जांच कराने तथा दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। संगठन ने क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए नियमित निगरानी और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता जताई है।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि अवैध शराब एवं नशे के खिलाफ उनका अभियान आगे भी जारी रहेगा और इस संबंध में प्रशासन को आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती रहेगी।

सामुदायिक भवन पाटन में हुआ इंदौर में राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

पाटन,देशबन्धु। इंदौर में 19 सितंबर को कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम का पाटन के सामुदायिक भवन में लाइव प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम में शिक्षा,रोजगार,प्रतियोगी परीक्षाओं,भर्ती प्रक्रिया,पेपर लीक,छात्रवृत्ति और युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर संवाद हुआ। पाटन में आयोजित लाइव प्रसारण कार्यक्रम का नेतृत्व पाटन-मझौली विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता ठा.विक्रम सिंह के नेतृत्व में किया गया। उनके नेतृत्व में पाटन सहित कटंगी और मझौली ब्लॉक में भी कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कराया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय छात्र-छात्राएं एवं युवा शामिल हुए। सामुदायिक भवन पाटन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठा.विक्रम सिंह ने कहा कि 'छात्रों की गूंज' को केवल राजनीतिक कार्यक्रम के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए,बल्कि यह युवाओं की शिक्षा,रोजगार और भविष्य से जुड़े सवालों को सामने रखने का मंच है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और युवाओं की समस्याओं पर गंभीरता से संवाद होना आवश्यक है।

पाटन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि लोकतंत्र में छात्रों और युवाओं की आवाज को सुना जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता रामविनय करसौलिया ने कहा कि सरकार को छात्रों की समस्याओं और उनके सवालों पर ध्यान देना चाहिए। वहीं शिवराम पटेल ने कहा कि युवाओं के भविष्य और रोजगार से जुड़े सवाल आज महत्वपूर्ण विषय हैं।

पाटन के छात्र अभय प्रजापति ने कहा कि 'छात्रों की गूंज' युवाओं के सपनों,समस्याओं तथा शिक्षा और रोजगार से जुड़े सवालों को सामने लाने का माध्यम है। पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष संजय गुरु ने भी कार्यक्रम को युवाओं के भविष्य और शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संवाद का मंच बताया। कार्यक्रम के समापन पर छात्र नेता अभय प्रजापति ने सामुदायिक भवन में आयोजित लाइव प्रसारण में शामिल हुए सभी छात्र-छात्राओं एवं साथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर बलदेव सिंह,मेघराज सिंह,रवि जैन,नीरज सिंह,रवि सिंह, यशराज सिंह,रौनक राजौरिया,कढ़ोरी सिंह,जमील खान,पार्षद शेख अमजद,शिब्बू सिंह,पप्पू सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान गोसलपुर में 2000 स्कूली बच्चों की हुई नि:शुल्क नेत्र जांच, जरूरतमंदों को मिलेंगे चश्मे

गोसलपुर,देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गोसलपुर क्षेत्र में तीन दिवसीय विशाल नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के आठ प्रमुख विद्यालयों के लगभग 2000 छात्र-छात्राओं की आंखों की जांच की गई।

कार्यक्रम के संयोजक एवं जनपद सदस्य धर्मेंद्र सिंह राजपूत ने जानकारी देते हुए बताया कि तीन दिनों तक चले इस अभियान के तहत हायर सेकेंडरी स्कूल गोसलपुर, नालंदा विद्यालय, महर्षि विद्यालय, सरस्वती शिशु मंदिर, सरस्वती ज्ञान मंदिर, शासकीय कन्या शाला, शासकीय बालक शाला और सीएलसी विद्यालय में शिविर लगाए गए। परीक्षण के दौरान जिन विद्यार्थियों में पढ़ते समय आंखों से पानी आना, निकट दृष्टि दोष या दूर दृष्टि दोष जैसी समस्याएं पाई गईं, उन्हें चिह्नित किया गया है। इन सभी चिह्नित बच्चों को %सद्गुरु नेत्रालय, चित्रकूट के सहयोग से नि:शुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। शिविर को सफल बनाने में राजा दुबे, धीरेंद्र भदौरिया, विजय दुबे, अशोक श्रीवास्तव, गणेश राय, भुवनेश्वर तिवारी, रमेश व्यास, गुलाब श्रीवास और रवि सोनी सहित स्थानीय गणमान्य नागरिकों का सराहनीय सहयोग रहा।

तमिलनाडु के सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों को मिलेगी सोने की अंगूठी

चेन्नई, (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय 28 सितम्बर को थाईमामन गोल्ड रिंग योजना का शुभारंभ करेंगे, जिसके तहत सरकारी अस्पताल में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने सचिवालय में कल्याणकारी योजना के शुभारंभ और कार्यान्वयन की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। सरकार ने कहा कि उसने गर्भवती महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता, मुफ्त प्रसव और नवजात शिशु देखभाल, आपातकालीन प्रसूति उपचार, पोषण संबंधी सहायता और संस्थागत प्रसव के लिए अग्रिम योजना के माध्यम से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल में सुधार को उच्च प्राथमिकता दी है। गर्भावस्था और शिशु समूह निगरानी और मूल्यांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग गर्भवती महिलाओं और शिशुओं की एकीकृत निगरानी के लिए भी किया जा रहा है।

पाकिस्तान तो नहीं, तुर्किए आया सामने

हूती हमलों के बीच सऊदी के काम आएगा मक्का डिफेंस पैक्ट?

पश्चिम एशिया की जंग में सऊदी अरब लगातार हमलों का शिकार हो रहा है। शुक्रवार को रियाद की तरफ से दावा किया गया कि हूती विद्रोहियों ने बैलेस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की थी, जिसे हवा में ही नष्ट कर दिया गया। हूतियों की तरफ से भी कहा गया है कि वह लगातार सऊदी अरब के मुख्य ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। अब इस गंभीर होते संघर्ष के बीच सभी की निगाहें कुछ महीने पहले हुए मक्का डिफेंस पैक्ट के ऊपर लगी हुई हैं। सऊदी अरब की राजधानी पर हमला हुआ है। लेकिन पाकिस्तान मदद के लिए आगे नहीं आया। हालांकि, अब इस मामले में तीसरा साझेदार तुर्किए नए आगे बढ़कर सऊदी अरब को मदद की पेशकश की है।

तुर्किए के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने सऊदी अरब पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की। उन्होंने जोर देकर कहा कि तुर्किए पूरी ताकत के साथ सऊदी अरब के साथ खड़ा हुआ है। हूती हमलों के खिलाफ अगर उन्हें किसी भी तरह की मदद की जरूरत पड़ती है, तो अंकारा उनकी मदद करने के लिए तैयार है।

सऊदी अरब की मदद करने को तैयार- तुर्किए के विदेश मंत्री- अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए फिदान ने कहा, हम देख रहे हैं कि सऊदी अरब की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता पर बहुत हमले हो रहे हैं। हमारे समझौते में एक गठबंधन करार भी शामिल है। ऐसे में अगर उनकी कुछ सैन्य जरूरतें होती हैं, तो हम उनकी मदद करने के लिए तैयार हैं। इसमें कोई भी परेशानी नहीं है।

पाकिस्तान एकजुटता दिखाने की बात तक सीमित- सऊदी अरब पर हुए हमलों के बाद पाकिस्तान की तरफ से प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चिंता जताई थी। इसके साथ ही उन्होंने एकजुटता जाहिर की थी। वहीं, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जोर देकर कहा था कि अब मक्का समझौते को लागू करने का समय है। हालांकि, यह बात जगजाहिर है कि पाकिस्तान का कंट्रोल मुख्य रूप से सेना के हाथों में हैं। ऐसे में जब तक सेना की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आ जाता, तब तक कुछ भी कहना संभव नहीं है। रावलपिंडी की तरफ से अभी तक इस मामले में केवल कड़ी निंदा के संकेत ही नजर आ रहे हैं।

क्या है मक्का रक्षा समझौता?- सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच में हुआ यह त्रिपक्षीय रक्षा समझौता %मक्का रक्षा समझौता के नाम से ही जाना जाता है। पाकिस्तान की तरफ से इसे इस्लामिक नाटो की संज्ञा दी जाती रही है। हालांकि, यह समझौता ऐसे समय में हुआ, जब कुछ ही महीनों के भीतर इसकी जरूरत पड़ती दिख रही है। सऊदी अरब द्वारा यमन में हूतियों के खिलाफ किए गए हमलों के बाद उन्होंने पलटवार करना शुरू कर दिया। सऊदी अरब के पश्चिमी इलाकों में हमला किया गया। इसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। सऊदी अधिकारियों की मानें, मक्का शहर को भी ड्रोन से निशाना बनाने की कोशिश हुई थी।

झारखंड हाईकोर्ट को मिले तीन नए न्यायाधीश

रांची, (**एजेंसियां**)। झारखंड हाईकोर्ट को तीन नए न्यायाधीश मिले हैं। झारखंड सुपीरियर ज्यूडिशियल सर्विस कैडर के तीन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों (पीडीजे) को झारखंड हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दी गई है।

हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होने वाले न्यायिक अधिकारियों में गढ़वा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज प्रसाद, साहिबगंज के पीडीजे अखिल कुमार और डालटनगंज के पीडीजे राम शर्मा शामिल हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने इन तीनों न्यायिक अधिकारियों को झारखंड हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किए जाने की अनुशंसा की थी। कॉलेजियम की अनुशंसा के बाद केंद्र सरकार ने नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की है।

आज का इतिहास

1743 – आमेर का वीर और बहुत ही कूटनीतिज्ञ राजा सवाई जयसिंह का निधन।
1784 – अमेरिका का पहली बार दैनिक अखबार (पेनसिलवेनिया पैकेट एंड जनरल एडवरटाइजर) छपा।
1790 – पालघाट ने जनरल मेडोव के नेतृत्व में ब्रिटिश टुकड़ी के समक्ष 60 बंदूकों के साथ आत्मसमर्पण किया।
1815 – किंग विलियम प्रथम ने ब्रुसेल्स में शपथ ली।
1857 – बहादुर शाह द्वितीय ने अंग्रेजों के समक्ष आत्मसमर्पण किया।
1885 – नीदरलैंड के लोगों ने चुनावों में मतदान के अधिकार के लिये प्रदर्शन किया।
1905 – 'अटलांटा लाइफ इंश्योरेंस' कंपनी गठित हुई।
1928 –'माय विकली रीडर' मैगज़ीन की शुरुआत।
1938 – चक्रवाती तूफान(183 मील प्रति घंटे की रफ्तार) से न्यू इंगलैंड में 700 लोगों की मौत।

सुडोकू 7399

6	9		5	7		3		
	8		9					
	4	3			1			
		2	8					9
	6		1		9		4	
9					2	1		
			4			5	6	
					6		9	
		6		9	5		8	1

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

जम्मू-कश्मीर में गोला-बारूद व पाकिस्तानी सामान बरामद

जम्मू। पुलिस की एक टीम ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में ज्वैलरी की दुकान पर छापा मारा और वहां से गोला-बारूद और पाकिस्तानी सामान बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस टीम ने फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम और नायब तहसीलदार (एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट) के साथ मिलकर पुंछ के मेन मार्केट में एक ज्वैलरी की दुकान पर छापा मारा और गोला-बारूद व पाकिस्तानी सामान बरामद किया।

डॉ. मोहन यादव ने राधा अष्टमी की दीं शुभकामनाएं

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को राधा अष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण के प्रति प्रेम-भक्ति-त्याग-तप की वंदनीय देवी, मां राधा की कृपा सदैव बनी रहे। ईश्वर से सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और संपन्नता की कामना की है।

हेमन्त सोरेन ने विमला प्रधान को दी श्रद्धांजलि

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को लोअर करमटोली, रोड नंबर-2, रांची स्थित झारखंड की पूर्व मंत्री दिवंगत विमला प्रधान के आवास पहुंचे। मुख्यमंत्री सोरेन ने पूर्व मंत्री स्व. विमला प्रधान के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। सोरेन ने मरांग बुरु से प्रार्थना की है कि वे दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों, समर्थकों एवं प्रशंसकों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति और संबल दें। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की तथा उनका ढांढस बंधाया।

नगालैंड के छात्रों की दस दिवसीय सीमा दर्शन यात्रा शुरू

कोहिमा। भारतीय सेना की स्पीयर कोर के तहत असम राइफल्स द्वारा संचालित 'ऑपरेशन सद्भावना' के अंतर्गत नगालैंड के छात्रों का एक दल 10 दिवसीय 'सीमा दर्शन यात्रा' पर रवाना हुआ है। इस पहल का उद्देश्य दूरदराज क्षेत्रों के युवाओं को देश की सांस्कृतिक विविधता और सामरिक महत्व वाले सीमावर्ती क्षेत्रों से परिचित कराना है। ऑपरेशन सद्भावना के तहत ऐसे टूर आयोजित किए जाते हैं, जिनके जरिए दूरदराज के इलाकों के युवाओं को देश के दूसरे हिस्सों में जाकर भारत की समृद्ध और विविध संस्कृति के बारे में जानने का मौका मिलता है। इससे बच्चों को देश की रक्षा में उनकी भूमिका के बारे में जानने का अवसर भी मिलता है। मौजूदा बैच में कोहिमा के रुसोमा स्थित गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के 20 छात्र और दो शिक्षक शामिल हैं। यह छात्र गुवाहाटी, टेंगा, तवांग व तेजपुर का दौरा करने के बाद 28 सितम्बर को कोहिमा लौटेंगे।

पाकिस्तान में दो हिंदू बहनों का अपहरण, जबरन धर्मांतरण के बाद करा दी शादी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में हिंदुओं का उत्पीड़न थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। सिंध प्रांत में दो नाबालिग हिंदू बहनों का अपहरण कर जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया। इसके बाद उनका निकाह करा दिया गया। के मामले ने एक बार फिर अल्पसंख्यक समुदाय में गहरी चिंता पैदा कर दी है। मानवाधिकार संगठन वॉइस ऑफ पाकिस्तान माइनॉरिटी ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। साथ ही संगठन ने दोनों बच्चियों को तत्काल सुरक्षा देने की मांग भी की है। 13 साल की रूपी और 14 साल की सीता का टंडो अल्लाहयार जिले की इब्राहिम कॉलोनी से अपहरण कर लिया गया। इसके बाद उनका धर्म परिवर्तन कराकर दो मुस्लिम पुरुषों अमजद सोलांगी और मंसूद सोलांगी से उनकी शादी करा दी गई।

अपहरण में जब दोनों बहनों को टंडो अल्लाहयार की एक अदालत में पेश किया गया तो अदालत ने उन्हें उनके परिवार को सौंपने के बजाय एक सेफ हाउस भेजने का आदेश दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में अदालत परिसर के बाहर दोनों नाबालिग बहनें बेहद डरी-सहमी दिख रही हैं। दोनों रोते हुए कह रही हैं, हमें हमारे माता-पिता के पास जाने दो। हम अपने घर जाना चाहते हैं।

पाकिस्तान सरकार और प्रशासन से मांग की है कि रूपी और सीता से उनके पतियों, मौलवियों या किसी भी मध्यस्थ की गैरमौजूदगी में बच्चों के लिए अनुकूल माहौल में स्वतंत्र रूप से पूछताछ की जाए।

बच्चियों को किसी भी प्रकार के प्रभाव या डर से मुक्त होकर अपनी बात रखने का अवसर मिले। दोनों को कानूनी सहायता और सुरक्षा प्रदान की जाए। स्पष्ट शब्दों में कहा, रूपी और सीता की अपने घर लौटने की गुहार पर तत्काल ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उनकी सुरक्षा, उम्र, गरिमा और स्वतंत्रता किसी भी अन्य विचार से ऊपर होनी चाहिए।

सिंध में सुरक्षित नहीं हिंदू- सिंध में पाकिस्तान की सबसे बड़ी हिंदू आबादी रहती है। हिंदुओं की उत्पीड़न की समस्या ग्रामीण इलाकों में अधिक गंभीर है। यहां गरीबी, जातिगत भेदभाव और कानूनी मदद तक सभी की पहुंच नहीं है। संगठन ने कहा, इस मामले ने सिंध में हिंदू समुदायों के बीच गहरी चिंता पैदा कर दी है। सिंध में पाकिस्तान की सबसे बड़ी हिंदू आबादी रहती है। ग्रामीण जिलों में कई हिंदू परिवार गरीबी और जातिगत भेदभाव का सामना कर रहे हैं। उनके पास कानूनी मदद के भी कम विकल्प होते हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े?- सेंटर फॉर सोशल जस्टिस के अनुसार, 2021 और 2024 के बीच अल्पसंख्यक लड़कियों और महिलाओं से जुड़े ऐसे 421 मामले सामने आए। इन मामलों में से 282 मामले हिंदू महिलाओं और लड़कियों से जुड़े थे। इनमें से 72 प्रतिशत मामले सिंध से सामने आए। संगठन ने बताया कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने अकेले 2024 में कम से कम 83 मामले दर्ज किए, जिनमें से 63 प्रतिशत पीड़ित हिंदू लड़कियां थीं। वहीं, संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार 2025 में पाकिस्तान में शादी के जरिए ज़बरन धर्म परिवर्तन के मामलों में से लगभग 80 प्रतिशत मामले सिंध में हुए थे। बताया जाता है कि इनमें से लगभग 75 प्रतिशत पीड़ित हिंदू थीं।

पाकिस्तान के गले का फांस बना मक्का समझौता हूतियों ने दी धमकी

मक्का समझौता करने के बाद पाकिस्तान की मुसीबतें और भी बढ़ गई हैं। पहली बात तो सऊदी अरब के खिलाफ हूतियों के अटैक पर निष्क्रियता की वजह से उसकी दुनियाभर में आलोचना हो रही है। दूसरी ओर हूती विद्रोहियों ने पाकिस्तान को भी हमले की धमकी दे दी है।

अमेरिका के पूर्व सुरक्षा सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल एचआर मैकमास्टर ने कहा कि मक्का पैक्ट के पीछे भी पाकिस्तान के इरादे साफ नहीं हैं। आपको बता दें कि 7 अगस्त को ही सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किए ने एक सझौते पर साइन किए थे। इस समझौते के मुताबिक अगर इन तीनों में से किसी एक देश पर भी हमला होता है तो तीनों देशों पर हमला माना जाएगा और तीनों प्रतिक्रिया देंगे। तुर्किए ने तो यहां तक कहा था कि यह नाटो की तर्ज पर बनाया गया है. इसलिए इसे इस्लामिक नाटो कहा जा सकता है।

हूतियों ने पाकिस्तान को दी धमकी- सऊदी अरब में तुर्की और पाकिस्तान की सेना की तैनाती को लेकर हूती विद्रोहियों ने दोनों देशों को हमले की धमकी दी है। हूती नेता अल बुखैती ने कहा कि अगर इस्लामाबाद और अंकारा सामने आते हैं तो उनपर भी सीधा हमला होगा। हूती नेता ने कहा कि यमन अब भी रक्षात्मक रुख अपना रहा है। लेकिन अगर पाकिस्तान और तुर्की भी उतरते हैं तो उनके लिए ठक नहीं होगा। उन्होने कहा कि यमन किसी भी विदेशी ताकत का दखल स्वीकार नहीं करेगा। पाकिस्तान ने ईरान और अमरेका के बीच युद्धविराम पर समझौता करवाने और क्रेडिट लूटने की पूरी कोशिश की थी लेकिन उसका कोई भी प्रयास सफल नहीं हो पाया। इसके बाद पाकिस्तान की शांतिदूत की छवि बनाने वाली कोशिश फेल हो गई। मक्का समझौता करके उसने एक बार फिर अपनी विदेश नीति दिखाने की कोशिश की लेकिन यह भी फेल ही होता नजर आ रहा है। हूतियों ने खोल दिया नया मोर्चा- सऊदी अरब ने शनिवार को पुष्टि की कि यमन के हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइल से उसकी राजधानी रियाद को निशाना बनाने की कोशिश की। ईरान समर्थित विद्रोहियों के साथ संघर्ष तेज होने के बाद रियाद को निशाना बनाने की यह पहली कोशिश है। हूती विद्रोहियों ने ईरान युद्ध में एक नया मोर्चा खोल दिया है। हूती विद्रोहियों से लड़ रहे सऊदी अरब नीत गठबंधन ने तड़के की गई इस कोशिश के काफी देर बाद बयान जारी कर कहा कि मिसाइल को बीच में ही रोक दिया गया। रियाद के कुछ निवासियों ने विस्फोट की आवाज सुनी। बाद में कुछ लोगों ने हवाई अड्डे के पास धुएं का गुबार देखा।

वर्ग पहेली 7399

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२	■	■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४				■	■	■	

बायें से दायें:-
१. महत्ता (उर्दू)
४. अंत, समाप्ति, मृत्यु
६. बहरा
७. शुरुआत
८. धनी (उर्दू)
१०. घर
११. हृदय, मन
१३. अग्नि
१४. शक्ति, अलौकिक शक्ति, ऐश्वर्य
१५ जंगलों में विचरण करने वाला
१७. पानीयुक्त, भीगा हुआ, अश्रुपूर्ण
१९. रहित
२१. पराजित, हारा हुआ
२२. गौतम बुद्ध की पत्नी, श्रावण मास की चौथी रात
२४. मूर्ख, अविवेकी(उर्दू)

ऊपर से नीचे:-
१. अर्थ, मतलब
२. सांठ-गांठ
३. मुस्कुराहट (उर्दू)
४. अभिलाषा, कामना (उर्दू)
५. किसी वाद्य यंत्र को बजाने वाला, वादक (उर्दू)
९. किसी इमारत-व्यक्ति आदि की रक्षा करने वाले व्यक्तियों का दल
११. कमल
१२. पवन, वायु. हवा
१३. वर्षा ऋतु
१४. सीता
१५. जंगल की पैदावार
१६. गाय, चार स्तनों वाली
१८. पैदायशी अंधा
१९. ठहराव, अंत. विश्राम
२०. नीति, नम्रता, व्यवहार
२३. मार्ग, पथ (उर्दू)

वर्ग पहेली-7398

१ अ	प	२ न	य	३ न	■	४ अ	प	५ रा	न्ह
ना	■	य	■	६ र	क्त	प	■	ह	■
७ व	स	न	■	सं	■	८ का	लां	त	९ र
र्ती	■	ज	■	१० हा	जि	र	■	■	क्ष
■	११ गु	ल	१२ जा	र	■	■	१३ बा	ध	क
■	ना	■	हि	■	१४ ब	ह	रा	■	द
१५ बे	ह	१६ त	र	■	हु	■	१७ त	१८ र	ल
गु	■	र	■	१९ दौ	ल	२० त	■	ह	■
२१ ना	स्ति	क	■	रा	■	२२ रि	स	म	२३ य
ह	■	२४ श	ब	न	म	■	■	■	दि

यूसुफ कुरैशी, मो. 8109948408

परंपरा श्रीनगर में दशकों से लुप्त हो चुकी परंपरा का हुआ पुनरुद्धार

गणेश विसर्जन में बड़ी संख्या में शामिल हुए कश्मीरी पंड़ित

जम्मू, (देशबन्धु)। पिछले तीन महीनों में आतंकवादी समूहों से छह से अधिक धमकियां मिलने के बावजूद, कश्मीरी पंडित समुदाय के सदस्यों ने अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने का दृढ़ संकल्प और साहस प्रदर्शित किया है। श्रीनगर में बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडित गणेश विसर्जन मनाने के लिए एकत्रित हुए, जिसे प्रतिभागियों ने एक ऐतिहासिक पुनरुद्धार बताया।

जो दशकों से घाटी से लगभग लुप्त हो चुकी एक परंपरा का पुनरुद्धार है। यह शोभा यात्रा शिव मंदिर से शुरू हुई और श्रीनगर की गलियों से होते हुए झेलम नदी के तट तक पहुंची, जहां गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु भजन और भक्ति गीत गाते रहे, जिससे शहर में आस्था और उत्सव का जीवंत वातावरण बन गया। इस आयोजन ने लगभग 35 वर्ष पूर्व की यादें ताजा कर दीं, जब झेलम नदी के किनारे कश्मीरी पंडितों और मुस्लिम समुदाय के सदस्यों की भागीदारी के साथ गणेश विसर्जन मनाया

गया था। कई प्रतिभागियों के लिए, आज का यह आयोजन वर्षों के संघर्ष और पलायन के कारण बाधित हुई साझा सांस्कृतिक परंपरा की यादें ताजा कर गया। कश्मीरी पंडित राजनेता मोहित भान कहते थे कि निश्चित रूप से धमकियां दी जा रही थीं, लेकिन कश्मीर और यहां के लोगों ने, चाहे वे किसी भी धर्म के हों, 1990 के दशक से बहुत कुछ देखा है। आस्था ने कश्मीर को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। हम हमेशा से इस भूमि को संतों, पीरों और सूफी संस्कृति का निवास स्थान मानते आए हैं, और यह समन्वयवादी भावना आज भी कायम है। स्थानीय मुसलमानों, पुलिस और प्रशासन द्वारा कश्मीरी पंडित समुदाय को दिया गया विश्वास और सुरक्षा का भाव एक सशक्त संदेश देता है: हम अकेले नहीं हैं, और लोग हमारे साथ खड़े रहेंगे ताकि सब कुछ सुचारू रूप से चले। देश के विभिन्न हिस्सों से आए कश्मीरी पंडितों ने जुलूस में भाग लिया। उनमें से कई अपने बच्चों के साथ आए थे, जो कश्मीर और उसकी परंपराओं के बारे में कहानियां सुनते हुए बड़े हुए थे, लेकिन घाटी में पहली बार इस उत्सव का अनुभव कर रहे थे।

सोनवार से लेकर झेलम तक भगवान गणेश के जयकारे गूंज रहे थे, तभी प्रतिभागियों ने इस अवसर को अपनी पैतृक भूमि और सांस्कृतिक विरासत के साथ एक भावनात्मक जुड़ाव के रूप में वर्णित किया। इस कार्यक्रम का शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण आयोजन इस इलाके के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

लगभग 35 से 40 साल के अंतराल के बाद श्रीनगर की सड़कों पर गणेश विसर्जन के लिए सार्वजनिक जुलूस और रैलियां लौटी हैं। इसे एक शुभ संकेत माना जा रहा है कि विस्थापित कश्मीरी पंडितों की वापसी का समय आ गया है।

एशियन गेम्स 2026

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का इंडोनेशिया पर बड़ी जीत से आगाज

दिलप्रीत ने हैट्रिक सहित चार, सुखजीत सिंह व शिलानंद लाकरा ने दागे दो-दो गोल

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (देशबन्धु)। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह के हैट्रिक सहित चार, सुखजीत सिंह व शिलानंद लाकरा के दो -दो गोल से भारतीय पुरुष हॉकी ने लहरों की तरह हमले बोल कर कमजोर इंडोनेशिया को काकामिगहारा (जापान) में कावासाकी जूडो स्टेडियम में एशियाई खेलों में रविवार को पूल ए के अपने मैच में से 13-1 से हरा कर अपना अभियान दमदार ढंग से शुरू किया। भारत के लिए राजिंदर सिंह, मंदीप सिंह, जुगराज सिंह सुखजीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह ने भी एक एक गोल किया।

■ भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों को केसरिया जर्सी रास आई

पराजित इंडोनेशिया के लिए सम्मान बचाने वाला इकलौता गोल ओलिया अल अर्द्ध ने तीसरे क्वॉर्टर में दागा। इंडोनेशिया के गोलरक्षक आलम फज्र की तारीफ करनी होगी कि उन्होंने रविवार को भारत के स्ट्राइकरों के आधा दर्जन से ज्यादा लगभग निश्चित गोल न रोके होते तो उनकी टीम 20 गोल के अंतर से यह मैच हारती। भारतीय हॉकी टीमों के भारत से रवाना होने से पहले हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने कहा था कि एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें नीली जर्सी पहन कर खेलेंगी। सच तो यह है कि भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों को केसरिया जर्सी रास आई। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के लंबे पास पर तीसरे मिनट डी के भीतर खड़े दिलप्रीत सिंह गेंद को गोल में नहीं डाल सके और भारत के हाथ आया खाता खोलने का मौका फिसल गया। कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के पहले पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक को इंडोनेशिया के गोलरक्षक आलम फज्र ने रोका लेकिन लौटती गेंद को वहीं मंडराते शिलानंद लाकरा ने गोल में डाल कर भारत को मैच के छठे मिनट में 1-0से आगे कर दिया। भारत ने इसके बाद मैच पर अपनी पकड़ बनाई लेकिन इंडोनेशिया ने अपने किले की मुस्तैदी से चौकसी कर उसे गोल करने से रोका।

मंदीप सिंह ने डी के भीतर तेज शॉट जमाया लेकिन इसे भी इंडोनेशिया की रक्षापंक्ति के खिलाड़ी ने अपनी स्टिक पर अपने शॉट को ले रोक कर उन्हें गोल करने से रोका। अभिषेक नैन ने पहला क्वॉर्टर खत्म होने से तीन मिनट पहले कप्तान हरमनप्रीत सिंह के एरियल पास पर डी के भीतर गेंद का संभाल तेज शॉट जमाया इसे इंडोनेशिया के गोलरक्षक ने रोका जरूर लेकिन लौटती गेंद पर उन्होनें फिर तेज शॉट जमा गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। अभिषेक ने दो मिनट बाद एक और एरियल पास पर गेंद संभाली लेकिन इंडोनेशिया की रक्षापंक्ति के खिलाड़ियों ने दीवार की तरह उनके शॉट को रोक लिया। भारत की टीम पहला क्वॉर्टर खत्म होने पर 2-0से आगे थी। दिलप्रीत ने दूसरे क्वॉर्टर के तीसरे मिनट में अभिषेक से मिले पास पर डी के भीतर तेज शॉट जमा बढ़िया मैदानी गोल कर भारत को 3-0से आगे कर दिया। दिलप्रीत ने अगले ही मिनट सुखजीत सिंह के बढ़िया पास पर अचूक शॉट जमा मैच का अपना दूसरा गोल कर भारत को 4-0से और अगले ही क्षण सुखजीत सिंह के डी के भीतर तेज शॉट पर लौटती गेंद को राजिंदर सिंह ने संभाल कर गोल कर भारत को 5-0से आगे कर दिया। इंडोनेशिया के गोलरक्षक आलम फज्र ने अपने दाएं गोता लगा कर पेनल्टी स्ट्रोक पर भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पुश को रोका। मंदीप सिंह ने मैच के 21 वें मिनट में गोल कर भारत को 6-0से आगे कर दिया। सुमित ने इंडोनेशिया के फॉरवर्ड को गलत ढंग से रोका और उन्हें ग्रीन कार्ड दिखा कर दो मिनट के लिए मैदान से बाहर भेजा गया। मनप्रीत सिंह जैसे ही गेंद को गोल में डालने जा रहे थे उन्हें गलत ढंग से रोकने पर 28 वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर मिला और इसे कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल में बदल कर भारत को हाफ टाइम तक 7-0 से आगे कर दिया।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया

ऑलराउंडर दीपिका सहरावत के दोहरी हैट्रिक सहित दागे आठ और इशिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय टीम ने काकामिगहारा (जापान) में 20 वें एशियाई खेलों की हॉकी स्पर्द्धा में रविवार पूल बी में अपने अभियान का आगाज उज्बेकिस्तान की कमजोर टीम को 19-0 से करारी शिकस्त देकर किया। ल वर्षा करने वाली दीपिका सहरावत ने छह गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए ही साथ ही दो खूबसूरत मैदानी गोल भी किए। भारतीय महिला टीम के लिए ड्रैग फ्लिकर व स्ट्राइकर दीपिका सहरावत (आठवें, 22 वें, 25 वें, 33 वें 36वें , 38 वें 41 वें और 54 वें मिनट में) ने आठ, ,इशिका (11वें, 42 वें, 54 वें मिनट) ने तीन , नवनीत कौर (23 वें 45 वें मिनट) व ललथांतलुआंगी (43 वें 51 वें मिनट) ने दो- दो तथा ललरेमिसयामी (सातवें मिनट), नेहा (18 वें मिनट), बलजीत कौर (12 वें मिनट) व साक्षी राणा (43 वें मिनट) ने एक एक गोल किया। भारत की जीत में खास बात यह रही कि उज्बेकिस्तान पर इस बड़ी जीत में उसकी आठ अलग अलग खिलाड़ियों ने इस गोल वर्षा में योगदान किया।

■ दीपिका सहरावत ने दोहरी हैट्रिक सहित दागे आठ गोल

फाइनल में पहुंची भारतीय महिला क्रिकेट टीम

■ भारतीय महिला टीम फाइनल में श्रीलंका से भिड़ेंगी
■ शैफाली वर्मा ने पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगाया शतक

ठुसत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 20 सितम्बर (देशबन्धु)। 22 बरस की ओपनर ओपनर शैफाली वर्मा के पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शतक की बदौलत मौजूदा चैंपियन भारत ने बांग्लादेश को कोरोगी स्पोटर्स पार्क, निशिन (जापान) में एशियाई खेलों के दूसरे महिला टी-20 क्रिकेट सेमीफाइनल में रविवार को 114 रन से करारी शिकस्त दी।

मिजाज से आक्रामक बैटर शैफाली ने अपने स्तर से कही धीमी बल्लेबाजी कर अपना अविजित शतक पूरा किया, लेकिन बावजूद इसके उनकी इस पारी में क्रिकेट प्रेमियों को नौ छक्के देखने को मिले। शैफाली वर्मा (104 छक्के) ने स्मृति मंधाना (100 छक्के) के भारत के लिए टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड तोड़ दिया। शैफाली (9 छक्के) ने साथ ही अपनी कप्तान हरमनप्रीत कौर(8 छक्के) को पीछे कर एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के लिए सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाली बैटर बन गई।

भारत ने हाल ही में दुबई में भी महिला टी-20 एशिया कप क्रिकेट में भी बांग्लादेश को 40 रन से शिकस्त दी थी। अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखने से एक कदम दूर भारतीय महिला क्रिकेट टीम लगातार दूसरी बार फाइनल में बुधवार को श्रीलंका से भिड़ेगी। भारत ने दुबई में एक हफ्ते पहले श्रीलंका को महिला टी 20 एशिया कप क्रिकेट फाइनल में 72 रन से हराया था। शैफाली वर्मा के तेज शतक की बदौलत भारत ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए रविवार को निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट पर 195 रन का मजबूत स्कोर बनाया। शैफाली वर्मा 49 गेंद खेल कर नौ छक्कों और तीन चौकों की मदद से 100 रन और भारती फूलमाली पांच गेंद खेल कर एक छक्के की मदद से नौ रन बनाकर अविजित रहीं। शैफाली वर्मा ने श्रोना अख्तर की गेंद को हल्के से कवर में खेल कर एक रन दौड़ कर अपना अविजित शतक पूरा किया। शैफाली वर्मा जैसे ही शतक पूरा कर मैदान से बाहर आई तो उनकी सलामी जोड़ीदार मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित पूरी भारत महिला क्रिकेट टीम ने तालियों से उनका जोरदार स्वागत किया। विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिए ख्यात शैफाली वर्मा ने अहम सेमीफाइनल में जोश के साथ जरूरी होश दिखा कर दबाव में बेहतरीन बल्लेबाजी कर शतक जड़ा। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा (3/7), बाएं हाथ की स्पिनर श्रीचारिणी (2/7), श्रेयंका पाटील(1/22) की स्पिन त्रिमूर्ति और नौजवान तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा (3/25) और क्रांति गौड़ (1/20) ने गेंदबाजी इकाई के रूप में बेहतरीन गेंदबाजी कर बांग्लादेश को 15.4 ओवर में मात्र 81 रन पर ढेर कर भारत को बेहद आसान जीत दिला फाइनल में स्थान दिला दिया।

श्रीलंका ने सेमीफाइनल में दी पाक को दी शिकस्त

कप्तान चामरी अट्टापट्टू की 50 गेंद पर छह छक्कों और सात चौकों की मदद से अविजित 81 रन की तूफानी पारी और उनकी हसिनी परेरा (42 रन, 26 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) के साथ दूसरे विकेट की 95 रन की तूफानी भागीदारी की बदौलत श्रीलंका (17.5 ओवर में दो विकेट पर 178 रन) ने पाकिस्तान (20 ओवर में चार विकेट पर 177 रन) को पहले सेमीफाइनल में आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। शावल जुल्फिकार (54 रन, 50 गेंद, दो छक्के, तीन चौके) और आयश जफर (71 रन, 40 गेंद, दो छक्के, 9 चौके) के अर्द्धशतक और तीसरे विकेट की 115 रन की भागीदारी भी पाकिस्तान के काम न आई।

भारतीय महिला टेबल टेनिस ने सिंगापुर के खिलाफ दर्ज की जीत

टोयोटा, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2026 में रविवार को भारतीय महिला टेबल टेनिस टीम ने सिंगापुर के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वहीं, पुरुष टीम को ईरान से हार का सामना करना पड़ा। स्काई हॉल टोयोटा में 'ग्रुप एफ' के रोमांचक मुकाबले में भारतीय टीम सिंगापुर के खिलाफ भारत 1-2 से पीछे चल रही थी, लेकिन श्रीजा अकुला और यशस्विनी घोरपड़े ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत को 3-2 से जीत दिलाई। इससे पहले, भारत ने अपने शुरुआती मैच में इंडोनेशिया को 3-0 से शिकस्त दी थी। भारतीय टीम तीन मुकाबलों में चार अंकों के साथ 'ग्रुप-एफ' में शीर्ष पर है। अब सोमवार को ग्रुप-स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में भारत का सामना पाकिस्तान से होगा। सिंगापुर के खिलाफ, यशस्वी ने जियान जेंग पर 3-1 से जीत के साथ मजबूत शुरुआत की, लेकिन इसके बाद श्रीजा को मिंग लोय के खिलाफ रोमांचक पांच-गेम वाले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। वह 2-3 से हार गईं, जिससे मुकाबला बराबरी पर आ गया और फिर झाओ टैन ने दिया चितले को चार गेम में हराकर सिंगापुर को 2-1 की बढ़त दिला दी। मुश्किल स्थिति में होने के बावजूद भारतीय टीम ने वापसी की। श्रीजा ने अपना पहला गेम 6-11 से हारने के बाद अगले तीन गेम 11-3, 11-7, 11-4 से जीतकर मैच 3-1 से अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने 2-2 से बराबरी कर ली। यशस्वी निर्णायक मुकाबले के लिए लौटीं और पहला गेम 5-11 से हारने के बावजूद अगले दो गेम 11-8, 12-10 से जीते, लेकिन चौथा गेम 4-11 से हार गईं।

■ पुरुष टीम को ईरान से हार का सामना करना पड़ा

भारतीय महिला टीम ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता

आइची, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने रविवार को रजत पदक जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला पदक है। एलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदरसा कोचलुमकल की तिकड़ी ने यहां आइची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में 16 टीमों के इवेंट में 1897 पॉइंट्स जमा किए और चीन के बाद दूसरे स्थान पर रही। चीन ने 1904.2 के वर्ल्ड-रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मेजबान जापान 1897.1 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रही और कांस्य पदक जीता। इस बीच, भारत की एलावेनिल और सोनम भी व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन के बाद व्यक्तिगत इवेंट के फाइनल में पहुंच गई हैं। सोनम 57 एथलीट फील्ड में तीसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने 634.1 पॉइंट्स बनाए, जबकि एलावेनिल 633.5 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं। तीसरी भारतीय, विदरसा, 630.4 के स्कोर के साथ 12वें स्थान पर रहीं। पहली सीरीज के आखिर में, तीनों ने मिलकर 316.9 पॉइंट्स बनाए। दूसरी सीरीज में उन्होंने 316.8 पॉइंट्स बनाए, जबकि तीसरी सीरीज में उन्होंने और भी बेहतर प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 317.9 पॉइंट्स बनाए और शानदार प्रदर्शन करते हुए 951.6 पॉइंट्स बनाए। चौथी सीरीज के आखिर में, भारतीय तीनों ने चौथी सीरीज में 316.2 पॉइंट्स जमा करके 1267.8 पॉइंट्स बनाए। वे आखिरी से पहले पांचवीं सीरीज में पिछड़ गए और 314.8 का स्कोर बनाया, फिर आखिरी सीरीज में 315.4 का स्कोर बनाकर 1898 पर खत्म किया, जो तीसरे नंबर पर मौजूद जापान से 0.9 ज्यादा था।

■ एलावेनिल, सोनम व्यक्तिगत फाइनल में पहुंचीं

पीएम मोदी ने सिल्वर जीतने पर महिला टीम को दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियन गेम्स 2026 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम को सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई दी है। इसके साथ ही उन्होंने 10 मीटर मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत इवेंट में सिल्वर पर निशाना साधने वालीं इलावेनिल वलारिवन को

भारत की नई पीढ़ी कबड्डी में शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार

आइची नागोया, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय कबड्डी खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी आइची-नागोया में एशियन गेम्स के मंच पर जबरदस्त प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। इस टीम में देवांक दलाल भी शामिल हैं, जो अपने पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय मल्टी-स्पोर्ट इवेंट में हिस्सा लेने जा रहे हैं। 23 साल के देवांक भारतीय पुरुष टीम के सदस्य के तौर पर एशियाई खेलों में कबड्डी में अपना डेब्यू करेंगे। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 21 सितंबर को मेजबान जापान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। देवांक दलाल के लिए टीम का हिस्सा बनने से जिम्मेदारी का एहसास तो बढ़ा गया है, लेकिन उनका कहना है कि इससे कोई

अतिरिक्त दबाव नहीं आया है। दलाल ने कहा, 'मैं पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा ले रहा हूं। मैं अपने, अपने परिवार और अपने कोच के लिए खुश हूं। मैं सभी के लिए खुश हूं। अब जब मैं जा रहा हूं तो मेरी जिम्मेदारियाँ बढ़ गई हैं। मुझे भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतना होगा। अगर भारत ने मुझे चुना है, तो मुझे यह करना ही होगा। आपको दबाव महसूस करने जरूरत नहीं है। दबाव और जिम्मेदारी दो अलग-अलग चीजें हैं। यहां सिर्फ जिम्मेदारी है, दबाव नहीं। हम दबाव जैसी चीज में भरोसा नहीं करते। अगर आप दबाव लेंगे, तो आप खेल नहीं पाएंगे। अगर आप खेलेंगे नहीं, तो भारत कैसे जीतेगा? हम बिना दबाव के खेलेंगे और जीतेंगे। 'हालांकि देवांक दलाल पहली बार एशियन गेम्स में हिस्सा लेंगे, लेकिन उनके आस-पास अनुभवी खिलाड़ी होंगे।हांगझोऊ 2023 में मेंस कबड्डी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे असलम इनामदार का मानना है कि टीम के खिलाड़ियों के बीच आपसी तालमेल और जान-पहचान से नए खिलाड़ियों को प्रतियोगिता से पहले टीम में घुलने-मिलने में मदद मिली है।

सार संक्षेप

पुरुषों के चांगक्वान वुशु फाइनल में 11वें स्थान पर रहे सूरज

नागोया। भारत के सूरज सिंह मयंगलमबम रविवार को आइची-नागोया एशियन गेम्स में पुरुषों के चांगक्वान वुशु फाइनल में 11वें स्थान पर रहे। वह सिर्फ 0.040 पॉइंट्स से पदक जीतने का मौका चूक गए। आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में 21 एथलीटों के बीच मुकाबला करते हुए, सूरज ने कुल 9.683 पॉइंट्स बनाए। भारतीय वुशु विशेषज्ञ ने बिना किसी कटौती के क्वालिटी ऑफ मूवमेंट (ए-स्कोर) में परफेक्ट 5.00 और डिग्री ऑफ डिफिकल्टी (सी-स्कोर) में 2.00 पॉइंट्स हासिल किए। उन्हें ओवरऑल परफॉर्मेंस (बी-स्कोर) में 2.683 पॉइंट्स मिले। मकाऊ के कुओंग ची हिन 9.723 पॉइंट्स के साथ टॉप पर रहे, जबकि उनके हमवतन ची कुआन सोंग 9.720 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहे। टॉप पर कम अंतर ने यह भी दिखाया कि फाइनल में मार्जिन कितना कम था। सूरज का स्कोर कांस्य पदक मार्क से सिर्फ 0.040 पॉइंट्स पीछे था चांगक्वान वुशु के सबसे डायनैमिक डिसिप्लिन में से एक है, जिसमें एथलीट्स को पारंपरिक उत्तरी चीनी कुंग फू मूवमेंट्स का तेज-तर्रार रूटीन करना होता है।

क्विम्सी डिसूजा टेकबॉल के कांस्य पदक मुकाबले में साकामोटो से हारीं

नागोया। भारत की क्विम्सी डिसूजा रविवार को एशियन गेम्स में महिलाओं के एकल टेकबॉल इवेंट में कांस्य पदक से चूक गईं। उन्हें जापान की युइना साकामोटो से करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। घरेलू पसंदीदा और दुनिया की नंबर 7 खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हुए, क्विम्सी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह अपनी वापसी को जीत में नहीं बदल सकीं। साकामोटो ने निर्णायक मुकाबलों में अपना धैर्य बनाए रखा और सेट 12-11 से जीत लिया। क्विम्सी 3-6 और बाद में 7-9 से पीछे थीं, लेकिन फिर उन्होंने जबरदस्त वापसी की। वह 11-10 से आगे हो गईं, लेकिन साकामोटो ने स्कोर बराबर कर दिया और फिर आखिरी पॉइंट हासिल करके सेट जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट की जोरदार शुरुआत की और ऐसा लग रहा था कि वह एक निर्णायक सेट के लिए तैयार हैं। क्विम्सी ने 6-3 की बढ़त बनाई और बाद में 10-7 से आगे हो गईं, लेकिन सकामोटो का अनुभव एक बार फिर सामने आया। जापानी खिलाड़ी ने धीरे-धीरे कमी को कम किया, क्विम्सी पर दबाव बनाने के लिए कई तरह के स्मार्ट टच और शॉट का इस्तेमाल किया। आखिरकार वह 10-10 से बराबर हो गईं, और फिर आखिरी गेम में बढ़त बनाकर कांस्य पदक सुनिश्चित किया।

लवलीना बोरगोहेन सहित 11 मुक्केबाज संभालेंगे भारतीय चुनौती

आईची नागोया। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और उभरती हुई खिलाड़ी साक्षी चौधरी, जापान के आइची-नागोया में आयोजित एशियन गेम्स 2026 में भारत की बॉक्सिंग चुनौती की अगुवाई करेंगी। भारत इन खेलों में 11 सदस्यों वाली बॉक्सिंग टीम उतारेगा। इस टीम में पांच महिलाएं और छह पुरुष शामिल होंगे। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाएं एक साथ प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। इसमें लवलीना बोरगोहेन, पूर्व एशियन चैंपियन परवीन हुड्डा के साथ-साथ कॉमनवेल्थ गेम्स मेडलिस्ट साक्षी चौधरी, नरेंद्र बेरवाल और जादुमणि सिंह भी शामिल हैं। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजी टीम महिलाः साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घघांस (60 किग्रा), परवीन हुड्डा (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पुरुषः जादुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश पंघाल (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा) लवलीना बोरगोहेन भारत की सबसे सफल बॉक्सरों में से एक के तौर पर आइची-नागोया में उतरेंगी।

कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

इचिनोमिया, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारत ने 'एशियन गेम्स 2026' में महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के 'राउंड ऑफ 16' में कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु और उन्नति हुड्डा के शुरुआती दो मैच सीधे गेम में जीतने के बाद, तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा को शिकस्त देकर जीत का सिलसिला पूरा किया। मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा, जिसे पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था।

■ पीवी सिंधु ने कामिला स्मागुलोवा को आसानी से 21-7, 21-9 से हराकर
■ कल क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा

इसे जीतने वाला देश सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ मेडल भी पक्का कर लेगा। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने कामिला स्मागुलोवा को आसानी से 21-7, 21-9 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला 24 मिनट तक चला। इसके बाद उन्नति हुड्डा ने एलिसा कुलेशोवा को 21-7, 21-10 से मात देकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह मुकाबला 22 मिनट में खत्म हुआ। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी ने डायना नामेनोवा को सिर्फ 19 मिनट तक चले मुकाबले में 21-5, 21-10 से शिकस्त देकर जीत पूरी की। क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ कड़े सिंगल्स मुकाबले हो सकते हैं, जिसमें पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची से और उन्नति हुड्डा का सामना टोमोका मियाजाकी से हो सकता है। वहीं, डबल्स में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला जापान की बेहतरीन जोड़ियों से हो सकता है, जिनमें युकी फुकुशिमा-मायु मात्सुमोतो और की नाकानिशी-सुजू इवाना शामिल हैं।

ऋषभ दास 100 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में

नागोया, 20 सितम्बर (एजेंसियां)। भारतीय तैराक ऋषभ दास ने रविवार को हीट्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में पुरुषों की 100 मीटर बैकस्ट्रोक के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वह 54.85 सेकंड के समय के साथ कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहे। दास हीट 3 में तीसरे स्थान पर रहे और फाइनल में पहुंचे, जिससे इस इवेंट में भारत की उम्मीदें बनी रहीं। वह दूसरे स्थान पर रहे जापानी तैराक हिदेकाजू ताकेहारा से 0.63 सेकंड पीछे रहे, जबकि चीन के एशियन रिकॉर्ड होल्डर जू जियायू 52.63 सेकंड के साथ कुल मिलाकर टॉप पर रहे।

■ टउत्कर्ष पाटिल फाइनल में जगह बनाने से

कृषि जगत

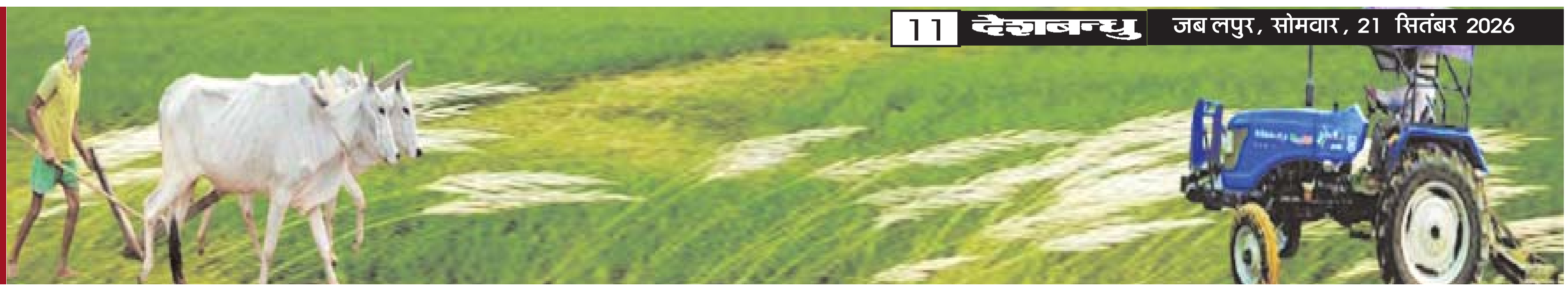

कीवी फल की खेती, पैदावार

चाइनीज़ गूजबैरी जो कि 'कीवी फल' के नाम से प्रसिद्ध है, कीवी फल एक महत्त्वपूर्ण फल है। कीवी फल की खेती हिमालय के मध्यवर्ती, निचले पर्वतीय क्षेत्रों, घाटियों तथा मैदानी क्षत्रों में जहां सिंचाई की सुविधा हो, सफलतापुर्वक की जा सकती है। अंगूर की बेलों की तरह ही इसकी बेलें बढ़ती हैं। कीवी फल भूरे रंग का, लम्बूतरा, मुर्गी के अण्डे के आकार का होता है। छिलके पर बारीक रोयें होते हैं, जोकि फल पकने पर रगड़ कर उतारे जा सकते हैं। कीवी फल गूदा हल्के हरे रंग का होता है व इसमें काले रंग के छोटे-छोटे बीज होते हैं।

इसका स्वाद खट्टा-मीठा होता है। किवी फल को ताजा फल के रूप में या स्लाद के रूप में खाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह पोषक तत्वों और औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। इसमें विटामिन बी और सी तथा खनिज जैसे फास्फोरस, पोटाश तथा कैल्शियम की अधिक मात्रा होती है। इस लेख में कीवी फल की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है। ताकि कृषक इसकी फसल से गुणवत्ता युक्त और अधिकतम उत्पादन प्राप्त कर सकें।

उपयुक्त जलवायु

कीवी फल की बेल अंगूर की तरह होती है, सर्दियों में इसके पत्ते झड़ जाते हैं। भारत के हल्के उपोष्ण और हल्के शीतोष्ण जलवायु वाले क्षेत्र जिनकी समुद्रतल से ऊंचाई 1000 से 2000 मीटर, 150 सेंटीमीटर औसत वार्षिक वर्षा तथा सर्दियों में । डिग्री सेल्सियस तापमान लगभग 100 से 200 घण्टों का मिल सकता हो, वहां इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

बसन्त ऋतु के दूसरे सप्ताह में बेल में अंकुर फूटने के समय कोहरा नहीं पड़ना चाहिए, और इसके अलावा तेज गर्मी, आंधी तथा ओलावृष्टि से भी पौधों की पत्तियों, फूलों तथा फलों को क्षति पहुच सकती है। इसलिए साथ में वायु अवरोधक तथा उचित सिंचाई का प्रबन्ध करके आसानी से उगाया जा सकता है।

भूमि का चुनाव- कीवी फल की खेती के लिए गहरी, उपजाऊ, अच्छी जल निकासी वाली, बलुई रेतीली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है। जिसका पीएच मान 5.0 से 6.0 के बीच हो और पानी का समुचित निकास हो सके वह कीवी फल की बेलों की बढ़ोत्तरी के लिए सबसे उपयुक्त होती है। इसकी बेलें ज्यादा लवणयुक्त भूमि के प्रति सहनशील हैं और साधारणतया इसको 0.25 पीपीएम से कम बोरान व सोडियम लवण तथा 0. ।5 से कम विद्युत चालकता, जिसका पीएच ।.3 से कम हो ऐसी भूमि में सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है।

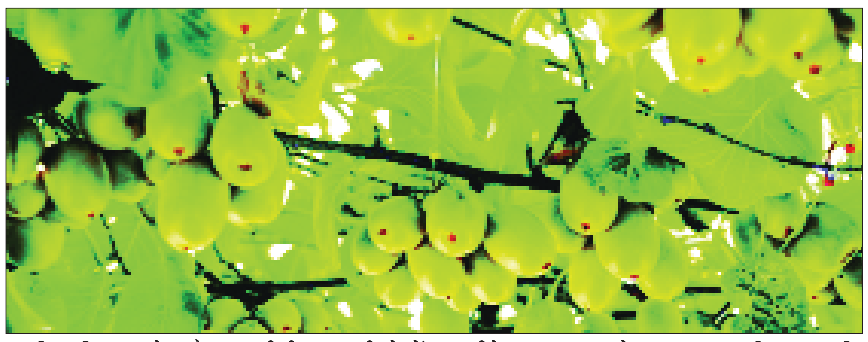

उन्नत किस्में- भारत में कीवी फल की खेती की प्रमुख मादा किस्में एलिसन, ब्रूनो, हेवर्ड, मोन्टी और एबट तथा नर किस्में एलीसन व तोमुरी हैं। जो कि एक्टीनिडिया डेलीसियोसा के अन्तर्गत आती हैं। चीन में लगभग दो तिहाई उत्पादन एक्टीनिडिया चाइनेन्सिस का होता है। इस कीवी फल किस्म के फल कम रोंयेदार और पकने पर चिकने हो जाते हैं। भारत में उपलब्ध किस्मों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है, जैसे-

एबट- इस कीवी फल किस्म का मध्यम परिमाण वाला अण्डाकार फल, स्वाद में मीठा, फूल का अन्य किस्मों से अपेक्षाकृत पहले खिलना, फल का औसतन भार 50 से 60 ग्राम, अपेक्षाकृत कम शीतन घंटों की आवश्यकता होती है।

एलिसन- इसका फल लम्बाई के अनुपात में कुछ मोटा, मीठा, एबट के बाद फूलने और मध्य समय में पकने और अधिक पैदावार देने वाली किस्म, एबट से मिलता जुलता फल, फल का भार लगभग 60 से ।0 ग्राम होता है।

ब्रूनो- इसका फल बड़े आकार का लम्बूतरा, गहरे भूरे रंग का, अधिक पैदावार देने वाली किस्म, हेवर्ड की अपेक्षा फल छोटा, फल का भार लगभग 60 ग्राम होता है।

हेवर्ड- इस कीवी फल किस्म के फल अन्य किस्मों से अपेक्षाकृत गोल, आकार में बड़ा, देरी से फूलने वाली किस्म, लम्बी अवधि तक 4 से 6 महीने भण्डारण योग्य फल, अधिक प्रचलित किस्म, फल कुछ कम मिठास वाला, फल का औसतन भार लगभग 90 से 120 ग्राम होता है।

मौन्टी- कीवी फल किस्मों में सबसे बाद फूलने वाली, अधिक फलदायक और ज्यादा फलन वाली किस्म, फल लम्बूतरा, परन्तु डण्डी की ओर कुछ नुकीला, फल का औसतन भार 60 से ।0 ग्राम, फल विरलन आवश्यक है।

पौधे तैयार करना (प्रवर्धन)

किवी फल की खेती के पौधे बीजू पौधे पर बडिंग या कलम करके तैयार किए जाते हैं, विधि इस प्रकार है, जैसे-

बडिंग द्वारा- कीवी फल के बीज से पौधे तैयार करने के लिए बीज पूर्ण रूप से पके फलों से लें। बीजों को फलों से निकाल कर अच्छी तरह साफ करके छाया में सुखायें। अच्छे अंकुरण के लिए बीजों को एक सप्ताह के अन्दर ही बीज देना चाहिए। मध्यवर्ती ठण्डे पहाड़ी क्षेत्रों में बीज को सीधा क्यारियों में लगाकर मल्चिंग करें। किन्तु मध्यवर्ती गर्म क्षेत्रों में बीजों को लगभग 10 सप्ताह दिसम्बर से फरवरी या जनवरी से मध्य मार्च तक गीली रेत में रख कर स्तरीकरण (स्टैटिफिकेशन) करके फिर नर्सरी में लगायें।

इसके बाद क्यारियों पर मल्चिंग करें। जुलाई तक पौध पर छाया रखें, यदि फलों से बीज निकलने के बाद उन्हें 1 हफ्ते में बीज दिया जाए तो अंकुरण अच्छा होता है। जब इनमें 4 से 5 पत्ते आ जाये तो मई या जून महीने में नर्सरी में लगायें। एक वर्ष पुराने पौधों पर टंग ग्राफ्टिंग जनवरी से मध्य फरवरी तक करें।

कलम द्वारा-- सामान्यतया कलम लगाने के लिए शीशे या पोलीथीन के बने घर जिसमें फुहार की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। लकड़ी के बने बक्सों, जिसमें बालू, सड़ी खाद, मिट्टी, लकड़ी का बुरादा और कोयले का चूरा 2:2:1:1 के अनुपात के मिश्रण बनाकर भर लेते है। कीवी फल की दिसम्बर से जनवरी के महीने के कटाई-छंटाई के दौरान निकली शाखाओं को जमीन में दबा देते हैं और फरवरी से मार्च के महीने में ज्यों ही थोड़ा सा तापमान बढ़ जाता है। उस समय शाखाओं को जमीन से निकालकर 15 से 20 सेंटीमीटर की कलमें, जिसमें कम से कम तीन कलियाँ हों, के निचले शिरों को 2500 मिलीग्राम प्रतिलिटर पानी इन्डोल ब्यूटारिक एसिड और 2500 मिलीग्राम प्रतिलिटर पानी नैपथलिन एसिटिक एसिड के मिश्रित घोल में 25 से 30 सैकिंड डुबोकर लकड़ी के बक्सों में लगा देते है। पाली हाउस में रखे इन वक्सों को 15 से 20 मिनट के अन्तराल पर क्रमशः 2 से 3 मिनट तक फुहार को कम से कम 5 से 6 घंटे दिन में उपलब्ध कराते रहें। इस विधि से लगाने में कम से कम 85 से 90 प्रतिशत सफलता होती है।

अगले वर्ष दिसम्बर से जनवरी के महीने में इन कलमों को फुहार घर से निकालकर पौध रोपण के लिए लगाया जा सकता है। कीवी फल के पौधे टी बार या निफिन विधियों से 5 से 6 मीटर पौधे से पौधे और 4 मीटर पंक्ति से पंक्ति की दूरी पर सर्दी के मौसम दिसम्बर से जनवरी में पहले से तैयार किए हुए गड्ढों में लगा देते है। अगर सधाई परगोला विधि से करनी हो, तो पंक्तियों का आपसी अन्तर 6 मीटर रखना चाहिए। कीवी फल के पौधों को लगाने के बाद चारों तरफ से मिट्टी को दबाकर तुरन्त सिंचाई करना आवश्यक होता है। पौध लगाने के बाद पाले से बचाने के लिए पौधों को सूखे घास या खरपतवार से ढक देना चाहिए व सिंचाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। करीब 1 फुट तक पूनिंग करने पर पौधे तेजी से बढ़ते हैं।

परागण- कीवी फल के नर और मादा पौधे अलग-अलग होते हैं, इसलिए उत्तम फल उत्पादन हेतु दोनों तरह के पौधे लगाना आवश्यक होता है। एलिसन या तोमूरी नर पौधा परागण के लिए लगाना आवश्यक है। आठ से नौ मादा पौधों के साथ एक नर पौधा लगाना चाहिए। परागण कीटों द्वारा होता है। कीवी फल की बेलों को अंगूर की तरह तारों के सहारे की आवश्यकता होती है। कीवी फल के पौधों से उत्तम उपज के लिए काट-छांट, सहारे और सधाई की आवश्यकता होती है।

शलगम की उन्नत खेती कब और कैसे करें, कमाए लाखों रुपये

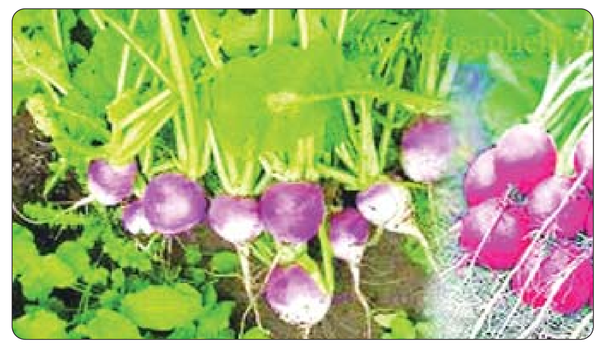

शलगम (जिसे शलजम भी कहा जाता है) एक पौष्टिक जड़ वाली सब्जी है, जो ठंडे मौसम में उगाई जाती है।इसकी खेती भारतीय किसानों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है, क्योंकि इसमें पोषण के साथ-साथ अच्छा बाजार मूल्य भी मिलता है। आज हम आपको शलगम की खेती कब और कैसे करें इसकी जानकारी देंगे, ताकि आप इसे सही मौसम में उगा सकें और अच्छी फसल प्राप्त कर सकें।

शलगम की खेती के लिए अनुकूल मौसम और जलवायु

शलगम की खेती के लिए ठंडी और शीतल जलवायु सबसे उपयुक्त है। यह मुख्य रूप से सर्दियों में उगाई जाती है, क्योंकि इस फसल को बढ़ने और पकने के लिए कम तापमान की आवश्यकता होती है।

बुआई का सही समय- शलगम की बुआई का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से नवंबर के बीच होता है।यह अवधि फसल के लिए अनुकूल मानी जाती है, क्योंकि तापमान कम होता है और पौधे को बढ़ने में सहूलियत मिलती है।

शलगम की खेती के लिए उपयुक्त मिट्टी का चयन - शलगम की अच्छी फसल के लिए उपजाऊ, भुरभुरी और जल निकासी वाली मिट्टी सबसे बेहतर मानी जाती है। मिट्टी के चयन में निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखें-

मिट्टी का प्रकार- बलुई दोमट मिट्टी या चिकनी दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। इसकी पीएच मात्रा 6.0 से 7.5 के बीच होनी चाहिए।

खेत की तैयारी- खेत की जुताई गहरी करें और मिट्टी को भुरभुरा बनाएं। इसके बाद खेत को समतल करें और नव्यकोष जैविक खाद डालकर मिट्टी को उपजाऊ बनाएं। जैविक खाद का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है।

शलगम के बीज का चयन और बुआई प्रक्रिया

शलगम के अच्छे उत्पादन के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का चयन करना बेहद जरूरी है। बीज चयन और बुआई प्रक्रिया निम्नलिखित है-

बीज चयन- बीजों का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे स्वस्थ और रोग-मुक्त हों। स्थानीय किस्में जो आपके क्षेत्र में सफलतापूर्वक उगाई गई हों, वे बेहतर विकल्प हैं।

बुआई की विधि- बीजों को सीधे खेत में बोया जा सकता है। बीज बोने के लिए क्यारी बनाएं और उसमें 2 से 3 सेंटीमीटर गहराई में बीज डालें। बीजों के बीच 10-15 सेंटीमीटर का अंतर रखें और क्यारियों के बीच 30 से 40 सेंटीमीटर का अंतर होना चाहिए।

शलगम की खेती में सिंचाई और जल प्रबंधन

शलगम की फसल को नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है, लेकिन जलभराव से बचना चाहिए।फसल के विकास के अनुसार सिंचाई का ध्यान रखें- **पहली सिंचाई**- बीज बोने के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें, ताकि बीज जल्दी अंकुरित हो जाएं।

नियमित सिंचाई- फसल को हर 7-10 दिन पर सिंचाई दें। खासकर जब पौधे फूलने लगें, तब पर्याप्त पानी दें, लेकिन खेत में जलभराव न हो।

शलगम की खेती में पोषक तत्व और खाद प्रबंधन

शलगम की अच्छी पैदावार के लिए पोषक तत्वों की पूर्ति जरूरी है। इसके लिए निम्नलिखित खाद प्रबंधन अपनाएं- प्राकृतिक खाद- जैविक खाद का प्रयोग करें, जैसे गोबर की खाद, नव्यकोष जैविक खाद, कंपोस्ट या वर्मी-कंपोस्ट। यह मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में सहायक होते हैं।

खाद देने का समय- खेत तैयार करते समय जैविक खाद को मिट्टी में अच्छी तरह मिलाएं। फसल के बढ़ने के दौरान भी आवश्यकता के अनुसार खाद दें।

शलगम की फसल की देखभाल और रोग प्रबंधन- शलगम की फसल को रोगों और कीटों से बचाना बहुत जरूरी है। इसके लिए निम्नलिखित उपाय अपनाएं-

फसल की देखभाल- फसल में खरपतवार न बढ़ने दें। समय-समय पर निराई-गुड़ाई करें और खेत को साफ रखें।

रोग प्रबंधन- शलगम की फसल में तना गलन और पत्तियों का पीला होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।इसके लिए जैविक पद्धतियों से उपचार करें, जैसे नीम के तेल का छिड़काव।

शलगम की कटाई और उपज- शलगम की कटाई का सही समय फसल की गुणवत्ता सुनिश्चित करता है। कटाई प्रक्रिया और उपज की जानकारी निम्नलिखित है।

कटाई का समय- शलगम की फसल को 60-90 दिनों में काटा जा सकता है, जब जड़ें पूरी तरह पक जाती हैं और पत्ते पीले होने लगते हैं। जड़ें मुलायम और आकार में ठीक हों, तब कटाई करें।

उपज- उचित देखभाल और अच्छी कृषि पद्धतियों के साथ प्रति हेक्टेयर 150-250 क्विंटल शलगम की उपज प्राप्त हो सकती है।

शलगम की खेती से होने वाले लाभ

शलगम की खेती से किसानों को कई लाभ हो सकते हैं-

स्वास्थ्य लाभ- शलगम विटामिन सी, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

आर्थिक लाभ- शलगम की बाजार में अच्छी मांग रहती है, जिससे किसानों को लाभकारी मूल्य मिल सकता है।

चने की खेती कैसे करें आधुनिक और उन्नत तरीके

लागत में अधिक उत्पादन देने वाली फसल का चयन करना किसानों के लिए सबसे बड़ी चुनौती रही है क्योंकि सभी फसलें अलग-अलग उत्पादन देती हैं। लेकिन जब चने की बात आती है तो खेती के लिए उपयुक्त बेहतर और स्मार्ट तरीके अपनाकर इस कठिनाई को दूर किया जा सकता है। चना पूरे भारत में उगाया जाता है क्योंकि यह उच्च तापमान का सामना कर सकता है और चावल या गेहूं जैसी अन्य फसलों की तुलना में प्रति एकड़ अच्छी उपज भी प्रदान करता है।

चना की खेती के लिए बुआई का समय

किसान भाइयों अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक असिंचित दशा में चना बो देना चाहिए। तथा चने की खेती धान की फसल कटने के बाद भी की जाती है, ऐसी स्थिति में बुआई दिसंबर के मध्य तक कर लेनी चाहिए। लेकिन बुवाई में जितनी देरी होगी, उपज उतनी ही कम होगी। इससे फसल में चना फली भेदक का प्रकोप अधिक होने की संभावना रहती है। इसलिए अक्टूबर का पहला सप्ताह चने की बुवाई के लिए सबसे अच्छा है।ओर आप को अगेती बुवाई के लिए अगेती पकने वाली किस्मों और देर से बुआई के लिए देर से पकने वाली किस्मों का चयन करना चाहिए। तो आइए अब जानते है चने की बेहतरीन किस्मों के बारे में।

ये रही चने एक की सबसे उन्नत किस्में

जी.एन.जी.1958- किसान भाइयों त्ठ्ठ्द 1958 एक अच्छी उपज वाली किस्म है इसके पत्ते लम्बे होते हैं। चने की इस किस्म के लिए केवल एक सिंचाई की आवश्यकता होती है जिससे पानी की बचत होती है। रेतीली मिट्टी में यह किस्म दो सिंचाइयों में पककर तैयार हो जाती है।और त्ठ्ठ्द 1958 चने के 100 दानों का वजन 26 ग्राम होता है। इस किस्म में कीटों का प्रकोप कम होता है जिससे लागत कम हो जाती है। जो 120 से 125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। यह प्रति हेक्टेयर 18 से 24 क्विंटल तक उपज देती है।

जे.जी.14- किसान भाइयों ये चने की तेजी से बढ़ने वाली किस्म है और 100 दिनों में उत्कृष्ट उत्पादन देती है, ओर यह क़िस्म प्रति हेक्टेयर 20से 25क्विंटल तक उपज देती है।जिसमें फफूंदी नहीं लगती है। फसल को कम पानी की आवश्यकता होती है, 6 फीट से कम ऊंचाई में बढ़ती है और एक पंक्ति में अधिक पंक्तियों को लगाकर उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाया जा सकता है। यह छोटे क्षेत्रों में खेती के लिए भी उपयुक्त है।

चना की खेती के लिए बुआई की विधि- किसान भाईयो बुआई के समय उचित नमी में सीडड्रिल से बुआई करें। और यदि आप के खेत में नमी कम हो तो बीज को नमी के सम्पर्क में लाने के लिए बुआई गहराई में करें।पौध की संख्या 25 से 30 प्रति वर्ग मीटर के रखे। पंक्तियों के बीच की दूरी 30 से.मी. और पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी.रखे।पछेती बोनी की अवस्था में कम वृद्धि के कारण उपज में होने वाली क्षति की पूर्ति के लिए सामान्य बीज़ दर से 20-25 किलोग्राम बढ़ाकर बोनी करें। देरी से बोनी की अवस्था में पंक्ति से पंक्ति की दूरी 25 से.मी. रखें।

इस बात का विशेष ध्यान रखे कि बीजों को बहुत अधिक गहराई में नहीं बोना है।इससे कटाई के समय उन्हें निकालना मुश्किल हो सकता है और पौधे की फलियों की संख्या कम हो सकती है। अच्छी पेंदावार ओर परिणामों के लिए बुवाई करते समय गहराई 2 सेमी से अधिक ना रखे।

चना की खेती के लिए खाद एवं उर्वरक- उर्वरकों और कीटनाश का उपयोग मिट्टी आधार पर किया जाना चाहिए। अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए 20-25 किलोग्राम नाइट्रोजन 50-60 किलोग्राम फास्फोरस 20 किलोग्राम पोटाष व 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करे ।असिंचित अवस्था में 2 प्रतिषत यूरिया या डी.ए.पी. का फसल पर स्प्रे करने से उपज में वृद्धि होती है।

चना की खेती के लिए सिंचाई- किसान भाईयों जैसा की आप जानते है चने की फसल के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है। सिचिंत क्षेत्रों में चने की खेती के लिए 3 से 4 सिंचाई ही करनी चाहिये। इसके पश्चात फसल की गुड़ाई करने के बाद बुवाई के 35-40 दिन बाद प्रथम सिंचाई, 70-80 दिन बाद दूसरी सिंचाई एवं अन्तिम सिंचाई 105-110 दिनों बाद करनी चाहिये। ओर किसान भाईयों इस बात का ज़रूर ध्यान रखें कि फसल को अधिक पानी नही दे इस से जड़ सड़न और पोषक तत्वों की कमी हो सकती है, ओर कम पानी देने से वृद्धि रुक सकती है और पैदावार असमान हो सकती है। इस लिए फसल को पर्याप्त पानी ही दे

चना की खेती की लिए मौसम जलवायु कैसी होनी चाहिए- किसान भाईयों चना एक नमी वाले वातावरण की फसल है जिसे रबी मौसम में बोया जाता हे। चने की खेती के लिए मध्यम वर्षा और नमी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त है। फसल में फूल आने के बाद वर्षा होना से उत्पादन में कमी होती है, क्योंकि वर्षा के कारण फूल परागकण परागकोश से निकल कर एक दूसरे से चिपक जाते जिससे बीज नही बन पाते है फसल के दाना के बनते समय 30 सेल्सियस से कम और 300 सेल्सियस से उच्च तापक्रम नुकसानदायक रहता है।

चना की खेती में खरपतवार नुकसान- किसान भाइयों तो जैसा की आप जानते है कि चने की खेती में विभिन्न खरापतवारो जैसे हिरनखुरी, गाजरी, प्याजी,हिरनखुरी,गाजरी, प्याजी, मोथा, बथुआ,से उपज में 40 से 50 प्रतिशत कमी होती है ओर पौधो को आवश्यक पोषक तत्व नहीं मिलपाते और पौधे छोटे रह जाते है जिस से की पैदावार में कमी के साथ फसल की गुणवाता पर भी इस का प्रभाव देख ने को मिलता है।

चने की खेती में खरपतवार नियंत्रण के उपाय- किसान भाइयों खेत में विभिन्न प्रकार की घासो को पैदा होने से रोक ने के लिए बुआई के 2 से 3 दिन बाद प्रति एकड़ में 200लीटर पानी के अंदर 700मिलीलीटर पेंडीमेथिलीन और 38.8 ष्टस् मिलाकर छिड़काव करे जिस की खेत में खेत में विभिन्न प्रकार की घासो को पैदा होने से रोका जा सके। और साथ ही प्रति एकड़ में 200 ग्राम एट्राजिन के प्रयोग से खरपतवार से छुटकारा पाया जा सकता है।

कद्दू की उन्नत खेती, किस्में, बुवाई का उचित समय और पैदावार के बारे में

भारत में कद्दू या काशीफल की खेती पुरातन काल से होती आ रही है। कददूवर्गीय सब्जियों में कददू एवं कुम्हड़ा का विशेष स्थान है। इसके कच्चे व पके हुए फलों से कई प्रकार की सब्जियां बनाई जाती हैं। उत्तर भारत में तो विवाह व त्यौहार आदि अवसरों पर इसकी सब्जी बनाने की प्रथा है। कद्दू कच्चा और पका फल सब्जी के लिए तथा पके फलों का मिठाई (पेठा) बनाने में प्रयोग होता है। कुम्हड़ा या कददू की एक किस्म मिष्ठान पेठा बनाने में प्रयुक्त होता है। इसके पके हुए फलों को साधारण ताप पर भी लम्बे समय तक रखा जा सकता है। यही कारण है कि जिस समय बाजार में सब्जियों का अभाव रहता है उस समय भी यह उचित मूल्य पर उपलब्ध रहता है। इसकी कोमल पत्तियों तथा फूलों की भी पहाड़ी लोग स्वादिष्ट सब्जी बनाकर उपयोग में लाते हैं। इसके बीज चीनी / शक्कर के साथ मिलाकर फीताकृमि (टेपवर्म) से पीड़ित व्यक्तियों को खिलाते हैं। इसके फलों का गूदा फुलटिस के रूप में फोडों और घाव पर बाँधा जाता है। इसकी सब्जी में सभी आवश्यक पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाये जाते हैं। कम लागत केराटीन की अधिक मात्रा तथा अच्छी भंडारण क्षमता के कारण ग्रीष्म कालीन ग्रत्रियों में काटत की पत्नी अधिक पसंद की जाती है। काशीफल के 100 ग्राम खाने योग्य भाग में 92.5 ग्राम जल, 1.4 ग्राम प्रोटीन, 46 ग्राम कार्बोहाइड्रेटस, 0.1 ग्राम वसा तथा 0.6 ग्राम खनिज लवण पाये जाते हैं। कददू के अन्तर्गत तीन प्रजातियाँ काशीफल या समर स्क्वेश (कुकुरबिटा पीपो), विन्टर स्क्वेश छप्पन कददू (कुकरविटा मोस्चेटा) तथा कुकरबीटा मैक्सीमा आती है। काशीफल या समर स्क्वेश (कुकुरबिटा पीपो) में फलवृन्त गहराई तक उभार लिये होता है एवं फल में 5-8 धारियाँ होती हैं जबकि विन्टर स्क्वेश/शीतकालीन (कुकरविटा मोस्चेटा) में फलवृन्त से फल मजबूती से जुड़ा होता है तथा आमतौर पर फल पर 5 धारियाँ होती हैं तथा कुकरविटा मैक्सिमा में फलवृन्त बेलनाकार होता है तथा उसमें धारियाँ नहीं पायी जाती हैं।

भूमि एवं उसकी तैयारी- काशीफल की खेती प्रायः सभी प्रकार की मृदा में की जा सकती है। अच्छी पैदावार लेने के लिए दोमट या बलुई दोमट भूमि जिसमें जीवांश की पर्याप्त मात्रा हो तथा उचित जल निकास वाली भूमि सर्वोत्तम रहती है। गंगा जमुना नदी के दोआब क्षेत्र की कछारी मिट्टी में भी उचित जीवांश मात्रा मिलाकर अच्छी खेती की जाती है। अधिक अम्लीय तथा क्षारीय भूमि इसकी खेती के लिए नुकसानदायक साबित होती है। 6.0 से 7.2 पी.एच. मान वाली भूमि में अच्छी उपज देती है। पहली गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से कर के दो से तीन जुताई देशी हल या हैरो से करते हैं। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरा और समतल करना चाहिए बीज के अंकुरण के समय भूमि का तापमान 18-20 डिग्री सेन्टीग्रेड होना चाहिये तथा पौधे की वृद्धि एवं विकास हेतु 24-27 डिग्री सेन्टीग्रेड तापमान उपयुक्त रहता है पूर्वोत्तर प्रदेश में छप्पन कद्दू की बुवाई सितम्बर माह के द्वितीय पखवाड़े से लेकर नवम्बर के प्रथम पखवाड़े तक करें। लो टनल की सुविधा होने पर दिसम्बर माह में भी बुवाई की जा सकती है।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

बाई का बगीचा, तुलसी मोहल्ला में स्थापित गणेश प्रतिमा

मेडिकल कॉलेजों का पीपीपी मॉडल

सुविधा बढ़ेगी, लेकिन जनता के हित की सुरक्षा जरूरी

निजी निवेश से बढ़ सकता है मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचा

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए सरकार पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप यानी पीपीपी मॉडल को आगे बढ़ा रही है। धार, बैतूल, कटनी और पन्ना में पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज विकसित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के अनुसार इन संस्थानों को दिसंबर 2027 तक स्थापित करने का लक्ष्य है। ऐसे में इस मॉडल से होने वाले संभावित लाभ के साथ इसकी शर्तों और जनता के हितों पर भी नजर रखना जरूरी होगा।

देशबन्धु खबर

निजी भागीदार का हित भी समझना होगा

पीपीपी में निजी संस्था का निवेश केवल सेवा के उद्देश्य से नहीं होता। उसे अपने निवेश और संचालन लागत की भरपाई के साथ रिटर्न भी चाहिए। इसलिए यह स्पष्ट होना जरूरी है कि निजी भागीदार कितना निवेश करेगा, सरकार की ओर से जमीन और अन्य संसाधनों का मूल्य कितना होगा, उसे कितने वर्षों का संचालन अधिकार मिलेगा और उसकी आय के स्रोत क्या होंगे।

जनता के हित की सुरक्षा जरूरी

इलाज की दरें, जांच और ऑपरेशन के शुल्क, मेडिकल शिक्षा की फीस तथा गरीब और आयुष्मान योजना के मरीजों के उपचार की शर्तें पहले से स्पष्ट होनी चाहिए। सरकारी जमीन, जिला अस्पताल या अन्य सार्वजनिक संसाधनों के इस्तेमाल की स्थिति में उनका मूल्यांकन और निजी भागीदार को मिलने वाले अधिकार भी पारदर्शी होने चाहिए। अनुबंध में डॉक्टरों, नर्सों और तकनीकी कर्मचारियों की न्यूनतम संख्या, हस्ट मानकों का पालन, मरीजों की शिकायतों के समाधान और शर्तों के उल्लंघन पर कार्रवाई का स्पष्ट प्रावधान होना चाहिए।

सरकारी जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं

मॉडल की सफलता केवल नए मेडिकल कॉलेज बनने से नहीं, बल्कि इस बात से तय होगी कि निजी निवेश के साथ मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और किफायती इलाज तथा विद्यार्थियों को उचित अवसर मिल रहे हैं या नहीं। इसलिए पीपीपी की हर परियोजना में सरकार ने क्या दिया, निजी भागीदार ने कितना लगाया और बदले में उसे क्या अधिकार मिले- इसका हिसाब सार्वजनिक होना जरूरी है। इस संबंध में चिकित्सकों में भी असमंजस की स्थिति है। आखिर पीपीपी नियम लागू होने के बाद के हालात क्या होने वाले हैं।

फीस, इलाज की दर और निजी भागीदार के आर्थिक हितों पर निगरानी जरूरी

क्या है पीपीपी मॉडल?

पीपीपी यानी सरकार और निजी संस्था की साझेदारी। इसमें सरकार जमीन, उपलब्ध स्वास्थ्य ढांचा या अन्य सार्वजनिक संसाधन उपलब्ध करा सकती है, जबकि निजी भागीदार मेडिकल कॉलेज की इमारत, लैब, हॉस्टल, उपकरण और अन्य सुविधाओं के विकास में निवेश करता है। इसके बदले उसे अनुबंध के अनुसार संचालन और निर्धारित सेवाओं से राजस्व अर्जित करने का अधिकार मिल सकता है।

सरकार को क्या फायदा?

इस मॉडल से सरकार पर पूरा वित्तीय भार डाले बिना मेडिकल कॉलेज और आधुनिक स्वास्थ्य ढांचा तेजी से विकसित किया जा सकता है। निजी क्षेत्र की पूंजी, तकनीकी क्षमता और प्रबंधन विशेषज्ञता का उपयोग होने से उन जिलों में भी मेडिकल शिक्षा और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं पहुंच सकती हैं, जहां इनका अभाव है।

प्रयागराज से तिरुचानूर के लिए जबलपुर होकर 3 अक्टूबर से चलेगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

जबलपुर, देशबन्धु। रेलवे ने दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए प्रयागराज और तिरुचानूर के बीच एक सुपरफास्ट त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 3 अक्टूबर से 29 नवंबर तक दोनों दिशाओं में 9-9 फेरे चलेगी। ट्रेन संख्या 04109/04110 मानिकपुर, सतना, कटनी, जबलपुर, इटारसी, नागपुर, विजयवाड़ा और रेणिगुंटा होते हुए तिरुचानूर पहुंचेगी।

रेलवे के मुताबिक, इस ट्रेन के चलने से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के यात्रियों को दक्षिण भारत की यात्रा के लिए बिना ट्रेन बदले सीधे कनेक्टिविटी मिलेगी। खासकर तिरुपति के भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर और तिरुचानूर के श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को इससे काफी सुविधा होगी। इसके अलावा, मैहर, जबलपुर, विजयवाड़ा और दूसरे बड़े धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक भी यात्रियों का पहुंचना आसान हो जाएगा।

ये है समय सारिणी

ट्रेन संख्या 04109 हर शनिवार को प्रयागराज से सुबह 5:20 बजे रवाना होगी। यह मानिकपुर 7:35 बजे, सतना 8:20 बजे, कटनी 9:58 बजे, जबलपुर 10:45 बजे, इटारसी दोपहर 3:30 बजे, नागपुर रात 9:05 बजे और चंद्रपुर रात 11:56 बजे पहुंचेगी। अगले दिन, यह ट्रेन विजयवाड़ा सुबह 8:30 बजे, रेणिगुंटा दोपहर 3:10 बजे पहुंचेगी और रविवार शाम 4:10 बजे तिरुचानूर पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 04110 हर रविवार को तिरुचानूर से रात 11:55 बजे चलेगी। यह रेणिगुंटा, विजयवाड़ा, नागपुर, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना और मानिकपुर होते हुए मंगलवार सुबह 10:35 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

राज्य स्तरीय वुशू चैंपियनशिप

संस्कारधानी के सूर्या ने जीते दो स्वर्ण और दो रजत पदक

जबलपुर, देशबन्धु। भोपाल में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय मध्यप्रदेश वुशू चैंपियनशिप में जबलपुर के उभरते खिलाड़ी सूर्या जायसवाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सूर्या ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए कुल चार पदक-दो स्वर्ण और दो रजत अपने नाम किए। सूर्या की इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश वुशू संघ के अध्यक्ष एवं आईपीएस अधिकारी जयदीप सिंह, खेल विभाग के संयुक्त संचालक बीएस यादव तथा संघ के सचिव मनोज गुप्ता ने उन्हें बधाई देते हुए सम्मानित किया। पदाधिकारियों ने आगामी राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए सूर्या को शुभकामनाएं भी दीं। सूर्या की इस उपलब्धि से उनके परिवार, प्रशिक्षकों और खेलप्रेमियों में खुशी का माहौल है। उनके कोच दिव्यांश, मनोज गुप्ता, नितिन भाटिया, प्रदीप परिहार, सुरेंद्र सिंह एवं मनीष रजक सहित खेलप्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल खेल भविष्य की कामना की।

आपसी कहासुनी से उपजे विवाद में हत्या

बाबा टोला में युवक को चाकू मारकर उतारा मौत के घाट

जबलपुर, देशबन्धु। संस्कारधानी गणेशोत्सव में भक्तिमय है, वहीं हनुमानताल थाना अंतर्गत बाबा टोला क्षेत्र में चाकूबाजी के दौरान युवक की हत्या कर दी गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे इलाज के लिये विक्टोरिया अस्पताल भेजा गया है। वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। क्षेत्रीयजनों ने घटना की खबर पुलिस दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिये भिजवाया और जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार हनुमानताल थाना क्षेत्र के बाबा टोला शिव मंदिर के पास, लल्लू दुकान के समीप में विवाद ने उस समय खूनी रूप ले लिया। जब क्षेत्र का रहने वाला सूरज चौधरी अपने दोस्तों के साथ घूमने गया था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान कुछ बदमाशों ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस चाकूबाजी में मोहल्ले का भूरा उर्फ भय्यौ नामक युवक भी घायल हो गया है। जिसे गंभीर हालत में इलाज के लिये विक्टोरिया भेजा गया है।

मृतक सूरज चौधरी के बड़े भाई शनि चौधरी ने बताया कि सूरज अपने दोस्तों के साथ घूमने गया था। इसी दौरान आपसी कहासुनी के चलते चाकूबाजी की घटना हुई। क्षेत्रीयजनों के अनुसार घायल 'भूरा' उर्फ भय्यौ ने ही सूरज चौधरी को मारा है। घटना की जानकारी मिलते ही हनुमानताल थाने के सब-इंस्पेक्टर रोहिणी शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना का स्पष्ट कारण अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जांच जारी है-

हत्या में कौन लोग शामिल है इसकी जांच चल रही है। घायल भूरा के बयान नहीं हो पाए हैं। इसलिये अभी कुछ नहीं कहा जा सकता कि चाकूबाजी किसने की। बयान होने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। मामले की जांच की जा रही है।

-सुभाष बघेल
थाना प्रभारी, हनुमानताल

आज महाप्रबंधक सागर का करेंगे निरीक्षण

जबलपुर, देशबन्धु। पमरे के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह 21 सितम्बर आज दमोह-सागर खंड का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक श्री मंडल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक तकनीकी अधिकारियों की टीम भी साथ में रहेगी। रविवार को अवकाश होने के बावजूद परिचालन विभाग, वाणिज्य विभााग, यांत्रिकी व अन्य विभाग के उच्च अधिकारी अपनी अपनी शाखा से संबंधित पत्रक बनाने में व्यस्त रहे। यह निरीक्षण काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए हैं। निरीक्षण के लिये टीम ने तैयारी पूरी कर ली है। बताया जा रहा है कि निरीक्षण के दौरान दमोह-सागर खंड में स्टेशन के अलावा अन्य कार्य भी महाप्रबंधक द्वारा देखें जाएंगे। जिसके बाद दमोह-सागर खंड में हड़कंप मचा हुआ है।

पूर्व टीएंडसीपी अधिकारी के जाति प्रमाण पत्र की होगी जांच

जबलपुर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने जबलपुर में पदस्थ रहे पूर्व टीएंडसीपी संयुक्त संचालक व वर्तमान में भोपाल सिटी प्लानर नीरज आनंद लिखार के जाति प्रमाण पत्र की जांच के कड़े निर्देश जारी किए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकल पीठ ने नरसिंहपुर निवासी आदित्य ठाकुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च स्तरीय जाति जांच समिति को 90 दिन में जांच पूरी कर रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा है। याचिका में अधिकारी के प्रमाण पत्र की वैधता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अनुसूचित जनजाति कोटे का अनुचित लाभ लेकर महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्ति, पदोन्नति और अन्य सेवा लाभ हासिल किए हैं।

याचिकाकर्ता के अनुसार नीरज आनंद लिखार के सगे बड़े भाई अजय लिखार का जाति प्रमाण पत्र पहले ही उच्च स्तरीय जाति जांच समिति द्वारा जांच और तथ्यों के मूल्यांकन के बाद निरस्त किया जा चुका है। उच्च न्यायालय ने भी समिति के उस फैसले को सही ठहराते हुए बरकरार रखा था।

अधिवक्ता ने अदालत में तर्क दिया कि दोनों सगे भाइयों ने महाराष्ट्र से हल्बा जनजाति के नाम पर दस्तावेज प्राप्त किए थे। जब दोनों भाइयों के वंश, पूर्वज और जन्मस्थान एक समान हैं और दस्तावेज भी एक ही सक्षम प्राधिकार द्वारा समान तथ्यों के आधार पर लगभग एक ही समय में बने थे, तब एक भाई का दस्तावेज अवैध पाए जाने पर दूसरे भाई के प्रमाण पत्र की सत्यता पर निर्णय होना कानूनी रूप से जरूरी है।

बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र

प्रदेश के कई जिलों में 72 घंटे में बारिश के आसार

जबलपुर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में एक बार फिर मानसून की वापसी हो गई है। कई जिलों में रविवार को झमाझम बारिश हुई। जबलपुर में दोपहर 2 बजे के बाद आसमान में काले बादल छाए और कुछ ही देर तेज हवाओं के साथ बारिश भी शुरू हो गई। तेज हवाओं के कारण कुछ इलाकों में पेड़ गिरने से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। लेकिन बारिश के बाद उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को थोड़ी राहत मिली।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 72 घंटों में एक बार फिर झमाझम बारिश का दौर शुरू हो सकता है। बंगाल की खाड़ी में अंडमान-निकोबार और आसपास के तटीय क्षेत्रों में सक्रिय कम दबाव का क्षेत्र लगातार मजबूत हो रहा है। जिससे चक्रवाती सिस्टम बदल सकता है। इसके उड़ीसा और आंध्रप्रदेश के समुद्री तट से टकराने की संभावना जताई जा रही है। इस सिस्टम के प्रभाव से प्रदेश के मौसम में बदलाव होने तथा बारिश का दौर दोबारा शुरू होने के आसार हैं। इसके अलावा प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के आसार बने हुये हैं। वहीं जबलपुर संभाग के कई जिलों में रूक रूककर बारिश हो रही है। जिससे मौसम में ठंडक घुल गई है।

किसानों को बारिश का इंतजार

बारिश का दौर दोबारा शुरू होने से किसानों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आने वाले दिनों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। इससे खरीफ फसलों को फायदा मिलने की संभावना है। साथ ही लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को भी राहत मिल सकती है।

तापमान में उतार-चढ़ाव जारी

मानसून की गतिविधियां कमजोर होने के कारण फिलहाल उमस और गर्मी का असर बना हुआ है। दिन के तापमान में बढ़ोतरी के साथ लोगों को गर्मी और उमस परेशान कर रही है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी में बन रहे सिस्टम के सक्रिय होने के बाद मौसम में बदलाव आने की संभावना है।

बांधवगढ़ में पहले दिन 124 वाहनों की जांच

जंगल सफारी पर जाने वाली जिप्सियों की पड़ताल शुरू

उमरिया, देशबन्धु। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 1 अक्टूबर से पर्यटन सत्र शुरू होने वाला है। इससे पहले पर्यटक वाहनों की जांच और पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। रिजर्व प्रबंधन द्वारा वाहनों के दस्तावेजों के साथ उनकी तकनीकी और पर्यावरणीय स्थिति की जांच की जा रही है। पहले दिन कुल 124 पर्यटक वाहनों की जांच एवं पंजीकरण की कार्रवाई पूरी की गई।

पर्यटक वाहनों की जांच और पंजीकरण के लिए गठित समिति की अध्यक्षता सहायक संचालक, ताला द्वारा की गई। इस दौरान ताला परिक्षेत्र अधिकारी, पर्यटन तथा धमोखर परिक्षेत्र अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। समिति द्वारा निर्धारित नियमों और मापदंडों के आधार पर वाहनों की जांच की गई। जांच प्रक्रिया के दौरान पर्यटक वाहनों के आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। प्रबंधन के अनुसार, निर्धारित नियमों के तहत वर्ष 2020 के बाद से संबंधित एवं निर्धारित मानकों को पूरा करने वाले बीएस-4 श्रेणी के वाहनों का ही पंजीकरण किया जा रहा है। इसका मतलब है कि केवल निर्धारित मानकों पर खरे उतरने वाले वाहन ही आगामी पर्यटन सत्र में पंजीकरण प्रक्रिया का हिस्सा बन सकेंगे। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि जांच के दौरान निर्धारित मापदंडों को पूरा नहीं करने वाले वाहनों को पंजीकरण की प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा।

मझगांय बांध प्रभावितों का चिता आंदोलन, मरने को भी तैयार

अजयगढ़/पन्ना, देशबन्धु। अजयगढ़ के मझगांय बांध प्रभावितों का चिता आंदोलन अब प्रशासनिक दमन के आगे सीना तानकर एक विराट जनक्रांति का रूप ले चुका है, जहां नौवें दिन भी टपरियों में डेरा डाले ग्रामीणों ने देर रात तक मशालें जलाकर हुंकार भरी और साफ कर दिया कि जेल की सलाखें या पुलिसिया जुल्म उनके बुलंद हौसले को नहीं डिगा सकते। जय किसान संगठन के नेता अमित भटनागर ने शासन-प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विस्थापन के इस दर्दनाक दौर में मुआवजे और पुनर्वास के नाम पर चल रहा भ्रष्टाचार किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

J.B.F.A
जबलपुर ब्रॉयलर फार्मस् एसोसियेशन
मुर्गा छोटा - रु. 152
मुर्गा मीडियम - रु. 140
मुर्गा बड़ा - रु. 112
मुर्गा जम्बो - रु. 112
मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री
बड़ा ब्रॉयलर - रु. 108
मीडियम ब्रॉयलर - रु. 136
छोटा ब्रॉयलर - रु. 148
मो.- 9039925999

FOR PRIVATE SCREENING CALL
+917999968989
FOR ONLINE BOOKING & OFFER
BOOK FROM
BOOKMYSHOW
CALL BOOKING 0761-4069888, 4069889
समदड़िया सिनेमा
BOOK YOUR TICKET & FOOD NO WhatsApp
SAMDREEYACINEMA+917999968989

HANUMAN ANSH
09:00AM 11:45AM
02330PM 05:30PM
08:30PM 10:55PM

MIRZAPUR
09:00AM 12:30PM
04:15PM 08:00PM
11:30PM

RESIDENTS EVIL
09:30AM 02:00PM
06:30PM

VIBE
10:00AM 01:00PM
04:00PM
10:00PM

DAARYA
11:15AM 03:45PM
08:15PM 11:15PM

HAIWAAN
07:00PM